3 राजधानी
तीसरे दिन भी सिंघु, टिकरी बॉर्डर पर आवाजाही बंद

6 अभिमत
महिलाओं हेतु समान नागरिक संहिता

11 विदेश
इमरान ने उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाया

12 स्पोर्ट्स
रोहित और जड़ेजा ने जड़े शतक

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 101
नई दिल्ली, शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भारत प्रौद्योगिकी क्रांति के शिखर पर

राष्ट्रीय-10

चुनावी बांड असंवैधानिक: सुप्रीम कोर्ट

पीटीआई। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों से पहले दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने गुमनाम राजनीतिक फंडिंग की चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया, इसे 'असंवैधानिक' करार दिया और खरीदारों के नाम, बांड के मूल्य और उनके प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करने का आदेश दिया। यह मानते हुए कि 2018 की योजना भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना के अधिकार के संवैधानिक अधिकार का 'उल्लंघन' थी, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस तर्क से सहमत नहीं थी कि इसका उद्देश्य पारदर्शिता लाना और राजनीतिक फंडिंग में काले धन पर अंकुश लगाना था। योजना को तुरंत बंद करने का आदेश देते हुए, शीर्ष अदालत ने योजना के तहत अधिकृत वित्तीय संस्थान, भारतीय स्टेट बैंक को 12 अप्रैल, 2019 से अब तक खरीदे गए चुनावी बांड का विवरण 6 मार्च तक चुनाव आयोग को सौंपने का भी निर्देश दिया। जो 13 मार्च तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सूचना प्रकाशित करेगा।

बेंच ने कहा, 'चुनावी बांड योजना और विवादित प्रावधान इस हद तक कि वे चुनावी बांड के माध्यम से योगदान को अज्ञात करके मतदाता की जानकारी के अधिकार का उल्लंघन करते हैं, संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का उल्लंघन है।' बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने एसबीआई को 'प्रत्येक चुनावी बांड की खरीद की तारीख, बांड के खरीदार का नाम और खरीदे गए चुनावी बांड के मूल्यवर्ग' सहित विवरण साझा करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा, 'एसबीआई 12 अप्रैल, 2019 के इस अदालत के अंतरिम आदेश के बाद से आज तक चुनावी बांड के माध्यम से योगदान प्राप्त करने वाले राजनीतिक दलों का विवरण ईसीआई को प्रस्तुत करेगा। एसबीआई को राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बांड के विवरण का खुलासा करना होगा जिसमें नकदीकरण की तारीख और चुनावी बांड का मूल्य शामिल होंगे।'

12 अप्रैल, 2019 को, शीर्ष अदालत ने एक अंतरिम आदेश जारी किया था जिसमें निर्देश दिया गया था कि राजनीतिक दलों को प्राप्त दान और प्राप्त होने वाले दान की जानकारी एक सीलबंद कवर में चुनाव आयोग को प्रस्तुत करनी होगी। अदालत ने आदेश दिया कि बिना भुनाए चुनावी बांड, जो 15 दिनों की वैधता अवधि के भीतर हैं, राजनीतिक दल या खरीदार द्वारा जारीकर्ता बैंक को वापस कर दिए जाएंगे, जो बदले में खरीदार के खाते में राशि वापस कर देगा।

सीजेआई ने कहा, 'चुनावी बांड योजना, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29सी(1) (वित्त अधिनियम 2017 की धारा 137 द्वारा संशोधित), कंपनी अधिनियम की धारा 182(3) (जैसा संशोधित) का प्रावधान है। वित्त अधिनियम 2017 की धारा 154 द्वारा), और धारा 13ए(बी) (वित्त अधिनियम 2017 की धारा 11 द्वारा संशोधित) अनुच्छेद 19(1)(ए) का उल्लंघन और असंवैधानिक हैं।'

इसमें कहा गया है कि कंपनी अधिनियम में राजनीतिक दलों को असीमित कॉर्पोरेट योगदान की अनुमति देने वाले प्रावधान को हटाना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का 'मनमाना और उल्लंघन' था। यह मानते हुए कि किसी मतदाता को प्रभावी तरीके से वोट देने की अपनी स्वतंत्रता का उपयोग करने के लिए किसी राजनीतिक दल को मिलने वाले वित्तपोषण के बारे में जानकारी आवश्यक है। बेंच ने कहा कि यह योजना कम से कम प्रतिबंधात्मक साधन परीक्षण को पूरा नहीं करती है। सीजेआई ने कहा, 'चुनावी बांड योजना चुनावी वित्त में काले धन पर अंकुश लगाने का एकमात्र साधन नहीं है। ऐसे अन्य विकल्प भी हैं जो उद्देश्य को काफी हद तक पूरा करते हैं और सूचना के अधिकार पर चुनावी बांड के प्रभाव की तुलना में सूचना के अधिकार को न्यूनतम रूप से प्रभावित करते हैं।' उन्होंने कहा, 'निगमों और कंपनियों द्वारा किए गए भारी राजनीतिक योगदान को आबादी के किसी अन्य वर्ग द्वारा किए गए वित्तीय योगदान के कारण को छिपाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। जब कानून राजनीतिक योगदान की अनुमति देता है और इस तरह का योगदान राजनीतिक समर्थन की अभिव्यक्ति के रूप में किया जा सकता है जो किसी व्यक्ति की राजनीतिक संबद्धता को इंगित करेगा, उनकी रक्षा करना संविधान का कर्तव्य है।'

कोर्ट ने कहा, 'इस समय, पैसे और राजनीति के घनिष्ठ संबंध को दोबारा गिनाने की जरूरत है, जिसे ऊपर समझाया गया है। पैसा न केवल चुनावी नतीजों और नीतियों को प्रभावित करने के लिए जरूरी है, बल्कि यह सच्ची लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए भी जरूरी है।' कोर्ट ने आगे कहा, 'हालांकि, राजनीतिक योगदान को सूचनात्मक गोपनीयता की छतरी केवल इसलिए नहीं देना क्योंकि योगदान का एक हिस्सा अन्य कारणों से किया गया है, अनुचित होगा। संविधान केवल दुरुपयोग की संभावनाओं के कारण आंखें नहीं मूंदता है।'

किसानों का पंजाब में रेल रोको आंदोलन शुरू, बातचीत जारी

पायनियर समाचार सेवा। चंड़ीगढ़/नई दिल्ली

पटियाला में राजपुरा में रेल ट्रैक को अवरुद्ध करते विभिन्न किसान संगठनों के सदस्य।

दिल्ली चलो मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हरियाणा पुलिस की कार्रवाई को लेकर पंजाब में कई स्थानों पर किसानों के रेल पटरियों पर बैठकर चार घंटे का रेल रोको आंदोलन शुरू किया। किसानों इस विरोध प्रदर्शन से हजारों यात्रियों को असुविधा हुई। विरोध के तीसरे दिन पंजाब और हरियाणा के दो सीमाओं शंभू और खनौरी पर किसानों और हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के बीच कोई झड़प नहीं हुई। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पंजाब के किसानों द्वारा अपनी मांगों के खिलाफ अपनाए गए तरीके की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि वे दिल्ली चलो मार्च करने की कोशिश नहीं करें। आम आदमी पार्टी के संदर्भ में, खट्टर ने कहा, पंजाब सरकार किसानों को रोक सकती थी। अगर वे नहीं रुके, तो वहां कुछ समझ होनी चाहिए और दिल्ली में आप सरकार चलाने वाले कहते हैं कि वे किसानों के आंदोलन के साथ हैं। किसानों के दिल्ली चलो आह्वान में आप के समर्थन में देने के सवाल के जवाब में खट्टर ने कहा कि टिप्पणी करना सही नहीं है लेकिन उनके (किसानों के) व्यवहार से पता चलता है कि उन्हें किसी तरह का समर्थन प्राप्त है।

इस बीच, किसान प्रदर्शनकारियों और केंद्र के बीच जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए बृहस्पतिवार को तीन केंद्रीय मंत्रियों और किसान यूनियनों के प्रतिनिधियों ने चंडीगढ़ में देर शाम बातचीत शुरू की जो देर रात तक चलती रही। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने वाले कानून सहित किसान संघों की मांगों पर बैठक में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले 8 और 12 फरवरी को हुई पिछली दो दौर की बातचीत बेनतीजा रही थी। हरियाणा सरकार ने किसानों के दिल्ली चलो मार्च को देखते हुए सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट और बड़ी संख्या में एसएमएस भेजने पर प्रतिबंध को दो दिन और बढ़ाकर 17 फरवरी तक कर दिया है। आदेश के अनुसार अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा जिलों के अधिकार क्षेत्र में वॉयस कॉल को छोड़कर मोबाइल इंटरनेट सेवाओं, बल्क एसएमएस (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और मोबाइल नेटवर्क पर प्रदान की जाने वाली सभी सेवाओं पर शनिवार तक बढ़ा दी गई है। 200 से अधिक किसान यूनियनों द्वारा बुलाए गए दिल्ली चलो विरोध मार्च के बीच, संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ मिलकर (शेष पेज 9)

इंडिया गुट को झटका, फारुक बोले- नेकां अकेले लड़ेगी

मोहित कंडारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय की सक्रियता के बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और श्रीनगर से मौजूदा सांसद डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा करके हलचल मचा दी कि वे इंडिया गठबंधन को छोड़कर केंद्रशासित प्रदेश में अकेले चुनाव लड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनडीए को हराने के लिए एकजुट होकर लड़ने की कोशिश में अब तक टीएमसी, आप और जेडी (यू) ने निर्णायक सीट-बंटवारे की बातचीत से पहले ही गठबंधन को छोड़ दिया है। डॉ. अब्दुल्लाह द्वारा यह घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, उनके बेटे और पार्टी उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक सख्त स्पष्टीकरण जारी किया जिसमें दावा किया गया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया गठबंधन का सदस्य है। हम इंडिया एलायंस के सदस्य बने रहेंगे। साथ ही, उमर ने दृढ़ता से स्पष्ट किया कि साझेदारी फॉर्मूले पर कांग्रेस पार्टी के साथ कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। अनौपचारिक तौर पर कुछ बातचीत हुई है और आगे भी चर्चा की गुंजाइश है। उन्होंने कहा, ' इंडिया गठबंधन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बनी हुई है, भले ही गठबंधन के संस्थापक सदस्य हाल के सप्ताहों में चले गए हों। हम उन लोगों में से नहीं हैं जो जा रहे हैं। हम कांग्रेस पार्टी के साथ अपनी चर्चा जारी रखेंगे और हमें उम्मीद है कि सीट-बंटवारे पर कोई सहमति बन जाएगी।'

फारूक अब्दुल्ला के साथ मौजूद उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे और अब भी हैं। बातों को दूसरे संदर्भ में लिया गया है। समूह का मुख्य विचार भाजपा को हराना है और दो नावों में सवार होने का कोई मतलब नहीं है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की सामान्य इच्छा प्रकट की थी। पार्टी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा, नेकां कार्यकर्ता सभी छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि कभी-कभी बड़े उद्देश्य के लिए छोटी-छोटी कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। अगर बड़ा उद्देश्य भाजपा को हराना है, तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर समझौता करना जरूरी है। (शेष पेज 9)

भारतीयों की रिहाई के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर को सराहा

एजेंसी। दोहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी की बृहस्पतिवार को सराहना की। साथ ही दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों विशेष रूप से निवेश, ऊर्जा और नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। कतर सरकार द्वारा भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मियों को रिहा किए जाने के कुछ दिन बाद दोनों नेताओं के बीच यह बैठक हुई जिन्हें अगस्त, 2022 में गिरफ्तारी के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। मोदी ने अमीर के साथ अपनी मुलाकात को अद्भुत बताया और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि भारत-कतर संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं। मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा के बाद बुधवार की रात दोहा पहुंचे थे। यह प्रधानमंत्री की कतर की दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह जून 2016 में कतर पहुंचे थे।

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने प्रेस वार्ता में कहा कि मोदी ने खाड़ी देश में भारतीय समुदाय के कल्याण के वास्ते समर्थन के लिए अमीर को धन्यवाद दिया। क्वात्रा ने कहा, प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के कल्याण के वास्ते समर्थन के लिए अमीर को धन्यवाद दिया और इस संबंध में, अल-दहरा कंपनी के आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए उनकी सराहना की। क्वात्रा ने कहा कि मोदी और अमीर के बीच चर्चा व्यापार साझेदारी, निवेश सहयोग और ऊर्जा संबंधों सहित द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रणनीतिक निवेश और साझेदारी की आवश्यकता के बारे में बात की। प्रधानमंत्री मोदी की कतर की दूसरी यात्रा कतर द्वारा भारतीयों को रिहा किए जाने के कुछ दिन बाद हुई। निजी कंपनी अल दहरा के साथ काम करने वाले भारतीय नागरिकों को जासूसी के एक कथित मामले में अगस्त, 2022 में गिरफ्तार किया गया था। नौसेना के पूर्व कर्मियों को 26 अक्टूबर को कतर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी।

खाड़ी देश की अपीलीय अदालत ने 28 दिसंबर को मौत की सजा को कम कर दिया था और नौसेना के पूर्व कर्मियों को तीन साल से लेकर 25 साल तक अलग-अलग अवधि के लिए जेल की सजा सुनाई थी। पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री मोदी ने दुबई में कॉप 28 शिखर सम्मेलन के मौके पर कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात की थी और कतर में भारतीय समुदाय के कल्याण पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ सार्थक बैठक हुई। हमने भारत-कतर संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देश भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए भी तत्पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर आज सुबह अमीरी पैलेस में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। मोदी ने दोहा में अपने औपचारिक स्वागत की तस्वीरों के साथ एक अन्य पोस्ट में कहा, भारत और कतर के संबंध लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। क्वात्रा ने कहा, प्रधानमंत्री की कतर की बहुत सफल यात्रा रही। इस यात्रा ने सहयोग के पूरे क्षेत्र में भारत-कतर संबंधों को बहुत ऊंचे स्तर पर ले जाने के लिए आधार तैयार किया है। साथ ही कुछ नए क्षेत्रों में साझेदारी तलाशने की नींव भी रखी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मोदी तथा अमीर के बीच बैठक को सार्थक बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने कतर के नेता को उस देश में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए धन्यवाद दिया। जायसवाल ने एक्स पर कहा, दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, ऊर्जा, अंतरिक्ष, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की। प्रवक्ता ने कहा, उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कतर में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर को धन्यवाद दिया। अपने आगमन के तुरंत बाद, मोदी ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से मुलाकात की। वह कतर के विदेश मंत्री भी हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, ऊर्जा, वित्त और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा, उन्होंने पश्चिम एशिया में हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रम पर भी चर्चा की और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। वार्ता के बाद मोदी के सम्मान में अमीरी पैलेस में दोपहर के भोज का आयोजन किया गया। क्वात्रा ने कहा, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा, व्यापार, सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और रणनीतिक दृष्टिकोण से उनका आकलन किया गया। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी विशेष समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। (शेष पेज 9)

दोहा में द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ।

हाशिए पर रहने वालों के लिए पहली बार गर्मी शमन समाधान योजना

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

जैसे-जैसे भारत भीषण गर्मी के थपेड़ों को झेलने के लिए तैयार हो रहा है, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने पहली बार सड़क विक्रेताओं, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों, यातायात पुलिसकर्मियों और निर्माण श्रमिकों जैसे कमजोर समूहों की जरूरतों के अनुरूप गर्मी शमन समाधान तैयार करना शुरू कर दिया है। यह कदम उन चिंताओं के बीच आया है कि मौजूदा हीट एक्शन प्लान (एचएपी) इन हाशिए पर रहने वाली आबादी को प्राथमिकता देने में चूक गए हैं, जो कि सबसे आगे हैं। थिंक टैंक सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च ने इस बार में ध्यान आकर्षित किया है। फरवरी 2023 को 1901 के बाद से सबसे गर्म महीने के रूप में दर्ज किया गया था और इस साल और आगे स्थिति और खराब होने की संभावना है। एचएपी ग्लोबल वार्मिंग के हमले से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। पिछले वर्ष भी दुनिया में भीषण गर्मी पड़ी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल भारत में मार्च और मई के बीच गर्म दिनों की संख्या 280 दिन थी।

दरअसल, ट्रैफिक पुलिस, निर्माण श्रमिकों और विक्रेताओं पर हीटवेव का प्रभाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे अक्सर चिलचिलाती तापमान और कठोर कामकाजी परिस्थितियों के संपर्क में आते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि ये कमजोर समूह छूट न जाएं, एनडीएमए ने हीट वेव के लिए प्रबंधन हस्तक्षेप और शमन रणनीतियों पर हाल ही में आयोजित अपनी दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में पहली बार इस क्षेत्र के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया, ताकि डिजाइन में मदद करने के लिए उनके अनुभव को नोट किया जा सके। ताप शमन समाधान जो उनकी चिंताओं का समाधान करते हैं। इसके अतिरिक्त चयनित जिलों के जिला कलेक्टरों ने भी एचएपी को लागू करने में अपने अनुभव प्रस्तुत किए।

एनडीएमए के एक अधिकारी ने कहा, 'योजना प्रक्रिया में इन अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से शामिल करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनकी आवाज़ सुनी जाए और उनके अनुभवों को ध्यान में रखा जाए। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण न केवल हीटवेव तैयारियों के प्रयासों की प्रभावशीलता को बढ़ाता है, बल्कि सबसे सीधे प्रभावित लोगों के बीच स्वामित्व और सशक्तिकरण की भावना को भी बढ़ावा देता है।' चूंकि वे दिन के सबसे गर्म घंटों के दौरान शारीरिक श्रम करते हैं, इसलिए ये श्रमिक गर्मी से संबंधित बीमारियों, निर्जलीकरण और थकान सहित उनके सामने आने वाली कठिनाइयों का प्रत्यक्ष विवरण प्रदान कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा, उनका इनपुट व्यापक हीटवेव तैयारी योजना विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है जो उनकी विशिष्ट जरूरतों और चिंताओं को संबोधित करता है। उदाहरण के लिए, ट्रैफिक पुलिसकर्मी हरीश चौधरी (बदला हुआ नाम) का मामला लीजिए। पिछले साल जब सूरज अपने चरम पर था, तब उन्हें शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक पर तैनात किया गया था, जहां यातायात की भीड़ आम बात थी। पूरे दिन पुलिसकर्मी ने कठोर परिस्थितियों को सहन किया, हर गुजरते घंटे के साथ गर्मी बढ़ती गई। उनका इनपुट उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों को सूचित कर सकता है, जैसे पर्याप्त छाया, जलयोजन सुविधाएं प्रदान करना और दिन के सबसे गर्म हिस्सों के दौरान ब्रेक शेड्यूल करना, इसके अलावा गर्मी से संबंधित बीमारियों को पहचानने और प्रबंधित करने पर प्रशिक्षण प्रदान करना। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने अपने उद्घाटन भाषण में जलवायु परिवर्तन के कारण हाल के वर्षों में गर्मी की लहरों की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के बारे में बात की। उन्होंने गर्मी के मौसम से काफी पहले फरवरी में आयोजित की जाने वाली कार्यशाला के समय की सराहना की, जिससे 2024 की गर्मी के लिए हीट वेव तैयारियों की गहन समीक्षा की जा सके। मंत्रालय के केंद्रीय सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने हीटवेव प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, स्वास्थ्य प्रभाव, बुनियादी ढांचे के लचीलेपन और शहरी हीट आइलैंड की घटना को संबोधित करने में कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगामी (शेष पेज 9)

गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचे किसान, कई हिरासत में

दिल्ली सीमा पर पुलिस बल तैनात, आंदोलनकारियों ने जमकर की नारेबाजी

● राशन और अन्य सामान लेकर आए थे

गाजीपुर बॉर्डर पर नारेबाजी करते किसान।

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद-दिल्ली गाजीपुर बॉर्डर पर भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत से जुड़े किसान पहुंच गए। किसान दिल्ली जाने की जिद पर अड़े हुए थे। किसान अपने साथ राशन और अन्य जरूरत का सामान भी लेकर आए थे। पुलिस के मुताबिक किसानों को समझाया गया कि यहां धरना देने की मनाही है। इसके बाद किसानों को बस से नजदीक के कौशांबी थाने ले जाया गया।

किसानों ने जमकर नारेबाजी की। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल तालान अपने दल के अन्य पदाधिकारी और नेताओं के साथ गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंच गए। गाजीपुर बॉर्डर पर पहले से ही गाजियाबाद पुलिस भारी संख्या में तैनात है। यह सभी लोग दिल्ली जाना चाहते थे। अनिल तालान के मुताबिक केंद्र सरकार ने वादा खिलाफी की है। स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू नहीं की गई है। अभी तक कोई कानून नहीं बनाया गया है। अनिल तालान के मुताबिक उनके और किसान साथी आना चाह रहे थे। लेकिन उनको रास्ते में रोक दिया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसानों को समझाया कि यहां धरना देने की मनाही है। किसानों को बस में भरकर पास के कौशांबी थाने ले जाया गया। इस दौरान किसानों ने जमकर नारेबाजी की। किसान अपने साथ खाने का राशन और अन्य जरूरत का सामान लेकर आए थे।

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह ने बताया कि किसानों से वार्ता कर उनको थाने ले जाया गया है कुछ देर बाद उनको छोड़ दिया जाएगा।

यूपी की सीमा लगा लंबा जाम

यूपी-दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर गुरुवार को भी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम हैं। नेशनल हाईवे की दोनों सर्विस लेन फिलहाल बंद हैं। इसलिए सारा ट्रैफिक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के रास्ते ही आजा रहा है। एक्सप्रेसवे की मुख्य लेन पर आधे रास्ते में दिल्ली पुलिस ने अपने बेरिकेड्स लगाए हुए हैं। ऐसे में ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई है और एक्सप्रेस.वे पर रुक-रुककर सुबह से जाम लग रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत नौकरीपेशा लोगों को है। 13 फरवरी को पंजाब के अलावा यूपी के भी कुछ किसान संगठनों ने दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया था। ऐसे में दिल्ली पुलिस ने अपने सभी बॉर्डरों पर 11 फरवरी को ही बेरिकेड्स लगा लिए थे। गाजियाबाद-दिल्ली के बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने सर्विस लेन बंद की हुई है। यहां सीमेंटेड दीवार लगाई हुई है और कई लेयर की बेरिकेडिंग है। पैदल चलने वाले लोग भी सर्विस लेन पर नहीं चल सकते। अब गाजीपुर बॉर्डर पर चहल-पहल कम हो गई है। फिलहाल यूपी के किसान संगठनों ने गाजीपुर बॉर्डर पहुंचने की कोई कॉल नहीं दी है। ऐसे में पुलिस प्रशासन को थोड़ा राहत है, लेकिन सतर्कता पूरी बरती जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में महापौर सुनीता दयाल व अन्य।

अब श्रीराम सेतु कहलाएगा ऐलीवेटिड रोड

गाजियाबाद। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक सभागार कक्ष में सुबह 11 बजे शुरू हुई। बैठक अयोध्या में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के समारोह के सफ ल आयोजन पर शासन का धन्यवाद प्रस्ताव पास किया। महापौर सुनीता दयाल ने बैठक में ऐलिवेटिड रोड का नाम बदलकर श्री राम सेतु रखे जाने का प्रस्ताव कार्यकारिणी में रखा। ऐलिवेटिड रोड का नाम श्री राम सेतु रखे लाने का प्रस्ताव कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। कार्यकारिणी की बैठक में पार्किंग दरें बढ़ाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसमें साइकिल पार्किंग की दर पांच रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये का दिया गया। टू.व्हीलर का पार्किंग शुल्क 10 से बढ़ाकर 20 रुपये किए जाने का प्रस्ताव कार्यकारिणी की बैठक में रखा गया। साथ ही फोर व्हीलर की पार्किंग दर 20 रुपये से बढ़ाकर 40 किए जाने प्रस्ताव रखा गया।

गाजियाबाद से 8 बसों में अयोध्या गए भाजपा नेता

गाजियाबाद। गाजियाबाद महानगर से भाजपा कार्यकर्ता 80 बसों में बैठकर गुरुवार सुबह अयोध्या के लिए रवाना हुए। ये अयोध्या में रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे। वहां से यात्रा पूरी करके शुक्रवार को वापस लौटेंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि अयोध्या जाने वालों की सूची तैयार करने के लिए मंडल अध्यक्षों को जिम्मेदारी दी गई थी। प्रत्येक बूथवार निष्ठावान लोगों की सूची तैयार की गई। इसके बाद उन्हें प्रॉपर आईकार्ड जारी किए गएए ताकि अयोध्या में कोई दिक्कत न हो। इसके बाद सभी मंडलों में एक-एक बस लगाकर वहां से गुरुवार सुबह अयोध्या के लिए रवानगी हुई है। सम्पूर्ण महानगर क्षेत्र से 80 बसों में लोगों को बैठाकर अयोध्या ले जाया जा रहा है। इस दौरान रास्ते में खानपान की सभी व्यवस्थाएं संगठन की तरफ से रहेंगी। बता दें कि इससे पहले गाजियाबाद भाजपा संगठन को अपने लोगों को अयोध्या ले जाने के लिए 29 जनवरी की तारीख मिली थी। लेकिन अयोध्या में वीवीआईपी दौरे और भारी भीड़ की वजह से ये तारीख थोड़ा आगे बढ़ा दी गई थी।

सब्जी मण्डी में मिला युवक का शव

गाजियाबाद। सिहानी गे थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मण्डी के शुलभ शौचालय के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। उक्त मामले की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर उसकी शिनाख्त एवं मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये। इस संदर्भ में पुलिस का कहना था कि प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि मृतक नशे का आदि रहा होगा। उधर युवक के शव को देखकर लोग तरह-तरह की चर्चाऐं कर रहे थे।

हत्या करके मृतक के चेहरे को कुचला

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत पाईप लाइन चौकी इलाके में पड़ने वाले खजूरी पार्क में आज सुबह एक युवक का रक्तरंजित शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक का शव रक्तरंजित अवस्था में मिला है उसका चेहरा कुचला हुआ था। सूत्रों की माने तो हत्यारों या हत्यारे ने युवक की हत्या करके उसकी शिनाख्त मिटाने अथवा उसे क्रूरतापूर्वक मारकर उससे अपनी बेइंतहा नफरत का एहसास कराने के लिये उसके चेहरे को भारी पत्थर से कुचल दिया होगा। वहीं पुलिस में हडकंप मच गया। उसके बाद जहां एसएचओ साहिबाबाद अजय कुमार सिंह ने फ रेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर जाकर जांच करनी शुरू कर दी वहीं डीसीपी ट्रांस हिंडन् निमिष दशरथ पाटिल व एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने भी घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मृतक युवक कौन था और उसकी हत्या किसने और क्यों की, जब इस बावत एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय से पूछा गया तो उनका कहना था कि पुलिस जहां युवक की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिये मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है वहीं आस.पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

इलेक्ट्रिकल वाहन कंपनी की पेंट शॉप में लगी आग

गाजियाबाद। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट संख्या बी 2 पर स्थित इलेक्ट्रिकल व्हीकल कंपनी की पेंट शॉप में आज सुबह लगभग 11 बजे आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। उक्त अग्निकांड़ की सूचना मिलने के बाद मौके पर कई फायर टेंडर पहुंच गये। उसके बाद फायर ब्रिगेड ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस संदर्भ में सीएफओ राहुल पाल का कहना है कि फायर ब्रिगेड की तत्परता की वजह से कोई जनहानि नहीं हुई।

कमर्शियल भूखंड बेच कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण होगा मालामाल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वाणिज्यिक निवेशकों के लिए पहली पसंद बना हुआ है। एक साथ 5 वाणिज्यिक भूखंडों के रिजर्व प्राइस से अधिक दरों पर आवंटन से इस बात की पुष्टि होती है। वाणिज्यिक भूखंडों की योजना के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को पांच भूखंडों के एवज में रिजर्व प्राइस से 207 करोड़ रुपये मिलने थे, लेकिन बिड होने से लगभग 253 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। इन भूखंडों पर होटल, मॉल, शोरूम, बैंकों की शाखाएं आदि बन सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर वाणिज्यिक विभाग की तरफ से बीते 10 नवंबर को 4 एफएआर वाले कॉमर्शियल भूखंडों की स्कीम निकाली थी। पंजीकरण की आखिरी तिथि 01 दिसंबर थी और डॉक्यूमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 08 दिसंबर थी। प्राधिकरण की इस योजना के 5 भूखंडों के लिए सोमवार को बिड हुई।

एफडीसीआई के सीओओ ने 19वीं मंजिल से कूदकर दी जान

● मौके से नहीं मिला सुसाइड नोट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में गुरुवार को 19वीं मंजिल से कूदकर सीओओ ने जान दी। वह तीसरी मंजिल पर अपने फ्लैट से चुपचाप बाहर आए। लिफ्ट से 19वीं मंजिल पर पहुंचे। वहां से छलांग लगा दी। नीचे गिरा तो आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। वारदात के वक्त घर में पत्नी, बच्चा और माता-पिता थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि मृतक की शिनाख्त अमित गंडोत्रा 39 के तौर पर हुई है।

वह अभी फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के पद पर तैनात थे। अमित नोएडा के सेक्टर-100 स्थित लोट्स बुलेवर्ड सोसाइटी में परिवार के साथ रहते थे। एफ डीसीआई के पहले अमित कई मीडिया हाउस में बड़े पद पर अपनी सेवाएं दे चुके थे। फिलहाल, सुसाइड की वजह नहीं पत चल पाई है। अमित के पास से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। डीसीपी विद्या सागर मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अपार्टमेंट के सीसीटीवी की जांच की जा रही है। परिवार और ऑफि स के लोगों से भी बात की जाएगी। अमित फ्लैट नंबर-302 थर्ड फ्लोर टॉवर नंबर-21 में परिवार के साथ रहते थे।

पड़ोसियों ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे वो अपने फ्लैट से निकले और लिफ्ट से 19वें फ्लोर पर गए। वहां से सीधे छलांग लगा दी। लिफ्ट में जाते हुए उन्हें देखा गया है।

हिमालय फूड इंटरनेशनल लिमिटेड

रजि. कार्यालय: 118, पहली मंजिल, 12 गगनदीप बिल्डिंग, राजेंद्र प्लेस, नई दिल्ली-110008
दूरभाष +91 11 45108609, फैक्स:- +91 1704 225178
ई-मेल आईडी: cs@himalayainternational.com, वेबसाइट:- www.hilayafoodcompany.com

31 दिसंबर, 2023 को तिमाही और नौ माह समाप्ति हेतु अलेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

(लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	30.09.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2022 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2022 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2023 (लेखापरीक्षित)
1	संचालनों से कुल आय	1315.33	1106.68	2074.97	3474.91	5457.36	9751.16
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर पूर्व और आपवादिक मद)	144.24	102.28	538.76	301.56	1,358.19	-2470.64
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	144.24	102.28	538.76	301.56	708.19	-2470.64
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ (आपवादिक मद पश्चात्)	144.24	102.28	538.76	301.56	708.19	-2419.64
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	144.24	102.28	538.76	301.56	708.19	-2419.64
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (प्रति शेयर रु. 10/- का अंकित मूल्य)	5787.29	5787.29	5787.29	5787.29	5787.29	5787.29
7	शेयर का प्रति शेयर आय						
	(क) मूलभूत रु. में	0.25	0.18	0.93	0.52	1.22	-4.18
	(ख) तरलीकृत रु. में	0.25	0.18	0.93	0.52	1.22	-4.18

टिप्पणियाँ:

1. उपरोक्त अलेखापरीक्षित परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई और उसके बाद 14 फरवरी, 2024 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।
2. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ माह के लिए अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। पूर्ण प्रारूप 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ माह के लिए उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.himalayafoodcompany.com) पर उपलब्ध हैं।
3. स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों पर अतिरिक्त जानकारी इस प्रकार है:

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	30.09.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2022 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2023 (अलेखापरीक्षित)	31.12.2022 (अलेखापरीक्षित)	31.03.2023 (अलेखापरीक्षित)
1.	संचालनों से कुल आय	1315.33	1106.68	2074.97	3474.91	5457.36	9751.16
2.	कर पूर्व लाभ	144.24	102.28	538.76	301.56	708.19	-2470.64
3.	कर पश्चात् लाभ	144.24	102.28	538.76	301.56	708.19	-2419.64

बोर्ड और उसकी ओर से
हस्ता/-
मन मोहन मलिक
प्रबंध निदेशक
(डीन - 00696077)

दिनांक: 14 फरवरी, 2024
स्थान: नई दिल्ली

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर- 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली- 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	रूपेश कुमार/ स्वीटी कुमारी/ LBDEL00002438444	यूनिट नंबर 403 (आर0190बी30403/ फ्लैट 403), चौथी मंजिल टावर बी3, इको विलेज 2, प्लॉट नंबर जीएच-01, सेक्टर-16 बी, ग्रेटर नोएडा-201307/ फरवरी 12, 2024	अक्टूबर 26, 2023 रु. 7,65,032/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	राजीव सरकार/ प्रिया सरकार/ LBNOD00000639572	प्लॉट संख्या डी-166/16, सेक्टर 50, न्यू ओखला औद्योगिक विकास क्षेत्र, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश/ फरवरी 13, 2024	सितंबर 27, 2023 रु. 3,62,007/-	दिल्ली/ एनसीआर और आगरा
3.	हिना गोहिल/ हेमन्त पाठक/ LBDEL00001461840/ LBDEL00001979490	फ्लैट नंबर 638 ग्राउंड फ्लोर, अरुण विहार, सेक्टर 37, नोएडा, उत्तर प्रदेश/ फरवरी 13, 2024	सितंबर 27, 2023 रु. 11,77,762/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	संतपाल सिंह/ राजेश सिंह/ LBDEL00001987766	संपत्ति नंबर 123, निर्मित तीन मंजिला में से सभी छत के अधिकार के साथ पूरी दूसरी मंजिल, ब्लॉक डी, पॉकेट नंबर 1, सेक्टर 16, रोहिणी आवासीय योजना रोहिणी, दिल्ली/ फरवरी 13, 2024	सितंबर 14, 2023 रु. 7,49,441/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	कुलविंदर सिंह/ भारती/ LBNOD00002357381	फ्लैट नंबर 45, पहली मंजिल, पॉकेट 3, ब्लॉक बी 12 एलआईजी, सेक्टर जी-8 नरेला दिल्ली/ फरवरी 13, 2024	सितंबर 14, 2023 रु. 9,62,956/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : फरवरी 16, 2024
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that I, **HIMANSHU JAIN S/O SATISH JAIN R/O-QP-59, PITAMPURA, DELHI, I am** the mutatee/legal owner of **PLOT NO. 559, POCKET-C, AREA-505Q M., IFC GAZIPUR, DELHI FILE NO. F-28 (71)2007/CL which is allotted by the DDA. I have lost the Original Allotment Letter, Handing Over Possession, Site Possession Slip of** the above Plot.FIR/NCR to this effect has lodged in P. S. Crime Branch, Delhi vide **LR No: 1447555/2024, Dated-15-02-2024.** Any person(s)claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No. 9811320153 within 15 days from the date of publication of this notice. Any person claiming any right, interest, or having any objections with respect to this property can also personally inform/contact me.

ICICI Bank | शाखा कार्यालय: आई सी आई सी आई बैंक लि. तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

सार्वजनिक सूचना:
बिल्डर निरस्तिकरण

आपके ध्यान में लाया जाता है कि संतोष सिंह यादव/रीना यादव (उधारकर्ता) ने फ्लैट नं. डी-जी03 टावर-डी रेजिजोन रेजीडेंसी मयूर विहार सहस्त्रधारा रोड देहरादून-248001 में स्थित, **सुविधा समझौता सं. LBNOD00002369567** के अंतर्गत गृह ऋण सुविधा का लाभ उठाया है। उधारकर्ता समझौते के नियमों और शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदागत राशि का भुगतान करने में विफल रहा है।

बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 09 फरवरी, 2024 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि रेजिजोन बिल्डवेल प्रा. लि. ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतः आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।

कृपया यह भी ध्यान दे कि उक्त संपत्ति के आबंटन निरस्त करने के पश्चात आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किए गए किसी भी अन्य आबंटन के लिए बाध्य और/या उत्तरदायी नहीं होगा।

दिनांक : फरवरी 16, 2024
स्थान: दिल्ली/एनसीआर

कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.
हस्ता/-

SAMTEL INDIA LIMITED

Regd. Office : 1212, 12th Floor, 43, Chiranjiv Towers, Nehru Place, New Delhi - 110019
CIN No:L31909DL1981PLC426653

EXTRACT OF STANDALONE FINANCIAL RESULTS

FOR THE QUARTER and NINE MONTHS ENDED 31st DECEMBER 2023

Rs. in Lakhs

S.No	Particulars	Quarter Ended		Period Ended			Year Ended
		31.12.2023 (Unaudited)	30-09-2023 (Unaudited)	31-12-2022 (Unaudited)	31-12-2023 (Unaudited)	31-12-2022 (Unaudited)	31.03.2023 (Audited)
1.	Total Income from Operations	3.45	3.45	0.85	10.35	2.17	16.51
2.	Net Profit/(Loss) for the period (before Tax, Exceptional and Extraordinary items)	0.56	0.80	(2.14)	0.43	(7.72)	(2.83)
3.	Net Profit/(Loss) for the period before Tax, (after Exceptional and Extraordinary items)	0.56	0.80	(2.14)	0.43	(7.72)	(2.83)
4.	Net Profit/(Loss) for the period after Tax (after Exceptional and Extraordinary items)	0.56	0.80	(2.14)	0.43	(7.72)	72.23
5.	Total Comprehensive Income for the period(Comprising Profit/(Loss)for the period(After Tax)& other Comprehensive Income (after Tax)	0.56	0.80	(2.14)	0.43	(7.72)	72.23
6.	Equity Share Capital (Face Value Rs. 10/- each)	708.42	708.42	708.42	708.42	708.42	708.42
7.	Reserves(excluding Revaluation Reserves) as shown in the audited Balance Sheet of the previous year)						(510.21)
8.	Earning Per Share (Face Value of Rs. 10/- each)	0.001	0.001	(0.003)	0.001	(0.011)	0.102
	Basic	0.001	0.001	(0.003)	0.001	(0.011)	0.102
	Diluted						

Noted:

1. The above is an extract of the detailed format of unaudited Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The detailed financial results and this extract were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at the meeting held on 14th February, 2024. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange www.bseindia.com
2. The above Financial Results have been prepared in accordance with Indian Accounting Standard (Ind AS-34), interim financial reporting as prescribed under Section 133 of the Companies Act, 2013 and with Rule 3 of the Companies (Indian Accounting Standard) Rule, 2015 abd the Companies (Indian Accounting Standard) Amendment Rule 2016.

For and on behalf of board of Directors
SAMTEL INDIA LIMITED
Sd/-
Satish K. Kaura
Chairman and Managing Director

Place: New Delhi
Date:14.02.2024

सिद्ध ऑटोमोबाइल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: आर-13, एस/एफ ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली, दिल्ली-110048, भारत
CIN:L34102DL1985PLC020156
ईमेल: sidhindia1985@gmail.com, वेबसाइट: www.sidhgroup.in

31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीने हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण (राशि लाख रूपये में)

विवरण	तिमाही समाप्ति 31-12-23 (अलेखापरीक्षित)	नौ माह समाप्ति 31-12-23 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्ति 31-03-23 (लेखापरीक्षित)
संचालनों से कुल आय (निवल)	3.95	11.45	16.38
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदे)	0.59	1.36	1.15
कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	0.59	1.36	1.15
कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	0.59	1.36	1.15
कुल व्यापक आय [कर पश्चात् लाभ/(हानि) और कर पश्चात् अन्य कुल व्यापक आय शामिल]	0.59	1.36	1.15
इक्विटी शेयर पूंजी	296.23	296.23	296.23
रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि पूर्व वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया है	-	-	0
प्रति इक्विटी शेयर आय (प्रत्येक रु. 10/- का) (जारी और बंद करने हेतु संचालन)			
(क) मूलभूत	0.02	0.05	0.04
(ख) तरलीकृत			

टिप्पणियाँ:

1. उपरोक्त परिणाम को निदेशक मंडल द्वारा 14 फरवरी, 2024 को आयोजित बैठक में रिकॉर्ड पर लिया गया।
2. उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दाखिल तिमाही और नौ महीने के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है।
3. तिमाही और नौ महीने के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट अर्थात www.sidhgroup.in पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल और उसकी ओर से
कृते सिद्ध ऑटोमोबाइल्स लिमिटेड
हस्ता/-
(प्रशांत कुमार)
निदेशक
डीआईएन: 08782437

दिनांक: 14.02.2024
स्थान: दिल्ली

विधानसभा बजट सत्र

एलजी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, विपक्ष का हंगामा

राष्ट्रीय औसत की तुलना में दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.6 गुना अधिक

● उपराज्यपाल सक्सेना को दस बार रोकना पड़ा भाषण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन बृहस्पतिवार को जमकर हंगामा हुआ है। बजट सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण से होती है। सदन में जैसी ही एलजी ने अपना अभिभाषण शुरू किया वैसे ही विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। एलजी को 26 मिनट में अपना भाषण 10 बार रोकना पड़ा। इस दौरान छह विपक्षी विधायकों को मार्शलों ने बाहर कर दिया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने एलजी का सदन में स्वागत करते हुए अभिभाषण के लिए आमंत्रित किया। उपराज्यपाल ने अभिभाषण के दौरान कहा कि जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत मेरी सरकार दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए समर्पण और ईमानदारी के साथ विकास करने का प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते यहां विभिन्न सामाजिक, आर्थिक समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने गुरुवार को विधानसभा में अपने संबोधन में आप सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि दिल्ली की आर्थिक बुनियाद मजबूत है और अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वृद्धि दर काफी संतोषजनक रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर सकल घरेलू उत्पादन में 7.2त्न की वृद्धि की तुलना में 2022-23 में अर्थव्यवस्था में 9.18 फीसदी का जीएसडीपी विस्तार हुआ। राष्ट्रीय औसत की तुलना में दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2.6 गुना अधिक है और राजस्व लगातार सरप्लस है। वित्त वर्ष 2023-24 के 78,800 करोड़ रुपये बजट में से 43,700 करोड़ रुपये विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, कार्यक्रमों और पूंजीगत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए आवंटित है। दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है जो अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित शक्ति का प्रमाण है। उपराज्यपाल सक्सेना ने अपने अभिभाषण में एक लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने इस दौरान बार बार व्यवधान डाला। एलजी ने कहा कि सरकार लोगों के विश्वास के अनुरूप और दिल्ली को एक विश्व स्तरीय शहर में बदलने के लिए समर्पण और ईमानदारी से काम कर रही है।

उन्होंने सदन में अपने संबोधन में कहा मुझे विश्वास है कि इस सम्मानित सदन के सदस्यों के समर्थन और सहयोग से, हम आगामी चुनौतियों पर काबू पा लेंगे और दिल्ली को एक आधुनिक, प्रगतिशील और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शहर बनने की दिशा में आगे बढ़ाएंगे। पांच लाख से अधिक नागरिकों ने दिल्ली आरोग्य कोष योजना के तहत चिन्हित निजी अस्पतालों के माध्यम से मुफ्त इलाज, सर्जरी और निदान सेवाओं का लाभ उठाया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि शिशु मृत्यु दर में 2010 से 2020 तक 63 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

सरकार की विभिन्न सामाजिक कल्याण पहलों के बारे में उन्होंने कहा कि लगभग नौ लाख लाभार्थियों को 2,000 रुपए से 2,500 रुपए प्रति माह तक की पेंशन दी जा रही है। उन्होंने कहा 72 लाख से अधिक लाभार्थियों को उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से सब्सिडी वाला राशन प्रदान किया गया है। दिल्ली में वन नेशन वन राशन कार्ड लाभार्थियों की संख्या भी सबसे अधिक है। उन्होंने रेखांकित किया कि दिल्ली में न्यूनतम मजदूरी सभी राज्यों में सबसे अधिक है। सुरक्षा उपायों पर उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में आरडब्ल्यूए और बाजारों में 1,35,500 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

शिक्षा क्षेत्र में उपलब्धियों पर उपराज्यपाल ने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 15 नए सरकारी स्कूल खोले गए हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि राजधानी के हरित क्षेत्र में काफी वृद्धि देखी गई है, जो अब 342 वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ है और दिल्ली के भौगोलिक क्षेत्र का 23.06 प्रतिशत है। परिवहन क्षेत्र पर उन्होंने कहा दिल्ली ने अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का आधुनिकीकरण किया है, जिसमें 7,100 से अधिक बसें 500 मार्गों पर सेवा दे रही हैं। इनमें से1,650 इलेक्ट्रिक बसें हैं। दिल्ली ने सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की शुरुआत की है, जो 100 करोड़ मुफ्त यात्राओं को पार कर गई है।

विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना अभिभाषण पढ़ते हुए।

मार्च के पहले सप्ताह तक लटका बजट

नई दिल्ली। विधानसभा बजट का सत्र मार्च के पहले सप्ताह तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही अब दिल्ली के बजट के लिए लोगों को और इंतजार करना होगा। वित्त मंत्री आतिशी ने बताया कि बजट को अंतिम रूप देने में देरी हुई है। भाजपा विधायकों ने बजट में देरी के कारणों पर सवाल उठाया तो आतिशी ने कहा कि कुछ कारणों से बजट को अंतिम रूप देने में कुछ देरी हुई है। उन्हें बुधवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से बजट के लिए मंजूरी मिली है। आतिशी ने सदन को बताया कि बृहस्पतिवार को बजट को गृह मंत्रालय से मंजूरी के लिए भेजा गया है। गृह मंत्रालय से मंजूरी और राष्ट्रपति की सहमति के लिए कम से कम 10 से 15 दिन लगेंगे। ऐसे में 25 फरवरी को बजट पेश करना उनके लिए संभव नहीं है। वित्तमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल से बजट सत्र को मार्च के पहले सप्ताह तक बढ़ाने का अनुरोध किया। आतिशी ने सदन में बजट सत्र को मार्च के पहले हफ्ते तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा(सदन ने मंत्री के प्रस्ताव को स्वीकार किया और बजट सत्र को मार्च के पहले हफ्ते तक आगे बढ़ा दिया गया है।

वहीं, भाजपा विधायकों ने बजट में देरी पर सवाल उठाया तो आतिशी ने कहा कि यह हमारी ओर से देरी है।

हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं। बता दें कि विधानसभा का बजट सत्र 15 फरवरी को शुरू हुआ और 21 फरवरी को समाप्त होना था।

अभिभाषण में आप सरकार के दावे झूठ का पुलिंदा : बिधूड़ी

● शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण, बिजली-पानी, परिवहन, ओल्ड ऐज पेंशन और सफाई में सरकार फेल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में उपराज्यपाल के अभिभाषण में आम आदमी पार्टी सरकार की उपलब्धियों के दावों को सफेद झूठ करार दिया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने उपराज्यपाल को जो अभिभाषण पढ़ने के लिए दिया, वह झूठ के पुलिंदे के अलावा कुछ नहीं है। यह सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम साबित हो गई है।

बिधूड़ी ने बताया कि अभिभाषण के दौरान भाजपा विधायकों ने अलग-अलग मुद्दों पर आप सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी एक साल में तीनों कूड़े के पहाड़ हटाने के नारे के साथ सत्ता में आई थी लेकिन वे पहाड़ तो कम नहीं हुए। पूरी दिल्ली में कचरे के ढेर लगे हैं। केजरीवाल ने नगर निगम चुनावों में जनता से दस वादे किए थे लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया।

एलजी ने जैसे ही शिक्षा का जिक्र किया तो भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने हर साल पांच नए कॉलेज खोलने का वादा किया था, नए कॉलेज खोलना तो दूर हालत यह हो गई है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज बंद होने के कगार पर हैं। सरकार इन कालेजों को पूरा फंड तो क्या, शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन ही नहीं दे रही। स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और गेस्ट टीचर्स को वादानुसार पक्का नहीं किया गया। मोहन सिंह बिष्ट ने पीने के पानी की कमी और गंदे पानी पर सरकार को घेरा।

बजट समय पर पेश न करना सरकार की साजिश : भाजपा

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी सरकार ने बजट जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज को भी मजाक और राजनीति का शिकार बना दिया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने शराब घोटाले की जांच से बचने के लिए बजट जैसे पवित्र दस्तावेज को ही अपना हथियार बनाने की कोशिश की है लेकिन वह कितनी ही कोशिशें कर लें, इस जांच से नहीं बच सकते। यह सरकार की स्पष्ट प्रशासनिक विफलता है। इसलिए भाजपा विधायक उपराज्यपाल से भेंट करके मांग करेंगे कि आप सरकार को तुरंत बर्खास्त किया जाए।

तीसरे दिन भी सिंघु, टिकरी बॉर्डर पर आवाजाही बंद

● महत्वपूर्ण स्थानों पर दंगा रोधी सुरक्षाकर्मी तैनात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन का बृहस्पतिवार को तीसरा दिन है और दिल्ली व हरियाणा के बीच दो प्रमुख सीमाओं पर वाहनों की आवाजाही बंद है, जबकि महत्वपूर्ण स्थानों पर दंगा रोधी सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

हरियाणा से लगी दो सीमाएं - टिकरी और सिंघू - बंद हैं जबकि उत्तर प्रदेश से लगी गाजीपुर सीमा पर सुरक्षा कर्मियों की निगरानी में आवाजाही की अनुमति दी गई है। दिल्ली पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है। हरियाणा पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को अंबाला के पास पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू बॉर्डर पर रोक दिया है।

मध्य दिल्ली में भी पुलिस ने संसद और अन्य संवेदनशील स्थानों की ओर जाने वाली कई सड़कों पर अवरोधक लगा दिए हैं। टिकरी और सिंघू सीमाओं पर, दिल्ली पुलिस ने किसानों को राजधानी में प्रवेश करने से रोकने के लिए बहुस्तरीय व्यवस्था की है, जिसके तहत अवरोधक, कंटीले तारों और कंक्रीट ब्लॉक लगाए गए हैं। फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी और ऋण माफी समेत अपनी मांगों को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए किसानों द्वारा किए जा रहे आंदोलन का यह तीसरा दिन है। इस बीच, बृहस्पतिवार से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के सिलसिले में अधिकारियों ने दिल्ली में छात्रों को अपने परीक्षा केंद्रों के लिए जल्दी रवाना होने की सलाह दी है क्योंकि किसानों के आंदोलन के मद्देनजर प्रतिबंधों के कारण कई क्षेत्रों में, विशेष रूप से शहर के सीमावर्ती क्षेत्रों में यातायात की आवाजाही प्रभावित रहेगी। सीबीएसई ने एक परामर्श में कहा, चूंकि परीक्षा पूर्वाह्न 10.30 बजे शुरू होती है, इसलिए सभी छात्रों को सुबह 10 बजे या उससे पहले अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की सलाह दी जाती है।

पुलिस ने आंसू गैस के गोले मंगवाए

नई दिल्ली। *किसान आंदोलन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने अपनी इन्हीं तैयारियों के तहत आंसू गैस के 30,000 गोले मंगवाए हैं। पुलिस के एक सूत्र ने बताया दिल्ली पुलिस की तैयारी चाक-चौबंद है। आंदोलन को देखते हुए पुलिस पहले ही बड़ी संख्या में आंसू गैस के गोले जमा कर लिए हैं। साथ ही मध्य प्रदेश के ग्वालियर के टेकनपुर स्थित बीएसएफ की टियर स्मोक यूनिट (टीएसयू) से 30,000 गोलों की नई खेप मंगाई गई है। ये गोले ग्वालियर से दिल्ली लाए जा रहे हैं। आंसू गैस का गोला दंगा-रोधी सामग्री है, जिसका सुरक्षा बल भीड़ को तितर-बितर करने में उपयोग करते हैं। गैस से आंखों में जलन होती है और आंसू आते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले भी आंसू गैस के गोलों की खेप मंगाई गई थी। किसानों के आंदोलन के मद्देनजर इनकी नई खेप मंगाई गई है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आंसू गैस का गोला तीन वर्ष तक ठीक रहता है इसके बाद उसका असर धीरे-धीरे कम होने लगता है लेकिन अभ्यास उद्देश्यों के लिए बल सात वर्ष पुराने गोले तक का इस्तेमाल करते हैं।*

किसानों के भारत बंद का दिल्ली में नहीं दिखेगा असर

नई दिल्ली। दिल्ली चलो मार्च के बीच किसानों ने 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया है। इसको लेकर दिल्ली में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठनों ने ऐलान किया है कि राजधानी दिल्ली में भारत बंद का कोई असर नहीं होगा। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया है कि व्यापारी भारत बंद के दौरान अपने संस्थानों को खुले रखेंगे, जो जनता को आवश्यक सामग्री और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। किसानों द्वारा भारत बंद की अपील के बावजूद, व्यापारी अपनी दुकानें खोलेंगे।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने बताया कि दिल्ली में 700 बाजार और 56 इंडस्ट्रियल एरिया हैं। पिछले 2 दिनों से सीटीआई अलग अलग बाजारों के एसोसिएशन्स से इस विषय पर चर्चा कर रहा था। सभी मार्केट एसोसिएशन्स ने कहा कि ना ही किसी ने बाजारों को बंद करने को लेकर समर्थन मांगा है और ना ही बाजारों और दुकानों को बंद करने का कोई औचित्य है।

आप सरकार शासन के नाम पर घोटालों की दुकान : विजेन्द्र गुप्ता

● बोले: दस साल में केवल 63 नए स्कूल ही खोले गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्व नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा में उपराज्यपाल के भाषण को झूठ से भरा करार दिया। उन्होंने सरकार पर टूटे वादों और धोखे की नींव पर शासन स्थापित करने का आरोप लगाया।

गुप्ता ने आम आदमी पार्टी के वादों और वास्तविक स्थिति के बीच के भारी अंतर को उजागर किया, उन्होंने पांच साल में 500 नए स्कूल खोलने के वादे को पूरा न कर पाने पर जोर दिया। वास्तव में, उनके करीब दस साल के कार्यकाल में केवल 63 नए स्कूल ही खोले गए हैं। 20 नए कॉलेज खोलने का वादा भी इसी प्रकार से अधूरा रहा। इस दौरान 12 कॉलेजों को वित्तीय उपेक्षा के कारण अस्त व्यस्त है। जिससे शिक्षकों के वेतन लंबे समय से नहीं मिला है। विजेंद्र गुप्ता ने वर्ष 2020 की केंद्रीय सतर्कता आयोग की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें नए कक्षाओं के निर्माण में वित्तीय कुप्रबंधन और प्रक्रियात्मक खामियों का पता चला। इस रिपोर्ट में रु. 326.25 करोड़ की लागत अधिकता और शुरुआती योजनाओं की तुलना में कम कक्षाओं के निर्माण की जानकारी दी गई।

प्रमोशन की मांग को लेकर श्रमिक संघ की हड़ताल आज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नगर निगम कर्मचारियों के संघ ने धमकी दी है कि उसके सदस्य 16 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने 3,100 घरेलू मच्छर प्रजनन जांच (डीबीएस) कर्मचारियों को मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) में पदोन्नत करने पर अभी तक कोई आदेश जारी नहीं किया है।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सदन ने पिछले साल अक्टूबर के अंत में कई अन्य प्रस्तावों के अलावा इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संपर्क करने पर कहा, फाइल प्रक्रियाधीन है और यह काम जल्द ही हो जाएगा। मलेरिया रोधी एकता कर्मचारी संघ के अध्यक्ष देवानंद शर्मा ने इससे पहले दिन में कहा, हमने इस मुद्दे पर महापौर और नगर निगम आयुक्त के साथ बैठकें की है। लेकिन हम अभी भी आधिकारिक आदेश का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, इतनी देरी क्यों हो रही है जबकि प्रस्ताव को सदन ने अक्टूबर में ही मंजूरी दे दी थी। शर्मा ने कहा, हाल में महापौर और एमसीडी आयुक्त को एक पत्र भी भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विपिन कुमार ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय बाल भवन में स्वच्छ भारत पर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए।

तकनीक शोध के लिए डीएमआरसी-जीएसवी में समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और वडोदरा स्थित गति शक्ति विश्वविद्यालय(जीएसवी) ने बृहस्पतिवार को परिवहन और माल ढुलाई के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए समझौता किया जो विशेषकर मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी से संबंधित है। डीएमआरसी और जीएसवी ने यहां मेट्रो भवन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। डीएमआरसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, यह ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन सहयोग को बढ़ावा देने, अकादमिक प्रयासों को समृद्ध करने और इन दोनों प्रमुख संस्थानों के बीच एक स्थाई साझेदारी स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डीएमआरसी और जीएसवी दोनों अब परिवहन और माल ढुलाई के क्षेत्र में अध्ययन और अनुसंधान के लिए मिलकर काम करेंगे। दोनों विशेष रूप से मेट्रो रेल प्रौद्योगिकी से संबंधित क्षेत्र में कार्य करेंगे जिससे अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

भजन संध्या के साथ हुई पूजा अर्चना

नई दिल्ली। रोहिणी सेक्टर 22 पॉकेट-15 में दो दिवसीय सरस्वती पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में भव्य दरबार, भजन संध्या के साथ कई अलौकिक झांकियां पुष्प वर्षा, भंडारा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहता है।

ट्यूलिप फेस्टिवल में दिखेगा इंडो-डच कला का संगम

पंडित शुभेन्द्रा राव और संगीतकार सास्किया

● पंडित शुभेन्द्रा राव और संगीतकार सास्किया चाणक्यपुरी के नेहरू पार्क में देंगे प्रस्तुति देंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के ट्यूलिप फेस्टिवल में इंडो-डच कला का संगम दिखेगा।

शनिवार को इंडो-डच कलाकारों सॉन्ग ऑफ वॉटर की थीम पर चाणक्यपुरी के नेहरू पार्क में प्रस्तुति देंगे। एनडीएमसी ने वसंत ऋतु का उत्सव मनाते हुए एक श्रृंखला के अंतर्गत ट्यूलिप फेस्टिवल, म्यूजिक इन द पार्क, फ्लावर फेस्टिवल, रोज फेस्टिवल और फूड फेस्टिवल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।

वसंत ऋतु महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद नीदरलैंड राजदूतावास के सहयोग से शनिवार सांय 4 बजे चाणक्यपुरी के नेहरू पार्क, में सॉन्ग ऑफ वॉटर की थीम पर इंडो-डच कलाकारों द्वारा एक संगीत समारोह का आयोजन करेगा। नेहरू पार्क के हरे-भरे परिवेश में आठ रंगों में नए खिले ट्यूलिप की पृष्ठभूमि में, चार्चित कलाकार पंडित शुभेन्द्रा राव और संगीतकार सास्किया राव, प्रांशु चतुरलाल और हेइको डिजकर के साथ इंडो-डच संगीत समारोह में प्रस्तुति देंगे। संगीत समारोह का विषय सॉन्ग ऑफ वॉटर है जो विश्व प्रसिद्ध इंडो-डच दम्पति पंडित शुभेन्द्रा राव और संगीतकार सस्किया राव-डी हास की एक अनूठी और मूल रचना है। इस अनोखे दम्पति का जीवन और संगीत इस बात का प्रतीक है कि कैसे नीदरलैंड और भारत की संस्कृतियाँ एक खूबसूरत रिश्ते में गुंथी हुई हैं। पालिका परिषद इंडो-डच संगीत प्रेमियों को वसंत के मौसम में नए खिले ट्यूलिप के साथ प्रकृति के परिवेश में इंडो-डच संगीत की सुंदरता का अनुभव करने के लिए शनिवार को लोगों को न्योता दिया है।

कला और संस्कृति को बढ़ावा देना एनडीएमसी अधिनियम-1994 की धारा 12 के तहत प्रदान किए गए परिषद के कार्यों में से एक है। यह प्रावधान परिषद को कला और संस्कृति को संग्रहालयों और सभागारों की सीमा से बाहर खुले में लाने की जिम्मेदारी देता है जहां आम जनता भाग ले सके।

डेढ़ दर्जन क्षेत्रों में प्रभावित रहेगी जलापूर्ति : डीजेबी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के ख्याला चरण-एक में भूमिगत पाइपलाइन से पानी बहने के कारण शुक्रवार को शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। दिल्ली जल बोर्ड ने यह जानकारी दी। डीजेबी ने बताया कि ख्याला चरण-एक में भूमिगत पाइपलाइन से पानी बह जाने के कारण 16 फरवरी की शाम को कई क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति नहीं होगी या फिर पानी का प्रवाह धीमा रहेगा। दिल्ली जल बोर्ड ने लोगों को सलाह दी जाती है कि वे आवश्यकतानुसार पहले से ही पर्याप्त मात्रा में पानी जमा कर रख लें। वहीं, अनुरोध पर पानी के टैंकर उपलब्ध होंगे। राजा गार्डन, रमेश नगर, ख्याला, रानी बाग, शकूरपुर, पीतमपुरा, मोती नगर, शारदा पुरी, टैगोर गार्डन, तिहाड़ गांव, तिलक नगर और राजौरी गार्डन में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रखेंगे मेट्रो लाइन विस्तार परियोजना की आधारशिला

मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी गुरुग्राम तक बिछाया जाएगा मेट्रो रेल ट्रैक

गुरुग्राम वासियों के लिए वरदान साबित होगी नई परिवहन सेवा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार 16 फरवरी को रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में एम्स की आधारशिला रखने के साथ ही 5 हजार 452 करोड़ रुपये की मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी गुरुग्राम की मेट्रोलाइन विस्तार परियोजना का भी शिलान्यास करेंगे। इस मेट्रो ट्रैक के निर्माण से गुरुग्राम शहर के नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम शहर में आधुनिक जनसुविधाएं प्रदान करने के लिए अनेक परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है। इन्हीं में से एक परियोजना मिलेनियम सिटी सेंटर स्टेशन से साइबर सिटी तक मेट्रो लाइन बिछाए जाने के कार्य का कल प्रधानमंत्री के हाथों से शुभारंभ होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार 15 फरवरी को रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में आ रहे हैं। इस अवसर पर वे एम्स अस्पताल सहित प्रदेश की अनेक बड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे व उद्घघाटन करेंगे। इनमें एक परियोजना गुरूग्राम की नई मेट्रो लाइन का बिछाया जाना शामिल है। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि आने वाले चार सालों में 5452.72 करोड़ रुपये की लागत से 28.50 कि.मी. लंबाई वाली इस मेट्रो लाइन पर 27 स्टेशन बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ओल्ड गुरुग्राम के लोगों का मेट्रो से जुड़ाव होना यातायात सेवा की दिशा में एक सार्थक प्रयास साबित होगा।

मेट्रो के लिए हुआ हरियाणा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का गठन

डीसी ने बताया कि पुराने शहर में मेट्रो विस्तार के प्रोजेक्ट को लेकर हरियाणा सरकार ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की तर्ज पर हरियाणा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एचएमआरसी) का गठन कर दिया है। प्रधानमंत्री द्वारा आधारशिला रखने के उपरांत जल्द ही नई परियोजना का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। कुल मिलाकर गुरुग्राम शहर के नागरिकों के लिए यह मेट्रो लाइन एक वरदान साबित होगी।

मेट्रो के नए रूट पर ये होंगे स्टेशन

डीसी ने बताया कि 28.5 किलोमीटर लंबे मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर पार्क 148 तक के मेट्रो रूट पर सेक्टर 45, सुभाष चौक, हीरो होंडा चौक, सेक्टर ×7, सेक्टर 10, बसई, सेक्टर 4, रेजांगला चौक, पालम विहार, सेक्टर 2× आदि स्टेशनों सहित करीब दो दर्जन स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। बसई के नजदीक बनने वाले मेट्रो डिपो के पास ही सेक्टर-101 के आसपास एक स्टेशन तैयार कर द्वारका एक्सप्रेसवे को भी इस मेट्रो रूट से जोड़ा जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

सुल्तानपुर महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ समापन

गांव सुल्तानपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन पर विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय सुल्तानपुर फर्रूखनगर के दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम कला संगम-2024 का भव्य आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में एकल नृत्य, समूह नृत्य, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक, पोट डेकोरेशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, रंगोली और एकल गीत सहित आठ विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम में वार्ड नंबर-4 के जिला पार्षद मनोज यादव तथा सुल्तानपुर गांव की सरपंच सीमा चौहान सोमवीर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढक़र हिस्सा लेकर ही वह अपने अभिभावकों, गांव और समूचे क्षेत्र का नाम रोशन कर सकेंगे। एकल नृत्य में भूपेंद्र, महक और तमन्ना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं समूह नृत्य में पायल-तमन्ना काजल-आचुकी तथा राखी-सिमरन विजयी रहे। नुक्कड़ नाटक में राहुल और भूपेंद्र की टीम ने पुरस्कार पाए। कविता पाठ में राजेश, राहुल और रितिक क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। पोट डेकोरेशन में साधना, तनु और कृतिका ने शीर्ष स्थान पाया तो बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में बनिता, लवली और शिल्पा विजय रहे। रंगोली में बनीता, निशु और रिया क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे और एकल गीत में 'योति, आरती तथा मुस्कान एवं कोमल विजेता घोषित हुए। समापन कार्यक्रम में पुरस्कार वितरित करने के दौरान पूर्व प्राचार्या डॉ. अनुपमा यादव ने कहा कि महाविद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त इन सभी उत्सवों में प्रतिभागिता करने से ही समग्र व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कुसुम लता के नेतृत्व में आयोजित हुए इस कार्यक्रम से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से ग्रामीण अंचल में चल रहे सुल्तानपुर महाविद्यालय को जिले तथा समूचे हरियाणा में शीर्षस्थ करने में अधिक समय नहीं लगेगा। प्राचार्या कुसुम लता ने कहा कि महाविद्यालय के जीवन के यह × वर्ष अनेक मंचों पर स्वयं को परखने का स्वर्णिम अवसर होते हैं।

प्रतिभागिता के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा की प्रतिभागिता करने वाले सभी विद्यार्थी स्वयं को विजयी मानें। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. स्वाति हुड्डा ने कहा कि विद्यार्थियों का यह उत्साह ही आगामी विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव में महाविद्यालय के लिए पुरस्कारों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा हुआ 5 लाख 52 हजार पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हनुमान चालीसा पाठ में भाग लेते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

समाजसेवी अनिल जेटली की पुत्री के विवाह से संबंधित कार्यक्रम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। गजेंद्र गोसाई ने श्री श्याम मंदिर न्यू कालोनी के आधार पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। तदोपरांत 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया।

इस अवसर पर बोधराज सीकरी ने अनिल जेटली और उनकी पत्नी मधु जेटली को बधाई दी। बोधराज सीकरी ने सुंदरकांड पाठ का महत्व, तुलसीकृत रामायण का महत्व और हनुमान चालीसा पाठ का महत्व अलग-अलग तरीके से युवा पीढ़ी को समझाया। उन्होंने आगे बताया कि आज के कुछ युवा अच्छे जिज्ञासु बनकर उनसे प्रश्न उत्तर करते हैं। उन्होंने एक दो बच्चों की जिज्ञासाओं का निवारण किया कि भगवान राम ने हिरण को मारा, वह हिंसा नहीं थी क्या। उसका उत्तर बोधराज सीकरी ने आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि जिस दिन आप अर्जुन की तरह जिज्ञासु हो जाएंगे वो दिन दूर नहीं जब आपके सामने कृष्ण किसी न किसी रुप में आकर आपकी सारी जिज्ञासाओं का निवारण करें। आज के बच्चों को अगर संस्कारवान बनना है तो ग्रन्थों की ओर जाना होगा, वेदों की ओर जाना होगा। बोधराज सीकरी ने कहा कि मैं प्रभु का आभार प्रकट करता हूँ कि जो मैंने मुहिम लगभग 1 साल पहले शुरू की थी, उसका 1 वर्ष अगले सप्ताह 21 फरवरी को पूरा होने वाला है। जैकबपुरा में 150 साधकों ने 11-11 बार पाठ किया। इससे पहले 212 स्थानों पर हनुमान चालीसा के 549,788 पाठ 39,773 साधकों ने किए थे। इस बार के पाठ को मिलाकर 217 स्थानों पर 40,093 साधकों द्वारा 552,868 हनुमान चालीसा पाठ हो चुके हैं।

एमवे इंडिया ने महिला सशक्तिकरण में एक नया अध्याय जोड़ते हुए 'पहल' परियोजना को लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सामुदायिक विकास के प्रति दृढ़तापूर्वक प्रतिबद्ध अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने अपने नारी शक्ति प्रोजेक्ट के तहत 'पहल' की शुरूआत के साथ अपने एनजीओ पार्टनर, दीपालय के सहयोग से समाज के वंचित वर्ग के बीच महिला सशक्तिकरण का समर्थन किया। सामूहिक प्रयास की क्षमता को उजागर करते हुए पहल एक अद्वितीय मंच के रूप में खड़ा है, जो वंचित वर्ग की महिलाओं को आर्थिक स्थिरता प्रदान करने के लिए स्थायी उद्यम शुरू करने और स्थापित करने के लिए सशक्त बनाता है। उत्पादन केंद्र और रिटेल आउटलेट, दोनों के रूप में कार्य करते हुए 'पहल' को एमवे इंडिया के प्रोजेक्ट नारी शक्ति की 40 महिला लाभार्थियों द्वारा संचालित किया जाएगा, जो महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित एक कौशल विकास और आजीविका कार्यक्रम है। 'पहल' कार्यक्रम का उद्घाटन श्री. लच्छीराम नायब, तहसीलदार, श्री रजनीश चोपड़ा, प्रमुख, एमवे इंडिया, श्री अजय खन्ना, सीएमओ, एमवे इंडिया, श्री गुरशरण चीमा, वाइस प्रेजिडेंट, नॉर्थ एवं साउथ, एमवे इंडिया और डॉ. जॉर्ज जॉन, सेक्रेटरी एवं चीफ एक्जीक्यूटिव, दीपालय द्वारा किया गया। इनके अलावा एमवे इंडिया और दीपालय के कई अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, एमवे इंडिया के प्रमुख, श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा, ''आज की गतिशील दुनिया में, महिलाएं परिवर्तन के शक्तिशाली एजेंट के रूप में खड़ी हैं, आवश्यक मूल्यों की रक्षा कर रही हैं और प्रगति को आगे बढ़ा रही हैं। इस गति को दर्शाते हुए, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट ने संकेत दिया कि भारत में उद्यमियों में 13.76 प्रतिशत महिलाएँ हैं, जो आर्थिक स्वतंत्रता के लिए व्यापक अवसरों का खुलासा करती हैं। एमवे में, हमारा मानना है कि महिलाएं न केवल आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में बल्कि हमारे समाज के व्यापक ढांचे को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अटूट प्रतिबद्धता के साथ, हमने आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के लिए कम विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए भारत में नारी शक्ति-एक महिला आजीविका कार्यक्रम की शुरूआत की। इससे हमें संतुष्टि का एहसास होता है।

मानसून आने से पहले जलनिकासी के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित कर लें अधिकारी

अधिकारियों की बैठक लेते नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

अतिरिक्त निगमायुक्त ने जीएमडीए, एनएचएआई तथा नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक में दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी मानसून आने से पहले जलनिकासी के सभी पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित कर लें, ताकि बरसात के समय कहीं पर भी जलभराव से आमजन को परेशानी का सामना ना करना पड़े। यह बात अतिरिक्त निगमायुक्त ने गुरुवार को सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए), नगर निगम तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि ड्रेनेज व सीवरेज की मरम्मत और सफाई से संबंधित कार्य एक अप्रैल से शुरू हो जाने चाहिए, ताकि दो माह में सफाई व मरम्मत का कार्य पूरा हो सके। अगर कोई अधिकारी इस मामले में कोताही बरतता है या देरी करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही मानसून के दौरान उपयोग होने वाली मशीनरी तथा मैनपावर की व्यवस्था भी पहले से ही सुनिश्चित कर ली जाए। जीएमडीए अधिकारियों से डा. सिंह ने कहा कि जिन स्थानों पर ड्रेन कनेक्टिविटी नहीं है, वहां पर जल्द से जल्द करवाएं। इसके साथ ही मिशिंग लिंक दुरुस्त करवाना भी सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरसिंहपुर के पास होने वाले जलभराव के बारे में जीएमडीए अधिकारियों ने बताया कि वहां पर 5 पंप लगाए हुए हैं, जिनकी क्षमता 310 एचपी की है। इसके साथ ही बादशाहपुर ड्रेन तक पानी निकासी लाईन भी लगाई हुई है। यहां पर जलभराव के स्थाई समाधान के लिए ड्रेन तथा कल्वर्ट बनाने की डीपीआर तैयार कर ली गई है। नरसिंहपुर मामले के लिए एनएचएआई, जीएमडीए, पुलिस तथा नगर निगम की एक संयुक्त टीम बनाने की बात भी बैठक में कही गई। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि 22 फरवरी को होने वाली बैठक में सभी अधिकारी रिपोर्ट तैयार करके लाएंगे। बैठक में संयुक्त आयुक्त विजय यादव, एसई राधेश्याम शर्मा, कार्यकारी अभियंता मनोज कुमार व निजेश कुमार तथा जीएमडीए के कार्यकारी अभियंता विक्रम सिंह सहित एनएचएआई के अधिकारीगण उपस्थित थे।

ओरा के सबसे विशेष बॉक्स सेट के साथ वैलेंटाइन डे मनाएं, जिसमें प्यार को हाथों से पिरोया गया है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओरा प्यार, रोमांस और हृदय की भावनाओं के लिए समर्पित, वैलेंटाइन डे के अवसर पर आपके लिए एक विशेष वैलेंटाइन्स डे स्पेशल बॉक्स सेट लेकर आया है, जो स्नेह व प्रशंसा के प्रतीक के रूप में नक्काशी गई बेहतरीन ज्वेलरी की सुंदरता प्रदान करेगा। वैलेंटाइन डे उन संकेतों द्वारा प्रेम की अभिव्यक्ति करने का अवसर है, जो समय से बढ़कर हैं। इस अवसर पर हम अपने हृदय में समाए लोगों के लिए ऐसे उपहार लाते हैं, जो अनंत के प्रतीक के साथ अत्यधिक महत्व भी रखते हों। ऐसा ही कालातीत महत्व है, डायमंड्स का, जो स्थायी प्रेम और चिरस्थायी प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। उनकी चमक प्रियजनों के बीच का अटूट बंधन दर्शाती है, जो आजीवन चलने वाले रिश्ते को प्रतिबिंबित करती है।

वैलेंटाइन डे के अवसर पर हीरा केवल अपनी चमक के लिए नहीं दिया जाता, बल्कि यह अपने में भावनाओं की गहराई को भी समाहित करता है। ओरा फाइन ज्वेलरी बेहतर गुणवत्ता की प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है, जो एक ऑल-इन-वन बॉक्स सेट लेकर आया है। यह सुंदर सेट खूबसूरती से नक्काशा गया डिजाइन पेश कर रहा है, जो इस स्नेहपूर्ण अवसर पर आपके प्रियजनों का दिल जीत लेगा। एक आकर्षक नेकपीस, मैचिंग के सुंदर झुमकों और एक खूबसूरत ब्रेसलेट के साथ यह सेट न केवल आपके प्रियजनों के लिए, बल्कि आपके अपने लिए भी एक उत्तम उपहार है। यह बॉक्स सेट और भी ज्यादा खास इसलिए है, क्योंकि यह केवल 149,999/- के अद्वितीय मूल्य में उपलब्ध है, इसलिए अब लक्जरी बिना किसी समझौते के मिल रही है। इसके अलावा, प्यार के इस सीज़न में 2.5 कैरेट सॉलिटेयर-लुक इयररिंग्स से मुग्ध होकर आपको और आपके प्रियजनों को स्टाइल एवं एलिगेंस का मोहक अनुभव मिलेगा। कलर्ड स्टोंस से जड़े चमकदार डायमंड नेकपीस से लेकर विस्तृत सॉलिटेयर डिजाइन तक, यहाँ आपको डिजाइंस की विस्तृत श्रृंखला देखने को मिलेगी। ओरा अपने स्टोर पर उपलब्ध ज्वेलरी संग्रह पर विशेष छूट एवं ऑफर प्रदान कर रहा है, जिससे हर प्रबुद्ध ग्राहक को शानदार स्टाइल स्टेटमेंट बनाना आसान हो गया है।

हिल्टन ने भारत में 'हिल्टन फॉर द स्टे' कैंपेन के लिए दीपिका पादुकोण के साथ ग्लोबल पार्टनरशिप की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हिल्टन (NYSE: HLT) ने आज भारत की मशहूर अदाकारा, प्रोड्यूसर, समाज-सेवी और उद्यमी, दीपिका पादुकोण के साथ ग्लोबल एंबेसडर पार्टनरशिप की घोषणा की है। हिल्टन के पहले ग्लोबल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म 'हिल्टन फॉर द स्टे' के तहत यह साझेदारी की गई है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में ट्रैवल की लगातार बढ़ती मांग के बीच आपके स्टे की अहमियत को उजागर करना है।

हिल्टन के लिए यह पार्टनरशिप एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे पता चलता है कि कंपनी लगातार विकसित हो रहे भारतीय बाजार में अपने दायरे को बढ़ाने के इरादे पर अटल है। दीपिका एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के साथ-साथ दूसरे क्षेत्रों में भी अपने प्रेरणादायक सफर के लिए जानी जाती हैं और वह आधुनिक भारत की भावना का प्रतीक हैं, जिनमें भारतीय पर्यटकों की उम्मीदों और स्वभाव की झलक दिखाई देती है। मेहमानों को बेमिसाल अनुभव प्रदान करने के हिल्टन के मिशन, और दीपिका की कठिन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता, इनोवेशन और उनके ग्लोबल आउटलुक में शानदार तालमेल नजर आता है, और इसी वजह से वह हिल्टन के ग्लोबल मार्केटिंग प्लेटफॉर्म की चैंपियन के तौर पर पहली पसंद बन गई हैं। अपने काम में ईमानदारी और हमेशा बेहतर कर दिखाने के जज्बे की वजह से ही दीपिका से दर्शकों के दिल में जगह बनाई है और ये खूबियाँ हिल्टन की सर्विस फिलॉसफी का सबसे अहम हिस्सा हैं। बॉलीवुड और हॉलीवुड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कड़ी चुनौतियों के बीच दीपिका का उदय इस बात की मिसाल है कि उन्होंने घिसी-पिटी परंपराओं को तोड़कर अपनी सफलता की कहानी लिखी है। इसके अलावा उन्होंने लोगों की भलाई के लिए भी काम किया, और इसी वजह से उनमें आज की कामकाजी पीढ़ी के व्यवहार की झलक दिखाई देती है, जो नए जमाने के भारत को आकार दे रहे हैं। साल 2020 में मानसिक सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने की मुहिम की अगुवाई के लिए दीपिका को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा क्रिस्टल अवार्ड से सम्मानित किया गया और उन्हें टाइम द्वारा दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया गया, और अपनी इन्हीं उपलब्धियों की वजह से उन्होंने दुनिया के मंच पर मजबूती से अपनी पहचान बनाई है। ग्राहकों के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए, जुलाई 2022 में 'हिल्टन फॉर द स्टे' कैंपेन को लॉन्च किया गया था।

बचपन मनाओ, बढ़ते जाओ ने लॉन्च की बचपन का उत्सव मनाती शॉर्ट फिल्म

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए सीखने का अवसर देने के महत्व को समझाती है फिल्म

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नंदन एवं रोहिणी नीलेकणि और शंकर मरूवडा के एकस्टेप फाउंडेशन की पहल बचपन मनाओ, बढ़ते जाओ ने देशभर में 1000 से ज्यादा पीवीआर स्क्रीन तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'सेलीब्रेट चाइल्डहुड, कीप ग्रोइंग-बचपन मनाओ, बढ़ते जाओ' के शीर्षक से फिल्म रिलीज की है। इस पहल का उद्देश्य बचपन का उत्सव मनाना और इस दौरान उपलब्ध अवसरों के बारे में शिक्षित करना है। इस शॉर्ट फिल्म में रोमांच पसंद करने वालों बच्चों का एक समूह दिखाया गया है, जो हिल-क्लाइंबिंग एडवेंचर के दौरान प्रकृति को करीब से समझते हैं और अपनी जिज्ञासा को शांत करते हैं। एकस्टेप फाउंडेशन के तहत, रोहिणी नीलेकणि फिलेन्थ्रोपीज का ग्रांटी (अनुदान प्राप्तकर्ता), बचपन मनाओ, बढ़ते जाओ पहल खेल-खेल में बच्चों के संपूर्ण विकास के महत्व को दर्शाती है। विशेषरूप से बच्चों के शुरूआती आठ वर्ष सीखने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी सोच के साथ यह फिल्म बच्चों के विकास के चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर विमर्श करती है। इनमें अवसरों से भरपूर आठ वर्ष, संपूर्ण विकास, सीखने के अवसरों की भरमार और खेलों के महत्व जैसे स्तंभ शामिल हैं। अपने पार्टनर्स सहित टेक महिंद्रा फाउंडेशन, प्रथम, रॉकेट लर्निंग व अन्य जैसे कोलेबैक्टर्स के साथ मिलकर इस मिशन का उद्देश्य ऐसे फैसलों को ताकत देना है, जिससे यह सुनिश्चित हो कि तेजी से भागती दुनिया में बच्चों के जीवन के शुरूआती अनुभवों की अनदेखी न हो जाए। यह फिल्म इस संदेश के साथ खत्म होती है कि बच्चों को सीखने एवं अपने बचपन का उत्सव मनाने की आजादी देने से उनके लिए उज्ज्वल भविष्य की राह खुलती है।

जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी के लॉन्च के साथ जेएसडब्ल्यू वन कर रहा प्राइवेट ब्रैंड्स में प्रवेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप की सहायक कंपनी, जेएसडब्ल्यू वन ने आज जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी के लॉन्च की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए नए मानक स्थापित करते हुए, भारत की निर्माण महत्वाकांक्षाओं को सशक्त बनाना है। बीआईएस-प्रमाणित जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी बार्स, ग्राहकों को एक टीएमटी में 10 गुना लाभ प्रदान करके नए मानक स्थापित करते हैं। इसमें श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ रिब डिजाइन, बेहतर रसायन विज्ञान, संक्षारण प्रतिरोध, यूरोपीयन तकनीक, बजट अनुकूलता, उच्चतम लचीलापन और मोड़ने की क्षमता, बढ़ी हुई संरचनात्मक शक्ति, सर्वोच्च कंक्रीट पकड़, समान गेज और आयाम तथा गर्मी/भूकंप प्रतिरोध शामिल है, जो कि जेएसडब्ल्यू की विरासत के रूप में इसके स्टील में निहित है।

जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी बार्स, गुणवत्ता और प्रदर्शन के अंतर को खत्म करते हैं, जिसका अक्सर ग्राहकों और निर्माण कंपनियों द्वारा सामना किया जाता है। ये सरिए अपने साथ क्षेत्रीय बाजारों में प्रचलित स्थानीय गैर-मानक टीएमटी ब्रैंड्स की चुनौती का समाधान लेकर आते हैं। इस प्रकार, ये सरिए निर्माण क्षेत्र में सार्थक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अपनी उच्च शक्ति, बारीकी से निर्माण और कम कंक्रीट आवश्यकताओं की वजह से कम सरिए की आवश्यकता के साथ ये सरिए निर्माण की कुशलता में सुधार करते हैं, जो परिणाम के रूप में तेजी से बार प्लेसमेंट और हल्का क्रेन भार प्रदान करते हैं। इसकी इनोवेटिव डिजाइन, टीएमटी सरियों की खपत को कम करती है, जिसके माध्यम से ग्राहकों की लागत में महत्वपूर्ण रूप से बचत होती है। यह परिणाम के रूप में, पतले कॉलम्स और अधिक इंटीरियर फ्लोर स्पेस व कारपेट एरिया प्रदान करता है।

पार्थ जिंदल, डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू वन प्लेटफॉर्म्स, ने कहा, ''जैसा कि हम टेक्नोलॉजी के माध्यम से पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार कर रहे हैं, हम पाते हैं कि बाजार में हमारे ग्राहकों को किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले टीएमटी खोजने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ता है। बाजार में अमानक और अपुष्ट प्रोडक्ट्स की भरमार है। इन्हीं बाजारों को हम जेएसडब्ल्यू वन के लिए अरबों डॉलर के एक बड़े अवसर के रूप में देखते हैं। इसे संबोधित करने के लिए ही हमने प्राइवेट ब्रैंड्स बिज़नेस की स्थापना की है। जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी हमारा पहला प्राइवेट ब्रैंड प्रोडक्ट है

सोहना से अयोध्या रामलला के दर्शन करने के लिए बस सेवा शुरु

सोहना के सामान्य बस स्टैंड से चलती है हरियाणा रोडवेज की बस।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

क्षेत्रवासियों के लिए प्रदेश सरकार ने अयोध्या जाने की सुविधा उपलब्ध कराई है। हर दिन स्थानीय सामान्य बस स्टैंड से राम लाला के दर्शन करने के लिए हरियाणा रोडवेज की बसें अयोध्या जाती है। क्षेत्र से रामलला के दर्शन करने के इच्छू भक्तां को अयोध्या जाना आसान होगा। प्रदेश सरकार के आदेश पर हरियाणा रोडवेज ने जिला डिपो से हर दिन एक बस अयोध्या जाने की शुरुआत कर दी है। सुबह 4 बजे गुरुग्राम सामान्य बस स्टैंड से शुरुआत हो गई है। उक्त बस सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर सोहना के सामान्य बस स्टैंड पहुंचती है। यहा से सीधा पलवल होते हुए अयोध्या जा रही है। स्थानीय बस स्टैंड प्रभारी गोविन्द सिंह ने बताया कि कोई भी इच्छूक यात्री जा सकता है। यही बस अगले दिन सुबह 5 बजे अयोध्या से वापस चलते हुए सायं 6 बजे सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर पहुंचती है। उन्होने बताया कि वर्तमान समय में अयोध्या जाने वाले यात्रियां किसी प्रकार की परेशानी नहीं आ रही है।

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता
उत्तराखण्ड जल संस्थान
हल्द्वानी ग्रामीण (लालकुआँ) स्थित गोरापड़ाव जिला नैनीताल पिन–263139
Tel No: 05946-232717 Email Id: eeujslku@gmail.com

पत्रांक : 222/निविदा/03 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 15.02.2024

एतद्द्वारा उत्तराखण्ड जल संस्थान, शांखा हल्द्वानी ग्रामीण (लालकुआँ) द्वारा राज्य योजना मद के अन्तर्गत स्वीकृत निम्न कार्य हेतु विभाग में डी–श्रेणी अन्तर्गत पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से दिनाँक 04.03.2024 को अपरान्ह 3:00 बजे तक पंजीकृत डाक/टैण्डर बॉक्स के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन अपरान्ह 3:30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा मनोनीत प्रतिनिधि द्वारा निविदादाताओं की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति दोनों दशाओं में खोली जायेगी। उक्त तिथि को अवकाश होने की दशा में निविदा अनुवर्ती कार्य दिवस में यथा समय खोली जायेगी। कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान, हल्द्वानी ग्रामीण, (लालकुआँ), स्थित गोरापड़ाव, पॉ०ऑ० अर्जुनपुर, बरेली रोड, जिला नैनीताल से निविदा प्रपत्र दिनाँक 17.02.2024 से दिनाँक 23.02.2024 तक किसी भी कार्य दिवस/अवधि में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।

क्र0	कार्य का विवरण	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपया)	धरोहर धनराशि
1	लालकुआँ नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत पी.वी.सी. पाईप, डोजर की आपूर्ति एवं अधिष्ठान, स्लूस वाल्व, राईजिंग मेन मरम्मत, वैल्डिंग कार्य।	500.00 + 90.00 GST = 590.00	9000.00

शर्तेः– 1. फर्म/ठेकेदार का जी.एस.टी. पंजीकरण पत्र एवं पैन नम्बर संलग्न किया जाना होगा।
2. फर्म/ठेकेदार को डी–श्रेणी में वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
3. शेष शर्ते निविदा प्रपत्र के अनुसार मान्य होगी। जो कभी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

(नन्द किशोर)
अधिशासी अभियन्ता

PUBLIC NOTICE

The general public is hereby informed that Mrs. Gurdeep Kaur Narang W/o Mr. Ajit Singh Narang was the owner of Flat No. 521 in the Shriniketan CGHS Ltd, Plot No.1, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075 (henceforth the said flat). She died interstate on 11-08-23. Now her son Mr. Karnajit Singh Narang S/o Mr. Ajit Singh Narang, has applied to the society for the transfer of the said flat to him and has submitted Registered Relinquishment Deeds signed by His father Mr. Ajit Singh Narang & brother Mr. Dilbagh Singh Narang in his favour. Anyone having any objection or any interest in the above said flat in any manner whatsoever, should contact the Society office along with complete documentary proof within 15 days.

Society Office
Shriniketan CGHS Ltd
Plot No-1, Sector -7
Dwarka, New Delhi-110075
Contact: 011-25086666, 9999681601

यूनाइटेड लीजिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः- प्लॉट नं. 66, सेक्टर-34, ईएचटीपी, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
सीआईएनः- L17100HR1983PLC033460, वेबसाइटः www.ulilltd.com,
ईमेल आईडीः investorrelations@ulilltd.com, फोनः 011-2628237, 49075251
31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण
(प्रति शेयर डेटा को छोड़कर लाख रुपये में)

क्र. सं.	विवरण (नीचे टिप्पणी देखें)	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31.12.2023	30.09.2023	31.12.2022	31.12.2023	31.12.2022	31.03.2023
		(अलेखापरीक्षित)	(अलेखापरीक्षित)	(अलेखापरीक्षित)	(अलेखापरीक्षित)	(अलेखापरीक्षित)	(लेखापरीक्षित)
1	संचालनों से कुल आय	245.09	158.01	445.19	527.51	935.51	1,047.44
2	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) और आपवादिक और असाधारण मद	13.60	5.32	17.13	32.70	66.77	55.59
3	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) और आपवादिक और असाधारण मद	13.60	5.32	12.85	32.70	50.94	43.00
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि)	13.60	5.32	12.85	32.70	50.94	43.00
5	कुल व्यापक आय	-	-	-	-	-	-
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी	300.00	300.00	300.00	300.00	300.00	300.00
7	प्रत्येक 10 रुपये के प्रति शेयर आय (वार्षिकीकृत नहीं) (क) मूलभूत (ख) तरलीकृत	0.45 0.45	0.18 0.18	0.43 0.43	1.90 1.09	1.70 1.70	1.43 1.43

टिप्पणियाँ:
उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में दायर 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.ulilltd.com पर उपलब्ध है।

कृते यूनाइटेड लीजिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता/-
हरीश रावत
(निदेशक)
डीन- 06918651

स्थानः गुरुग्राम, हरियाणा
दिनांकः 14 फरवरी, 2024

सुनील हेल्थकेयर लिमिटेड
SUNLOC
पंजीकृत कार्यालयः
38ई/252-ए, विजय टावर, शाहपुरजट, नई दिल्ली-110049
ईमेलः info@sunilhealthcare.com, वेबसाइटः- www.sunilhealthcare.com
सीआईएन नं. L24302DL1973PLC189662
31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों हेतु अलेखापरीक्षित स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश
(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैण्डअलोन						समेकित					
		तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति	तिमाही समाप्ति			नौ माह समाप्ति		वर्ष समाप्ति
		31 दिसम्बर 2023	30 सितम्बर 2023	31 दिसम्बर 2022	31 दिसम्बर 2023	31 दिसम्बर 2022	31 मार्च 2023	31 दिसम्बर 2023	30 सितम्बर 2023	31 दिसम्बर 2022	31 दिसम्बर 2023	31 दिसम्बर 2022	31 मार्च 2023
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1.	संचालनों से कुल आय	2,564.34	2,390.79	2,589.90	7,249.96	9,267.19	11,345.87	2,579.91	2,392.13	2,603.43	7,341.80	9,276.99	11,498.74
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या असाधारण मदें)	(55.92)	(138.56)	50.33	(293.08)	975.49	975.86	(39.11)	(146.13)	11.26	(272.13)	897.23	948.33
3.	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	(55.92)	(138.56)	50.33	(293.08)	975.49	975.86	(39.11)	(146.13)	11.26	(272.13)	897.23	948.33
4.	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या असाधारण मद पश्चात्)	(36.81)	(102.01)	31.46	(214.43)	703.11	697.69	(20.00)	(109.89)	(7.94)	(194.06)	623.21	668.21
5.	अवधि हेतु कुल व्यापक आय [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	(36.81)	(102.01)	31.46	(214.43)	703.11	693.58	(32.80)	(107.60)	(24.84)	(224.83)	586.57	604.20
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य प्रत्येक रु. 10/-)	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48	1,025.48
7.	रिजर्व (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर) जैसा कि पूर्व वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया है	-	-	-	-	5,147.07	-	-	-	-	-	-	4,574.21
8.	प्रति इक्विटी शेयर आय (असाधारण मद पश्चात्) (प्रत्येक रु. 10/- का)												
	(क) मूलभूत (रु.)	(0.36)	(0.99)	0.31	(2.09)	6.86	6.80	(0.20)	(1.07)	(0.08)	(1.89)	6.08	6.52
	(ख) तरलीकृत (रु.)	(0.36)	(0.99)	0.31	(2.09)	6.86	6.80	(0.20)	(1.07)	(0.08)	(1.89)	6.08	6.52

टिप्पणियाँ:-
1. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर किए गए त्रैमासिक/नौ महीने के समाप्त वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। त्रैमासिक/नौ महीने के समाप्त वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.sunilhealthcare.com) पर उपलब्ध है।
2. चूँकि कंपनी का व्यवसाय एकल प्राथमिक व्यवसाय खंड अर्थात कैप्सूल की बिक्री के अंतर्गत आता है, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानक (इंड एएस-108) "ऑपरेटिंग सेगमेंट" की प्रकटीकरण आवश्यकता, उसके तहत जारी प्रासंगिक नियमों के साथ पठित, जो लागू नहीं है।
3. अन्य आय में कीमैन बीमा पॉलिसी की परिपक्वता/सरेंडर पर प्राप्त 281.39 लाख रुपये शामिल हैं।
4. उपरोक्त परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई और 14 फरवरी, 2024 को आयोजित उनकी संबंधित बैठकों में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

हस्ता/-
राकेश मोहन
स्वतंत्र निदेशक
डीआईएन 07352915

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14.02.2024

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सिलस पुत्र जॉन व आशिया राहोटा पत्नी सिलस निवासीगण स्थाई पता एम-7/59, फकीर सिंह कॉलोनी, नियर अन्नगढ़ ओ/एस गेट, हकीमा, अमृतसर-1, पंजाब-143001 हाल पता फ्लैट नम्बर 1538 ई-टॉवर, संस्कृती विहार, गौर सिटी-2, नोएडा ने अपनी माता श्रीमती रीना, पिता श्री जॉन, बहन दीपिका, भाई थिरा के साथ अपने समस्त नाते-रिश्ते व सभी निजी सम्बन्ध नष्ट व खत्म कर दिये है क्योंकि मेरे मुवक्किल के साथ उसके उपरोक्त परिवार के सदस्य दुर्व्यवहार व बदतमीजी तथा बदसलूकी से पेश आते है तथा उसको वेजह तंग परेशान करते है जिस कारण मेरा मुवक्किल अपने परिवार की समस्त चल-अचल सम्पत्ति से स्वंय अपने पूर्ण होशो हवास से बेदखल हो रहा है भविष्य में मेरा मुवक्किल स्वंय ही अपने किसी भी प्रकार के कृत्य का स्वंय जिम्मेदार रहेगा तथा उसी की स्वंय की जवाबदेही रहेगी। Sd/-
Meenu Chauhan, Advocate.
Ch. No:- 866 Patiala House Courts Delhi- 110002

ATS HEIGHTS PRIVATE LIMITED
Regd. Off.: 711/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi – 110019
CIN: U70200DL2010PTC205410; Phone No.: 0120-7111500; Fax No.: 0120-7111550
Email Id.: compliances@atsgreens.com; Website: www.atsgreens.com

ANNEXURE I
Format for publishing financial results in newspapers
[Regulation 52 (8), read with Regulation 52 (4), of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]
(Amounts in INR Lakhs, unless otherwise stated)

S. No.	Particulars	For the Quarter ended	For the Quarter ended	For the Year ended
		31.12.2023	31.12.2022	31.03.2023
		Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from Operations	0.39	1.43	26.19
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	(7.07)	(74.43)	(427.77)
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(7.07)	(74.43)	(427.77)
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(5.23)	(51.37)	(280.79)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	(5.23)	(51.37)	(280.79)
6	Paid up Equity Share Capital	1.00	1.00	1.00
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	(2,767.78)	(2,548.20)	(2,739.74)
8	Securities Premium Account	-	-	-
9	Net worth	(2,766.78)	(2,547.20)	(2,738.74)
10	Paid up Debt Capital / Outstanding Debt	2,36,920.59	2,12,151.56	2,18,477.59
11	Outstanding Redeemable Preference Shares	-	-	-
12	Debt Equity Ratio	(71.82)	(83.29)	(71.56)
13	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -			
	1. Basic:	(52.26)	(513.75)	(2,807.90)
	2. Diluted:	(52.26)	(513.75)	(2,807.90)
14	Capital Redemption Reserve	-	-	-
15	Debenture Redemption Reserve	-	-	-
16	Debt Service Coverage Ratio	(0.0006)	(0.0016)	(0.012)
17	Interest Service Coverage Ratio	(0.05)	(0.020)	(0.030)
18	Current Ratio	1.05	1.09	1.08
19	Long Term debt to working capital	1.02	0.93	0.93
20	Bad Debts to Account Receivable ratio	NA	NA	NA
21	Current liability ratio	0.94	0.91	0.91
22	Total debts to Total assets	0.61	0.73	0.65
23	Debtors Turnover Ratio	NA	NA	NA
24	Inventory Turnover Ratio	NA	NA	NA
25	Operating Margin %	NA	NA	NA
26	Net profit margin %	-1332%	-3592%	-1072%

Note
a) The above is an extract of the detailed format of quarterly/annual financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 52 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly/annual financial results are available on the websites of the Stock Exchange(s) and the listed entity.
b) For the other line items referred in the Regulation 52 (4) of the Listing Regulations, pertinent disclosures have been made to the Stock Exchange(s).
c) # - Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind AS Rules / AS Rules, whichever is applicable.

Getamber Anand
SD/-
Director
Date:14-02-2024
Place: Noida

Rajesh Raizada
SD/-
Director
Date: 14-02-2024
Place: Noida

ATS INFRABUILD PRIVATE LIMITED
CIN: U45400DL2007PTC168922
ANNEXURE I
[Regulation 52 (8), read with Regulation 52 (4), of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]

S. No.	Particulars	For the Quarter ended		For the Year ended
		31-12-2023	31-12-2022	31-03-2023
		Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from Operations	384.91	452.27	2,196.80
2	Net Profit/(Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	(69.47)	(83.20)	(1,305.74)
3	Net Profit/(Loss) for the period before Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(69.47)	(83.20)	(1,305.74)
4	Net Profit/(Loss) for the period after Tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	(69.91)	(62.51)	(1,320.39)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/(Loss) for the period (after Tax) and Other Comprehensive Income (after Tax)]	(69.91)	(62.51)	(1,314.29)
6	Paid-up Equity Share Capital	1.00	1.00	1.00
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	(2,545.48)	(1,099.93)	(2,280.02)
8	Net worth	(2,544.48)	(1,098.93)	(2,279.02)
9	Paid-up Debt Capital / Outstanding Debt	16,425.32	16,061.00	16,064.14
10	Outstanding Redeemable Preference Shares	-	-	-
11	Debt Equity Ratio*	(0.95)	(14.62)	(7.05)
12	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) -			
	1. Basic: (in Rs)	(699.15)	(625.13)	(13,203.94)
	2. Diluted: (in Rs)	(699.15)	(625.13)	(13,203.94)
13	Capital Redemption Reserve	-	-	-
14	Debenture Redemption Reserve	-	-	-
15	Debt Service Coverage Ratio*	(0.024)	(0.040)	(0.441)
16	Interest Service Coverage Ratio*	(0.19)	1,079.23	(0.90)
17	Current Ratio	0.88	1.54	1.49
18	Long Term Debt to Working Capital Ratio	-	169.57	1.06
19	Bad Debt to Accounts Receivable Ratio	-	-	-
20	Current Liability Ratio	1.00	0.60	0.60
21	Total Debt to Total Asset Ratio	0.05	0.35	0.36
22	Debtor Turnover Ratio	7.08	8.06	40.98
23	Inventory Turnover Ratio	0.01	0.01	0.08
24	Operating Margin	-28.45%	-36.03%	-79.90%
25	Net Profit Margin	-18.16%	-13.82%	-60.11%

Note:
a) The above is an extract of the detailed format of quaterly/annual financial results filed with the Stock Exchanges under Regulation 52 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quaterly/annual financial results are available on the websites of the Stock Exchange(s) and the listed entity.
b) For the items referred in sub-clauses (a), (b), (d) and (e) of the Regulation 52 (4) of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the pertinent disclosures have been made to the Stock Exchange(s).
c) # - Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind AS Rules / AS Rules, whichever is applicable.
*d) * - The pertinent items need to be disclosed if the said disclosure is required as per Regulation 52 (4) of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015.*
e) Previous periods figures have been reclassified wherever considered necessary

For and on behalf of Board of Directors of
ATS Infrabuild Private Limited

Sd/-
Getamber Anand
Director
DIN- 00120610

Sd/-
Naveen Joshi
Director
DIN- 07922648

Place: Noida
Date: 14.02.2024

विपक्ष में टकराव

कांग्रेस को झटका

विपक्ष में जारी टकराव के चलते आम आदमी पार्टी-आप ने 'इंडिया' समूह की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को दिल्ली में एक सीट का प्रस्ताव कर उसका मजाक उड़ाया है। यह कांग्रेस को झटका है। आप ने हाल ही में कांग्रेस को दिल्ली से केवल एक सीट देने का प्रस्ताव कर सबको आश्चर्यचकित कर दिया है। उसके अनुसार कांग्रेस ज्यादा सीट की हकदार नहीं है। इस बयान से आम चुनाव के पहले राजनीतिक गठबंधनों में उलटफेर पर चर्चा को हवा दे दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आप के प्रस्ताव से दिल्ली में कांग्रेस को उसकी औकात बताने का संकेत मिलता है। इसके साथ ही आप लगातार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-एनसीआर में अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। कांग्रेस को केवल एक सीट का प्रस्ताव कर आप स्वयं को राजधानी में भाजपा के मुख्य विरोधी के रूप में पेश कर रही है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि राज्य और निगम के स्तर पर आप एक मजबूत शक्ति है। लेकिन संसदीय चुनाव में यही बात जनता पर उसकी पकड़ के बारे में नहीं कही जा सकती है। 2019 में वह दिल्ली की सभी सीटों पर लड़ी थी, लेकिन एक पर भी नहीं जीती थी। उसके नवीनतम कदम से भाजपा को लाभ हो सकता है जिसने राजधानी की सभी सीटों पर कब्जा किया था। वास्तव में आप और कांग्रेस के बीच समझौता टूटने से भाजपा प्रसन्न होगी। लेकिन बात केवल दिल्ली लोकसभा सीटों की नहीं है, बल्कि इसके 'इंडिया' समूह तथा विपक्षी एकजुटता प्रयासों पर दूरगामी परिणाम होंगे। नीतीश कुमार के पालाबदल के बाद 'इंडिया' समूह अस्तित्व पर संकट का सामना कर रहा है। आप के इस कदम से

सवाल उठता है कि क्या 'इंडिया' समूह एकजुट होकर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रभुत्व को चुनौती दे सकता है? हालांकि, संयुक्त विपक्ष का विचार आकर्षक लगता है, पर विचारधारा और नेतृत्व में मतभेदों के कारण इसकी प्रभाव घटता है।

कांग्रेस को आप का प्रस्ताव चुनावी राजनीति की मजबूरियां प्रदर्शित करते हुए रेखांकित करता है कि सीट-साझा बहुत नाजुक मामला है। विखंडित राजनीतिक परिदृश्य में गठबंधन बनाना आसान काम नहीं है। हालांकि, दोनों पार्टियों का साझा लक्ष्य भाजपा को सत्ता से हटाना है, पर उनके बीच गहरी प्रतिद्वंद्विता तथा वैचारिक मतभेद हैं। इसके अलावा 'इंडिया' समूह की सफलता केवल राजनीतिक पार्टियों के सहयोग ही नहीं, बल्कि उनकी इस क्षमता पर भी निर्भर करती है कि वे मतदाताओं को कितना लामबंद कर जनता का समर्थन प्राप्त कर सकती हैं। लोकसभा चुनाव बहुत निकट आने के साथ विपक्षी दलों को अपने मतभेद दूर कर प्रशासन के लिए एक सुसंगत दृष्टिकोण पेश करना चाहिए ताकि वे वर्तमान सरकार का विश्वसनीय विकल्प बन सकें। लेकिन इस संबंध में विपक्ष की तैयारी बहुत कमजोर दिख रही है। जहां हालिया वर्षों में भाजपा ने काफी चुनावी सफलतायें प्राप्त की हैं, प्रमुख राज्यों में विजय पाई है तथा सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत की है, वहीं विपक्षी पार्टियां एक सुसंगत व प्रभावी चुनौती देने के लिए संघर्ष कर रही हैं। आगामी चुनाव विपक्ष के समक्ष अपनी एकता, प्रतिबद्धता तथा प्रशासनिक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देता है। इसके लिए जरूरी है कि वे भारत के भविष्य के बारे में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करें जिसमें मतदाताओं की महत्वाकांक्षायें ओर सरोकार निहित हों। देखना होगा कि विपक्ष संयुक्त मोर्चा बना पाता है या नहीं, लेकिन यह निश्चित है कि यदि वे चुनाव के पहले जल्दबाजी में निर्णय लेंगे तो उनको भविष्य में आराम का काफी समय मिलेगा।

महिलाओं हेतु समान नागरिक संहिता

समान नागरिक संहिता-यूसीसी को अक्सर मुसलमानों पर हिंदू विधि थोपने का प्रयास समझा जाता है। लेकिन मुख्य मुद्दा महिला अधिकारों के संबंध में पर्सनल कानूनों में भिन्नताओं का है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

समान नागरिक संहिता-यूसीसी को अक्सर मुसलमानों पर हिंदू विधि थोपने का प्रयास समझा जाता है। लेकिन मुख्य मुद्दा महिला अधिकारों के संबंध में विभिन्न धर्मों के पर्सनल कानूनों में भिन्नताओं का है। समान नागरिक संहिता-यूसीसी का मुद्दा एक बार फिर खबरों में आ गया है। इसका कारण उत्तराखंड सरकार द्वारा विधानसभा में समान नागरिक संहिता कानून पास करना है। इसे महिला अधिकारों हेतु कानून में संशोधन के रूप में देखा जाना चाहिए। विडंबना है कि समान नागरिक संहिता पर टिप्पणी करने वाले लोग अक्सर इसे हिंदू-मुस्लिम मुद्दे के रूप में देखते हैं।

कुछ विशेषज्ञ तो इस सीमा तक चले गए हैं कि वे समान नागरिक संहिता-यूसीसी को मुसलमानों पर हिंदू विधि थोपने का प्रयास बताने लगे हैं, जबकि मुसलमान लंबे समय से अपने शरीया कानूनों का पालन करते रहे हैं। भारत में अनेक मुस्लिम विद्वान अक्सर इस बात पर जोर देते हैं कि पैगंबर मुहम्मद ने महिलाओं के कल्याण की बात हिंदू ऋषियों तथा अधिकांश ईसाई पोप के पहले ही सोच ली थी। उनका दावा है कि अन्य धर्मगुरुओं की तुलना में पैगंबर मुहम्मद ने संपत्ति पर महिलाओं को अधिकार दिया था, जबकि अन्य धर्मानुयाइयों ने इसे बहुत बाद में स्वीकार किया। इस दृष्टिकोण से वे इस्लामी शरीया कानूनों को हिंदू विधि से बेहतर बताने का प्रयास करते हैं। लेकिन इस मुद्दे पर समकालीन व वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए व्यापक दृष्टिकोण से विचार करने की आवश्यकता है। इसके लिए महिलाओं की स्थिति व महिला अधिकारों को वरीयता मिलनी चाहिए।

हालांकि, संपत्ति पर महिला अधिकारों के संबंध में उनका दावा गलत नहीं है। हिंदू महिलाओं को संपत्ति पर अधिकार 1955 में हिंदू कोड बिल पास होने पर मिला। लेकिन मुसलमानों के इस तर्क का कोई अर्थ नहीं है कि बहुविवाह 21वीं शताब्दी में भी बना रहना चाहिए। मुस्लिमों का पक्ष लेने वाले अनेक लोग अक्सर यह सवाल पूछते हैं कि कितने मुसलमानों की एक से अधिक पत्नियां हैं। लेकिन यह सवाल उस समय तक तार्किक नहीं कहा जा सकता है जब तक मुसलमानों को अपनी इच्छानुसार बार-बार विवाह करने और तलाक देने का अधिकार मिला रहता है। वर्तमान यथार्थ की तुलना में यह खतरा ज्यादा भयंकर है। यदि यह खतरा एक हजार विवाहों में एक मामले में भी यथार्थ में नहीं बदलता है तो भी यह असंख्य पत्नियों के सिर पर लटकती तलवार की तरह बना रहता है। इस खतरे से उनका पूरा वैवाहिक जीवन प्रभावित होता है। अनेक पत्नियां इस भय से अपना पूरा जीवन बिताती हैं जो एक प्रकार से महिलाओं के प्रति क्रूरता है। इसके कारण अनेक निर्दोष महिलाओं को अकारण दंड मिल सकता है जिन्होंने अपने पति या परिवार के प्रति कोई अपराध न किया हो। इस परिदृश्य की तुलना में कम से कम एक पाकिस्तानी महिला को उस समय तक शांतिपूर्ण जीवन का अधिकार मिलता है जिसका पति वास्तव में तलाक की मांग न करे। पाकिस्तान में तलाक की अनुमति जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दी जाती है और बिना मजिस्ट्रेट की सहमति के कोई तलाक वैध नहीं हो सकता है।

किसी मुसलमान का कोई हिंदू मित्र संभवत: समान नागरिक संहिता का विरोध करने में उसका साथ दे सकता था, बशर्ते कि उसने बड़े इस्लामी धर्मगुरुओं द्वारा भारत में मुस्लिम कानूनों के आधुनिकीकरण का कोई प्रयास देखा होता। लेकिन इसके कोई प्रयास नहीं हुए हैं। अधिकांश मुस्लिम धर्मगुरुओं ने 'इज्तिहाद' या पुन: व्याख्या के बजाय 'तक़लीद' या कट्टरपन को वरीयता दी है। ऐसे में मुस्लिम पुरुष के लिए तो जीवन स्वर्ग के समान हो सकता है, लेकिन मुस्लिम महिलाओं को नरक की तरह भय का सामना करना पड़ता है। पैगंबर हजरत मुहम्मद मनोविज्ञान में माहिर थे और उन्होंने शताब्दियों तक पुरुषों को ऐसी दुनिया के प्रति आकर्षित करने में सफलता पाई है जो पुरुषों की दुनिया हो। उनकी इसी प्रतिभा के कारण इस्लाम का लगातार विस्तार सुनिश्चित हुआ है। केवल पिछले कुछ दशकों से इस विश्वास को प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन इसके पहले तक इस्लाम ने पुरुषों को आश्चर्यजनक प्रसन्नता प्रदान की है, भले ही मुस्लिम महिलाओं को तनाव और भय के माहौल में अपना जीवन गुजारना पड़ा हो।

केवल इतना ही नहीं कि मुस्लिम महिलाओं को पति द्वारा तलाक देने का खतरा बना रहा जो पुरुषों के लिए बहुत आसान था। इसके अलावा महिलाओं को पुरुष से अलगाव के लिए 'खुला' के अंतर्गत बहुत कठिन विकल्प मिला था जो काफी लंबा, जटिल तथा खर्चीला था। दूसरी ओर पुरुषों का विशेषाधिकार बहुत सरल था। केवल तीन महीने से कम समय में वह 'तलाक' बोल कर महिला को उसके बच्चों समेत अपने घर के बाहर धकेल सकता है। विडंबना है कि अधिकांश मुस्लिम महिलायें किसी खास कौशल से वंचित होती हैं। ऐसे में वे अपने और अपने बच्चों के भरण-पोषण के लिए क्या कर सकती हैं। 'निकाह' के समय 'मेहर' भुगतान की व्यवस्था के कारण पति को तलाकशुदा महिला के भरण-पोषण पर खर्च की जरूरत नहीं होती है। मुस्लिम महिला शाहबानो इस्लामी कानूनों की इस विसंगति का शिकार बनी थी।

उत्तराखंड विधानसभा द्वारा हाल ही में पास विधेयक में निकाह के लिए लड़की की आयु कम से कम 18 वर्ष होना अनिवार्य किया गया है। इसके अभाव में मुस्लिम लड़की के रजस्वला होने पर विवाह की व्यस्था है जो 8, 9 या 10 साल में भी हो सकता है। कितनी आयु में लड़की का विवाह किया जा सकता है। पहले लड़की की शिक्षा या उसके कौशल प्राप्त करने का सवाल नहीं उठता था। इसके साथ ही मुस्लिम लड़की के सिर पर तलाक की तलवार हर समय लटकी रहती है। आखिरकार सवाल उठता है कि मुस्लिम लड़कियों ने क्या गलती की है जो उनको इस दुर्भाग्य में धकेल दिया जाता है? ऐसे में 'निकाह हलाला' को भी भुलाया नहीं जाना चाहिए जो किसी अन्य उत्पीड़न की तुलना में ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि तलाक के बाद वही युगल दोबारा विवाह करना चाहे तो महिला को इस असाधारण व अमानवीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। महिला को पहले दूसरे व्यक्ति से विवाह कर संभोग करना पड़ता है। इसके बाद उसे तलाक मिलने पर ही पुन: महिला अपने पहले पति से विवाह कर सकती है। 'हलाला' शब्द का अर्थ किसी चीज को हलाल या वैध बनाना है। तलाक आमतौर पर पति द्वारा दिया जाता है, लेकिन पुन: विवाह के लिए महिला को एक अनजाने व्यक्ति से संभोग की अमानवीय पीड़ा सहनी पड़ती है। शरीया बनाने के समय इसे शामिल करने का क्या औचित्य था?

जब संपत्ति या अन्य वस्तुयें बांटने का सवाल आता है तो भी इस्लाम में लड़कों और लड़कियों को अलग श्रेणियों में रखा जाता है। लड़कियों को संयुक्त रूप से लड़कों का आधा हिस्सा ही मिलता है। क्या यह किसी वरिष्ठ धर्मगुरु के आदेश का असर है जो महिलाओं के प्रति असीम घृणा का शिकार था? इस बारे में हमें इस्लाम के शुरुआती इतिहास से ही जानकारी मिल सकती है। इससे पता चल सकता है कि उस समय सी सामाजिक परिस्थितियां विद्यमान थीं जिन्होंने महिलाओं के खिलाफ इतने व्यापक भेदभाव की अनुमति दी थी। इस संबंध में पुरानी पुस्तक 'किताब अल-निकाह' से महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। प्रारम्भिक इस्लामी इतिहास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण समझी जाने वाली इस किताब संख्या 2045 में एक घटना का विवरण दिया गया है। इसके अनुसार, एक व्यक्ति पैगंबर हजरत मुहम्मद के पास गया और उसने पूछा कि क्या उसे ऊंचे दर्जे वाली बहुत सुंदर महिला से विवाह करना चाहिए? इस पर पैगंबर मुहम्मद ने उसे ऐसा करने से मना करते हुए सलाह दी कि 'केवल ऐसी महिला से विवाह करो जो प्रेम करने वाली और उर्वर हो। मैं चाहता हूं कि उसके माध्यम से दूसरे लोगों की तुलना में तुम्हारी संख्या ज्यादा हो।' वर्तमान परिस्थितियों में महिला अधिकारों के दृष्टिकोण से इस कथन का निहितार्थ समझा जा सकता है।

बजट में जलवायु संबंधी सरोकार

स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता ऊर्जा और परिवहन से आगे बढ़कर समग्र पर्यावरण प्रबंधन तक फैली हुई है।

कविराज सिंह
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

गौरीपुर के शांत गांव में, बदलाव की फुसफुसाहट हवा में तैरने लगी। प्रिया खबर लेकर पहुंची कि सूरज ग्रामीणों का दृढ़ साथी बनने के लिए अस्त हो गया है। अंतरिम बजट 2024 में छतों को सौर ऊर्जा से सुसज्जित करने, हर घर में मुफ्त बिजली पहुंचाने का वादा किया गया था। गाँव, जो कभी धुंधली रोशनी वाली शामों का आदी था, अब एक सौर सिम्फनी की दहलीज पर खड़ा है जो जीवन को रोशन करेगा और एक स्थायी सुबह की शुरुआत करेगा।

2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम में, भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट 2024 के दौरान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति की रूपरेखा तैयार करते हुए प्रमुख पहलों का खुलासा किया। बजट में सौर ऊर्जा अपनाने, अपतटीय पवन क्षमता और अन्य टिकाऊ प्रथाओं पर जोर दिया गया है, जो हरित भविष्य की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रमुख घोषणाओं में से एक में दस मिलियन घरों के लिए छतों का सौर ऊर्जाकरण शामिल है, जिसका लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है। वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल न केवल परिवारों को सशक्त बनाएगी बल्कि वितरण कंपनियों को अधिशेष सौर बिजली बेचकर सालाना 18,000 रुपये की महत्वपूर्ण बचत में भी योगदान देगी। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) का सुझाव है कि यह प्रयास 20-25 गीगावाट छत सौर क्षमता की स्थापना का समर्थन कर सकता है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता में भारत विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है, यह कदम देश की लगभग 7,600 किलोमीटर की व्यापक तटरेखा का लाभ उठाने के लिए तैयार है, विशेष रूप से गुजरात और तमिलनाडु के तटों पर, जहां अनुमानित 70 गीगावाट अपतटीय पवन क्षमता की पहचान की गई है। इसी तरह, परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन को संबोधित करने के लिए, सरकार ने परिवहन के लिए संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) और घरेलू उद्देश्यों के लिए प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) के चरणबद्ध मिश्रण की घोषणा की। इस संबंध में, जैव-विनिर्माण और जैव-फाउंड्री के लिए एक नई योजना का उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देना है।

सरकार का लक्ष्य विनिर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे का समर्थन करके इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है, जिससे सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में ई-बसों को अपनाने को प्रोत्साहित किया जा सके। यह रणनीतिक कदम 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित स्रोतों से 50त्न संचयी विद्युत स्थापित क्षमता प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इसलिए बजट इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के विस्तार और मजबूती की योजना के साथ, इलेक्ट्रिक गतिशीलता पर एक मजबूत ध्यान केंद्रित करता है। पारिस्थितिकी तंत्र। भुगतान सुरक्षा तंत्र द्वारा समर्थित ई-बसों का बड़े पैमाने पर रोलआउट, गतिशीलता क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने और भारत को ईवी विनिर्माण के लिए एक संभावित केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है। 1 लाख करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण कोष की घोषणा से स्वच्छ ऊर्जा नवाचार और अनुसंधान में निजी निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, ब्लू इकोनॉमी 2.0 योजना की शुरुआत करते हुए, बजट जलवायु-लचीली गतिविधियों और तटीय क्षेत्रों में सतत विकास पर केंद्रित है। पुनर्स्थापना, अनुकूलन उपायों को प्राथमिकता देना और एक एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से तटीय जलीय कृषि और समुद्री कृषि का विस्तार करना, यह पहल समग्र पर्यावरण प्रबंधन के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अंतत:, विवादास्पद होते हुए भी, बजट 2030 तक 100 मिलियन मीट्रिक टन की कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण क्षमता स्थापित करने के लिए संसाधनों का आवंटन भी करता है। इस कदम का उद्देश्य प्राकृतिक गैस, मेथनॉल और अमोनिया के आयात को कम करना है, जिससे वैश्विक बदलावों के बीच भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की जा सके। स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर।

इस संबंध में, बजट की हरित पहल की सराहना करते हुए, विशेषज्ञ पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पहल के लिए विस्तारित जनादेश को प्रतिबिंबित करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) को आवंटन में वृद्धि का आग्रह करते हैं। पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ वित्तीय आवंटन के संरेखण को सुनिश्चित करने के लिए मुद्दा-आधारित बजटिंग प्रक्रियाओं के तीसरे स्तंभ के रूप में ग्रीन बजटिंग की वकालत पर जोर दिया गया है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भी राजकोषीय संयम और राजकोषीय समेकन लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए अंतरिम बजट की प्रशंसा की है। छत पर सौर योजना, अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाएं, और विद्युत गतिशीलता पर जोर भारत को सतत विकास में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करता है।

अंतरराष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में भारत की उपलब्धियों की वैश्विक मान्यता, स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। निष्कर्षत:, भारत का अंतरिम बजट 2024 देश की नेट-शून्य अर्थव्यवस्था की खोज में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है। सौर ऊर्जा, अपतटीय पवन क्षमता, टिकाऊ परिवहन और पर्यावरण संरक्षण को शामिल करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण के साथ, बजट एक लचीले और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार भविष्य की नींव रखता है। उल्लिखित पहल न केवल जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भारत को सतत विकास की दिशा में वैश्विक परिवर्तन में एक नेता के रूप में स्थापित करती हैं।

आप की बात

बिखरता विपक्ष

लोकसभा चुनाव भाजपा के खिलाफ एकजुट हो कर लड़ने की विपक्षी कोशिशें ढहती नजर आ रही हैं। विपक्ष लगातार बिखर रहा है। बसपा और बीजू जनता दल जैसी कुछ पार्टियाँ तो पहले ही इंडिया गठबंधन से बाहर थीं, अब ममता, नीतीश, जयंत चौधरी और पंजाब में आप भी विपक्षी गठबंधन से अलग हो चुके हैं। विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपना ही घर नहीं संभाल पा रही है। कद्दावर नेताओं में पार्टी छोड़ने की होड़ मची हुई है। मिलिंद देवड़ा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण के पालाबदल ने उसे करारा झटका दिया है। दूसरी ओर बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए का कुनबा बढ़ता जा रहा है। जदयू और रालोद एनडीए में जुड़ चुके हैं। इसके साथ ही अकाली दल, तेलगू देशम और तमिलनाडु की कई छोटी पार्टियां भी एनडीए जुड़ सकती हैं। ने की संभावना है। विचारधारा विहीन और सिर्फ सत्ता के लिए बने विपक्षी गठबंधन का चुनाव से पहले का यह अंतर्द्वंद 2024 में चुनाव हारने के बाद एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप के रूप में फूटेगा। ऐसे में कांग्रेस और राहुल लाख कोशिश कर लें इंडिया गठबंधन की अवश्यम्भावी असफलता का सेहरा उनके सिर ही बंधेगा। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी होने के साथ ही कांग्रेस गठबंधन की सबसे कमजोर कड़ी भी है।

– **बृजेश माथुर,** गाजियाबाद

मुस्लिम देश में मंदिर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देश में नए भव्य मंदिर का शुभारंभ कर अपने चुंबकीय व्यक्तित्व का प्रभाव दिखा दिया हैं। एक मुस्लिम राष्ट्र में सरकार से भूमि प्राप्त कर विशाल हिंदू मंदिर बनाना अकल्पनीय माना जाता था। वैसे संयुक्त अरब अमीरात-यूएई के शाशक अनेक अन्य मुस्लिम देशों की तुलना में ज्यादा उदारवादी हैं। लेकिन इसके बावजूद स्वामीनारायण संप्रदाय द्वारा वहां मंदिर की स्थापना आसान काम नहीं था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इस मंदिर को हिंदू धर्म की व्यापकता, सर्व-स्वीकार्यता तथा विश्व बंधुत्व का प्रतीक बताते हुए इसे हिंदू-मुस्लिम सद्भावना का भी प्रतीक बताया। उन्होंने इस अवसर पर अयोध्या में जन्मस्थान पर बने भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की याद दिलाते हुए कहा कि स्वामीनारायण मंदिर के शुभारंभ से यह आनन्द दो गुना हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दस साल में इस खाड़ी देश की 7 बार यात्रा की है और इन यात्राओं से द्विपक्षीय संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। भारत-यूएई संबंधों तथा वहां भव्य मंदिर बनने से अन्य इस्लामी देशों में भी हिंदू धर्म के प्रति समझदारी, सद्भावना और प्रेम बढ़ेगा।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

जापान में मंदी

जापान समेत दुनिया के तमाम आर्थिक विषेशज्ञों ने मान लिया है की कुछ समय पहले तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था वाला जापान अब पूरी तरह तकनीकी रूप से मंदी का गिरफ्त में आ चूका है। पिछली तिमाही में 3.3 प्रतिशत गिरावट के बाद जापान की जीडीपी में वार्षिक आधार पर 0.4 प्रतिशत गिरावट आई है। कुछ विश्लेषक चालू तिमाही में एक और संकुचन की चेतावनी दे रहे हैं। चीन में कमजोर मांग, सुस्त खपत और टोयोटा मोटर कॉर्प की एक इकाई में उत्पादन रुकने से आर्थिक चुनौती के नए संकेत मिलने लगे हैं। जापान में मंदी के कारण चौथे स्थान पर रहने वाला जर्मनी अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन जर्मन अर्थव्यवस्था भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकता है । ऐसे में उसका तीसरे पायदान पर बने रहना कठिन हो सकता है। जापान को यह झटका केवल मांग और घरेलू निवेश में कमी के कारण ही नहीं लगा है, बल्कि वहां आबादी में लगातार आ रही गिरावट भी इसका एक प्रमुख वजह है। जापान अब वृद्धों का देश बनता जा रहा है और कामकाजी युवा जनसंख्या घट रही है। इसी कारण जापान ने आप्रवास नीति सरल कर विदेशों से कुशल श्रमिकों तथा अनेक क्षेत्रों के विशेषज्ञों को बुलाना शुरू कर दिया है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

मातृभाषा का महत्व

बच्चे प्रारंभिक अक्षर ज्ञान से लेकर ज्यादातर शिक्षा अपनी स्थानीय भाषा या मातृभाषा में करते हैं। सीखने में मातृभाषा का महत्व देखते हुए अब हमारे देश में डॉक्टर और इंजीनियर की पढ़ाई भी हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से संभव बनाई जा रही है। बच्चे तो कच्ची मिट्टी का घड़ा होते हैं। उन्हें हम जैसा ढालेंगे वह वैसे ही बन जाएंगे। बच्चों को मातृभाषा या स्थानीय भाषा में बातचीत व पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अब प्ले स्कूल से ही बच्चों की पढ़ाई शुरू हो जाती हैं। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेकर शुद्धतम रूप से हर भाषा को सिखाया जा सकता है। अब मोबाइल में आप जिस भाषा में भी बोलें, सुनने वाला उसे अपनी भाषा में सुन सकेगा। भारत सरकार का भाषिणी व अन्य साफ्टवेयर इसे अंजाम दे रहे हैं। इससे विश्व स्तर पर हर जगह हर भाषा बोलने वाले अपनी भाषा में दूसरी भाषा बोलने वालों से संवाद कर सकते हैं। ऐसे में अब उच्च स्तर तक सारी पढ़ाई उच्च स्तर तक मातृभाषा में होनी चाहिए और किसी बच्चे पर जबरन अंग्रेजी थोपने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अरण्य संस्कृति में छिपा है ग्लोबल वार्मिंग का समाधान: योगी

● भड़काने वाले हुए बेनकाब जय हिन्द बोलकर खुशी जाहिर करते हैं पूर्वोत्तर राज्यों के लोग

संवाददाता। मोहनलालगंज

बिन्दौवा के सेवा समर्पण संस्थान पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एकलव्य वनवासी छात्रावास का लोकार्पण कर वनवासी समाज के बच्चों के लिए मुफ्त तालीम हासिल करने की राह आसान कर दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सारंग धनुर्विद्या प्रशिक्षण केन्द्र का शिलान्यास कर हर वर्ग के बच्चों को अरण्य संस्कृति से जुड़कर धनुर्विद्या हासिल करने का सुनहरा अवसर भी उपलब्ध कराया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए वनवासी समुदाय के 70 बच्चों के लिए कराए गए छात्रावास निर्माण और प्रस्तावित सारंग धनुर्विद्या प्रशिक्षण केन्द्र को सीएसआर फण्ड का सबसे बेहतर उपयोग करार दिया। उन्होने कहा धनुर्विद्या प्रशिक्षण केन्द्र के जरिए राजधानी में हर वर्ग के बच्चों को इसका फायदा मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने ग्लोबल वार्मिंग अतिवृष्टि व सूखा समेत विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए वनवासी समाज की अरण्य संस्कृति के संरक्षण को बेहद जरुरी बताया। उन्होने कहा वन और वन्यजीव संरक्षण के जरिए वनवासी समाज प्राचीन काल से ही वैश्विक स्तर पर अपनी महत्ता सिद्ध करता आ रहा है। जनजातीय समुदाय के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केन्द्र व प्रदेश की सरकार जनजातीय परम्परा को पुनर्जीवित करने की तमाम योजनाओं को अमलीजामा पहना रही है। सरकार की योजनाओं में वनवासी समाज को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश नगालैण्ड मणिपुर व मेघालय में आरएसएस के स्वयं सेवक लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाकर जोड़ने का काम कर रहे हैं। जिससे दशकों से लोगों को भड़काने वाले उनके बीच बेनकाब हो चुके हैं। पूर्वोत्तर के लोग अब जय हिन्द बोलकर खुशी जाहिर करते हैं। इस मौके पर केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मेक इन इण्डिया कार्यक्रम में वनवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हर स्तर पर कार्यरत और हर वर्ग के लोगों से जिम्मेदारी निभाने की अपील की।

भारत माता के जयघोष से सीएम का स्वागत

मोहनलालगंज के बिन्दौवा पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लोगों ने खड़े होकर जय श्रीराम और भारत माता के जयकारे लगाकर जोरदार स्वागत किया। लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम से लेकर सीएम के वापस लौटने तक परिसर में योगी.मोदी जिन्दाबाद के नारे लगते रहे। खासतौर पर अयोध्या में राममंदिर के निर्माण को लेकर गदगद लोग मुख्यमंत्री का आभार और खुशी प्रकट करते रहे।

तीसरी बार सीएम को अपने बीच पाकर गदगद हो उठे लोग

मोहनलालगंज के बिन्दौवा गांव के लोग तीसरी बार प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बेहद गदगद नजर आए। इसकी शुरुआत अस्सी के दशक में तत्कालीन मुख्यमंत्री एनडी तिवारी से हुई थी। जिन्होने बिन्दौवा आकर गांधी वन की सौगात दी थी। बतौर मुख्यमंत्री अपने पहले कार्यकाल में मायावती ने भी बिन्दौवा आकर आम्बेडकर ग्राम समग्र विकास योजना का तोहफा दिया था। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपने बीच पाकर बिन्दौवा के लोग बेहद प्रसन्न नजर आए। नगर पंचायत और सारंग धनुर्विद्या प्रशिक्षण केन्द्र की सौगात पाकर बिन्दौवा के लोग सीएम का आभार प्रकट करते नजर आए।

गरीबों को कोई नहीं उजाड़ पाएगा, हर पात्र को देंगे पक्का मकान: मुख्यमंत्री

● जनता दर्शन में योगी ने सुनीं जनसमस्याएं, अफसरों को संतोषजनक हल देने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनकी सरकार के रहते कोई भी गरीबों को उजाड़ नहीं पाएगा। किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई तय है। गरीबों की जमीन तो बचाई ही जाएगी, साथ ही जिन जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

योगी गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उक्त बातों पर अमल करने को लेकर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित भी किया। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वालेए कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शो न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। सीएम योगी ने कहा कि राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। साथ ही जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों को कड़ा कानूनी सबक सिखाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग, माफिया, अपराधी किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

सीएम ने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

काशी में 15 हजार करोड़ से अधिक का होगा निवेश

लखनऊ /वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की मुहिम में काशी भी अग्रणी भूमिका निभाती दिख रही है। वाराणसी में 124 निवेशक 15 हजार करोड़ से अधिक के निवेश के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-4.0 में शामिल होंगे। इस निवेश से वाराणसी में 43 हजार से अधिक लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा। योगी सरकार उत्तर प्रदेश को ब्रांड यूपी के रूप में विकसित कर रही है। प्रधानमंत्री 19 फरवरी को लखनऊ में जीबीसी का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर जनपद स्तर पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार के बुलडोजर ने अब पूर्वांचल में उद्योगपतियों को नई राह दिखाई है। उपायुक्त उद्योग वाराणसी मोहन कुमार शर्मा ने बताया कि वाराणसी में 10 करोड़ से अधिक के 81 निवेशक हैं। यह 14904.08 करोड़ का निवेश करने के लिए जीबीसी 4.0 में लखनऊ में शामिल होंगे। इस निवेश से 42 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। शर्मा ने बताया कि 10 करोड़ से कम के 43 निवेशक 148.23 करोड़ के निवेश के लिए जिले स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में शमिल होंगे। इससे उद्योग में करीब डेढ़ हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। वाराणसी के लिए एमओयू करने वाले निवेशकों में से कुल 15052.31 करोड़ के निवेश के लिए 124 निवेशक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का हिस्सा बनेंगे। पूर्वांचल में नए उद्योगों के स्थापित होने से अब युवाओं को घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि बड़ी तादाद में लोगों को घर के पास ही नौकरियां मिलेंगी।

शहर की सफाई व्यवस्था में जंग लगी गाड़ियां नहीं दिखनी चाहिए: मंडलायुक्त

लखनऊ। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत मंडलायुक्त की अध्यक्षता में शहर में किये जा रहे तैयारियों व सजा.सज्जा कार्यों में बैठक की गयी। मंडलायुक्त द्वारा शहर को लाइटिंग की एकरूपता के साथ साज-सच्चा का कार्य कराने के निर्देश दिए गए। वहीं, मंडलायुक्त द्वारा निर्देश दिए गए कि साफ सफ ई व्यवस्था उच्च कोटि की होनी चाहिये व सड़कों पर नगर निगम की जंग लगी गाड़ियां व हत्थू ठेले एक भी नहीं दिखनी चाहिए। गुरुवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के तहत शहर में किये जा रहे तैयारियों व सजा.सज्जा कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन लखनऊ विकास प्राधिकरण के मसऊद हाल सभागार में की गई। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पेड़ों पर फसाड लाइट अच्छी संख्या में लगाये व स्पालर लाइट संबंधित स्थानो पर टाइट बंधा रहना चाहिए। शहर को लाइटिंग की एकरूपता के साथ, साज.सच्चा का कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिससे शहर की सुंदरता निखर कर सामने आए। उन्होंने कहा कि स्मारक समिति के पत्थरों की कटर पॉलिशग व हॉर्टिकल्चर कार्य अच्छे से कराया जाए। जी-20 रोड पर टूटे हुए रिटर्निंग वाल तत्काल सही कर लिया जाए। संबंधित सड़कों की रेकी एक बार दोबारा संबंधित संस्थाओ द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हजरतगंज और हेरिटेज एरिया के संपूर्ण क्षेत्र में अवैध होल्डिंग्स और अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाया जाये।

सीएम प्रमोद सावंत सहित गोवा की कैबिनेट ने किया रामलला का दर्शन

● सहजता से कराया गया दर्शन सुरक्षा व्यवस्था रही चुस्त-दुरुस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/अयोध्या

राम मन्दिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद से अयोध्या में लगातार श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है। देश विदेश से रामभक्त रामलला का दर्शन पूजन करने चले आ रहे हैं। दर्शन के क्रम में विभिन्न राज्यों की पूरी कैबिनेट भी रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रही है। इससे पहले यूपी व अरुणाचल प्रदेश की कैबिनेट भी रामलला का दर्शन कर चुकी है।

इसी क्रम में गुरुवार को गोवा सरकार की कैबिनेट सीएम प्रमोद सावंत के नेतृत्व में रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंची। इस दल में कुल 51 सदस्य शामिल रहे। गोवा कैबिनेट के सभी मंत्री व विधायक राजर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोवा प्रदेश से आए अतिथियों की सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में वे दो बार कारसेवा कर चुके हैं। उनके साथ केन्द्रीय मंत्री भी साथ रहे। उन्होंने कहा कि आज पूरी कैबिनेट के साथ अयोध्या आया हूं यह मेरा सौभाग्य है। उन्होंने कहा यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन 22 जनवरी को पूरे गोवा के गांव अयोध्या बन चुके थे। पूरा प्रदेश राममय था। सीएम प्रमोद सावंत ने कहा राम मंदिर बनने की वजह से हम लोग अयोध्या आ पाए हैं। इसके लिए पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम योगी और राम मंदिर ट्रस्ट का बहुत आभार व्यक्त करता हूं। सीएम ने कहा कि गोवा को मुख्यमंत्री दर्शन योजना के तहत अयोध्या से जोड़ा जाएगा, जिससे वहां के लोग रामलला का दर्शन आसानी के साथ कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने यदि भूमि दी तो वह अयोध्या में गोवा का भवन जरूर बनना चाहेंगे। कहा अब तो यहां आना-जाना लगा ही रहेगा। ऐसे में यहां गोवा भवन बनना आवश्यक हैं। एयरपोर्ट पर योगी सरकार के मंत्री सतीश शर्मा, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने गोवा के मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों व विधायकों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद सभी लोगों ने अयोध्या पहुंच कर रामलला का दर्शन पूजन किया। सभी लोग रामलला का दर्शन कर काफी खुश व उत्साहित दिखे। जय श्रीराम के नारों से मंदिर गूंज उठा। मंदिर ट्रस्ट की ओर से सभी लोगों को प्रसाद दिया गया।

लखपति दीदी के लक्ष्यों को पूर्ण करने को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग के बजट का समय से सदुपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जाए। लगातार समीक्षा व अनुश्रवण किया जाए। विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किए जाएं और प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कहा कि विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए। निर्देश दिए कि ग्राम्य विकास विभाग के सभी कर्मियोंए समूहों व लाभार्थियों को नमो ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाए।

ग्राम्य विकास विभाग की उपलब्धियों को हाइलाइट किया जाए। केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को अपने कैम्प कार्यालय पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि लखपति दीदी के लक्ष्यों को पूर्ण करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके ठोस रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। समूहों को प्रोत्साहित किया जाए। देश में 2 करोड़ लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य को तीन करोड़ कर दिया गया है, इस प्रकार उत्तर प्रदेश का लक्ष्य बढ़ना स्वाभाविक है, इसलिए भी उत्तर प्रदेश को भी लखपति दीदी बनाने की रफ्तार बढ़ानी होगी। ग्राम्य विकास विभाग की वेबसाइट पर सूचनाएं अपडेट रखी जाएं। ग्राम्य विकास विभाग की उपलब्धियों को हाइलाइट किया जाए।

देश की आजादी व संविधान बनाने में कांग्रेस नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही: धीरज गुर्जर

● भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 21 को राजधानी आगमन पर स्वागत की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, तैयार की गई रणनीति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत जोड़ो न्याय यात्रा और राहुल गांधी के 21 फरवरी को लखनऊ आगमन की तैयारी को लेकर गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर बैठक हुई। बैठक में न्याय यात्रा के स्वागत/प्रबंध पर विस्तृत चर्चा कर तैयारी को अंतिम रूप दिया गया।

तैयारी बैठक में बोलते हुए राष्ट्रीय सचिव और उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी धीरज गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी पूरे देश में प्रेम की अलख जगा रहे हैं। उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा से पूरे देश का जनमानस में एक उम्मीद जगी है, जिस तरह संविधान को कुचला जा रहा है, उसे बचाने की जिम्मेदारी हम कांग्रेस जनों पर सबसे ज्यादा है क्योंकि इस देश की आजादी और संविधान बनाने में कांग्रेस पार्टी और हमारे नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हम सभी को ज्यादा से ज्यादा साथियों के साथ पहुंचकर राहुल गांधी का भारत जोड़ो न्याय यात्रा का लखनऊ आगमन पर स्वागत करना है और साथ में इस बात का भी ध्यान रखना है की कोई भी अति आवश्यक और इमरजेंसी मरीजों को हमारी वजह से समस्या न पहुंचे। बैठक में पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने सभी कार्यकर्ताओं से भारत जोड़ो न्याय यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने की अपील की। प्रदेश उपाध्यक्ष और लखनऊ मंडल के प्रभारी शरद मिश्रा ने संगठन के सभी कार्यकर्ताओं, नेताओं से अपील की कि सभी लोग राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का स्वागत करने को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को संपर्क कर साथ में लाना सुनिश्चित करें।

सोनिया गांधी ने पत्र लिखकर रायबरेली वासियों को बताया अपना परिवार

● कहा, रायबरेली से हमारे परिवार की जड़ें बहुत गहरी, आज जो कुछ हूं आपकी बदौलत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रायबरेली के निवासियों के लिए पत्र लिखकर उनका आभार जताया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लिखे भावुक पत्र में गांधी परिवार और रायबरेली के संबंधों की जड़ों को बहुत गहरा बताते हुए अपने मन और प्राण को हमेशा रायबरेली निवासियों के पास होने की बात कही। सोनिया गांधी ने यह पत्र तब लिखा है जब वह इस बार लोकसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा कर चुकी हैं और राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन कर चुकी हैं।

पार्टी प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने जानकारी देते हुए बताया की सोनिया गांधी ने पत्र के माध्यम से रायबरेली के स्नेही परिवार जन को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है, वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर ही पूरा होता है, यह नेह-नाता बहुत पुराना है और अपनी ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह मिला है। गांधी ने पत्र में लिखा है कि रायबरेली के साथ हमारे परिवार के रिश्तों की जड़ें बहुत गहरी हैं आजादी के बाद पहले लोकसभा चुनाव में मेरे ससुर फिरोज गांधी को यहां से जिताकर कर दिल्ली भेजा। उनके बाद मेरी सास इंदिरा गांधी को आपने अपना बना लिया, तब से अब तक यह सिलसिला जिंदगी के उतार चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार और जोश के साथ आगे बढ़ता गया और इस पर हमारी आस्था मजबूत होती चली गई। इसी रोशन रास्ते पर आपने मुझे भी चलने की जगह दी। सास और जीवनसाथी को हमेशा के लिए खोकर मैं आपके पास आई और आपने अपना आंचल मेरे लिए फैला दिया, पिछले दो चुनाव में विषम परिस्थितियों में भी आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे मैं यह कभी नहीं भूल सकती, यह कहते हुए मुझे गर्व है कि आज मैं जो कुछ भी हूं आपकी बदौलत हूं और मैंने इस भरोसे को निभाने की हरदम कोशिश की है। प्रवक्ता ने बताया कि सोनिया गांधी ने अपने स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए अगला लोकसभा चुनाव न लड़ने का भी पत्र में जिक्र किया है, और कहा है की लोकसभा चुनाव न लड़ने के निर्णय के बाद मुझे आपकी सीधी सेवा का अवसर भले ही न मिले लेकिन यह तय है कि मेरा मन और प्राण हमेशा आपके पास रहेगा।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान उद्योगों के सीएसआर प्रमुखों से संवाद स्थापित करेगी सरकार

● 6 विभागों के जरिए समाज के लिए किये जा रहे उद्योगों के उत्कृष्ट प्रयासों का भी होगा प्रस्तुतिकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ की निवेश परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह 4.0 आगामी 19 से 21 फरवरी तक आयोजित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में प्रदेश में अबतक का सबसे बड़ा निवेश धरातल पर उतरेगा। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के आयोजन के बाद योगी सरकार एक वर्ष की छोटी अवधि में लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश तथा 33.50 लाख रोजगार के अवसरों के साथ 14000 से अधिक परियोजनाओं को लागू करने में सक्षम हो सकी है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है और जिसका उन्होंने कई बार जिक्र भी किया है कि उद्योग जगत को आगे बढ़कर सामाज के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभाना चाहिए। यही वजह है कि तीन दिवसीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के दूसरे दिन योगी सरकार उद्योग जगत के सीएसआर अधिकारियों के साथ इसे लेकर संवाद भी स्थापित करेगी। दअरसल, भारत में कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) संशोधन नियम 2022 के तहत कंपनियों को उनके सामाजिक उत्तरायित्व से जोड़ता है। इसके लिए कंपनियों को मौजूदा वित्तीय वर्ष से पहले के तीन वित्तीय वर्षों से अपने औसत शुद्ध लाभ का कम से कम 2 प्रतिशत सीएसआर के जरिए सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पहल पर खर्च करना होता है। ज्यादातर प्रतिष्ठित कंपनियां सीएसआर के तहत करोड़ों रुपए सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहलों पर खर्च करते हैं। वहीं प्रदेश में शुरू होने जा रहे निवेश के माहौल के साथ ही योगी सरकार कंपनियों से कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत सामाजिक कार्य करने के लिए भी कंपनियों को प्रोत्साहित करेगी। इसे लेकर मुख्यमंत्री के निर्देश पर सरकार के बड़े अधिकारी कंपनियों के सीएसआर प्रमुखों के साथ संवाद करेंगे। कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीश् संगोष्ठी का आयोजन 20 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के दौरान किया जाएगा। इसकी पूरी रूपरेखा योगी सरकार के विभिन्न विभागों और जीबीसी में सक्रिय प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के सीएसआर प्रमुखों के बीच सहयोग स्थापित करने के लिए तैयार की गई है। संगोष्ठी के दौरान कॉर्पोरेट्स के सीएसआर प्रमुखों के साथ सीधे संवाद स्थापित किया जाएगा। इससे उन्हें संबंधित विभागों द्वारा किए गए प्रभावशाली कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने और परमार्थ के कार्यों का समर्थन करने के लिए धन प्रदान करने पर विचार करने का अवसर दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार के 6 विभागए जिसमें महिला एवं बाल विकास, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, दुग्धशाला विकास विभाग और खेल विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश में सीएसआर से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट्स से अवगत कराएंगे। साथ ही सीएसआर उद्देश्यों के अनुरूप सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों से भी कॉर्पोरेट्स को परिचित कराएंगे।

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल होने राजधानी आ रहे मेहमानों को होगा फील गुड

● लामार्ट विद्यालय में होंगे तीन अस्थाई हैलीपैड सेतुओं और डिवाइडर का हो रहा सुंदरीकरण

आयोजन स्थल तक जाने वाले सभी मार्गों को किया जा रहा सुदृढ़

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी लखनऊ में आगामी 19 फरवरी से आयोजित होने वाले तीन दिवसीय ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में शामिल होने आ रहे मेहमानों को योगी सरकार ने फील गुड कराने की तैयारी शुरू कर दी है। उनके आवागमन को आसान और सुरक्षित बनाने के साथ ही आयोजन स्थल तक जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों को सुदृढ़ किया जा रहा है। सेतुओं, डिवाइडर की रंगाई-पुताई कराई जा रही है, जिससे शहर का सौदर्यीकरण बढ़ेगा और मेहमानों को लखनऊ में सुखद अनुभूति का अहसास होगा। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग,लखनऊ के अधिशासी अभियंता मनीष वर्मा ने बताया कि लामार्ट विद्यालय में तीन अस्थाई हैलीपैडों का निर्माण कराया जा रहा है। आयोजन स्थल इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने के लिए लामार्ट स्कूल से कालिदास चौराहा, 1090 चौराहा, समतामूलक चौराहा व लोहियापथ चौराहा एल-शेप उपरिगामी सेतु पर रंगाई-पुताई, फुटपाथ मरम्मत, डिवाइडर की रंगाई-पुताई सम्बन्धी कार्य चल रहा है तथा मार्ग की साफ-सफाई का भी कार्य प्रगति में है। आवश्यकतानुसार समता मूलक चौराहे से इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने वाले लोहियापथ पर सतह मरम्मत का कार्य कराया जा चुका है। लोहियापथ पर स्थित एल-शेप उपरिगामी सेतु के पश्चात इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान तक डिवाइडर मरम्मत, फुटपाथ मरम्मत तथा मार्ग के मध्य से गुजरने वाले नाले की आवश्यकतानुसार मरम्मत करायी जा रही है तथा नाले को कवर करने हेतु जहां कहीं भी कवर अनुपलब्ध हैं उन्हें प्रीकास्ट कराकर रखे जाने की कार्यवाही की जा रही है तथा वर्तमान में डिवाइडर पेन्टिंग का कार्य कराया जा रहा है। लखनऊ शहर में स्थित हैरीटेज जोन जाने वाले सम्बन्धित मार्गों पर भी आवश्यकतानुसार मरम्मत सम्बन्धी कार्य कराए जा रहे हैं। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे से अवध चौराहा होते हुए इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने वाले मेहमानों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वीआईपी मार्ग पर मरम्मत का कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त लोहियापथ स्थित एल-शेप उपरिगामी सेतु के पश्चात इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने वाले मार्ग तथा शहीदपथ मार्ग द्वारा इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान आने वाले मार्ग पर आवश्यकतानुसार सतह मरम्मत का कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया है।

साध्वी ने सरस मेला का किया उद्घघाटन लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

संवाददाता। फतेहपुर

जनपद में मंडल स्तरीय प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के वाटर शेड घटक एवं सरस मेला ठा. युगराज सिंह महाविद्यालय में सांसद/राज्यमंत्री भारत सरकार साध्वी निरंजन ज्योति ने उद्घघाटन किया। मेले में स्वयं सहायता समूह की महिलाओ द्वारा बनाए गए उत्पादों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित 94 स्टालों का अवलोकन किया और उनके उत्पादों की सरहना की। अतिथियों का सम्मान जिलाधिकारी सी. इंदुमती ने बुके व पौधा देकर हरित स्वागत किया। अतिथियों को उप कृषि निदेशक ने श्री आन्न (मिलेट्स) की टोकरी दी गई।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण/शहरी के लाभार्थियों को चाबी, कौशल विकास मिशन के तहत नियुक्ति पत्र, श्रम विभाग में पति मृत्यपरांत सहायता राशि का डमी चेक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्यापकों को नियुक्ति पत्र, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत टूल किट, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत प्रमाण पत्र, स्वयं सहायता समूह की महिलाओ को डमी चेक, उद्यान विभाग के लाभार्थियों, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, विद्यालयो की छात्राओं द्वारा अच्छे व्यंजन की रेसीपी बनाने के लिए प्रसंसा पत्र, जिला अग्रणी बैंक ऋण के डमी चेक, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के तहत खेत तालाब योजना आदि के 5-5 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सांसद/केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत सरस मेला का आयोजन किया गया है जिससे स्वंय सहायता समूह जुडकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सके। जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में महिलाओं का सम्मान बढा है और आत्मनिर्भर बनाकर जीवन यापन कर रही है। डबल इंजन सरकार की देन है कि महिलाएं चूल्हे से निकलकर चौपाल तक पहुंची है। विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुडकर अपना व्यवसाय कर रही है और आत्मनिर्भर होकर जीविकोपार्जन चला रही है। विधायक खागा कृष्णा पासवान ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में शिक्षा में सुधार के साथ साथ उनको मालिक भी बनाया गया है। विधायक बिन्दकी जय कुमार सिंह जैकी ने स्वयं सहायता समूह महिलाओ के उत्थान के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। विधायक अयाह शाह विकास गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के तहत राष्ट्रपति, राज्यपाल का पद महिला को मिला है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं मेले में नागरिको को धन्यवाद ज्ञापित किया। ब्लॉक प्रमुख भिटौरा अमित सिंह, भाजपा महिला मोर्चा ज्योति प्रवीण, उदय लोधी, नगर पंचायत असोथर अध्यक्ष नीरज सेंगर, आईएफएस एस.के. मुआन गित्ते, अजय साहू, शिवप्रताप सिंह, योगेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

जिला गंगा समिति कानपुर देहात द्वारा करायी गयी भाषण प्रतियोगिता

कानपुर देहात। जिला गंगा समिति कानपुर देहात के तत्वावधान में आज विकास खंड अकबरपुर के ब्राइट एंजेल विद्यालय में नदियों के प्रति जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभागीय वनाधिकारी एके द्विवेदी के निर्देशन में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में क्षेत्रीय वन अधिकारी सर्वेश कुमार सिंह, जिला परियोजना अधिकारी विवेक कुमार सैनी प्रधानाचार्य तृप्ति श्री वास्तव के द्वारा निर्णायक की भूमिका निभाई गई प्रतियोगिता में प्रथम स्थान माही अवस्थी एद्वितीय स्थान मानसी ओमरए तीसरे स्थान पर दिव्या यादव रही।बही सांत्वना पुरस्कार में मानसी देवीएरोही नायक एव खुशी को दिया गया ।कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्रीय वन अधिकारी सर्वेश कुमार के द्वारा सभी प्रतिभाग करने वाले बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। सभी स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को जिला परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति कानपुर देहात व क्षेत्रीय वन अधिकारी सर्वेश कुमार सिंह एव विद्यालय की प्रधानाचार्य तृप्ति श्रीवास्तव के द्वारा प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में मुख्य भूमिका अध्यापक विमल बाजपेयी जी के द्वारा निभाई गयी।

नारकोटिस पदार्थो के अवैध निर्माण, संचरण बिक्री पर लगाया जाय प्रभावी अंकुशः डीएम

लखीमपुर खीरी। नारकोटिस पदार्थो के अवैध निर्माण, संचरण, बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय नार्को को.आर्डिनेशन कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बेहतर ताल.मेल एवं समन्वय के साथ प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए नारकोटिस पदार्थो के अवैध निर्माण, संचरण, बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्राप्त गुप्त सूचनाओं को सभी सम्बन्धित को त्वरित आदान.प्रदान करते हुए प्राप्त सूचना के अनुसार तत्काल प्रभावी प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए नियमानुसार सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाई सुनिश्चित की जाय।

डीएम ने सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि विगत बैठक में दिये गये निर्देशों की अनुपालन आख्या तत्काल उपलब्ध कराएं। डीएम ने कहा कि वनाच्छादित सीमावर्ती क्षेत्रों में एसएसबी व वन विभाग की संयुक्त कार्यवाही निरंतर जारी रखी जाय। औषधि प्रशासन विभाग को निर्देश दिया कि मेडिकल स्टोरों की संघन चेकिंग अभियान संचालित कर नशीली औषधियों की बिक्री पर प्रभावी अंकुश के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाय कि चिकित्सक के परामर्श के अनुसार ही दवाओं की बिक्री की जाय तथा सम्बन्धित मेडिकल स्टोर्स द्वारा उनका विवरण भी रखा जाय। डीएम ने निर्देश दिया कि युवा पीढ़ी विशेषकर छात्र.छात्राओं को नशीले पदार्थों से दूर रखने के लिए बीएसए एवं डीआईओएस से संयुक्त रूप से जनजागरूकता कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर उसे क्रियान्वित भी कराएं। अपराध निरोधक एजेंसीज को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यशाला का निरन्तर आयोजन कर तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

पुलिस लापरवाही से परिजनों मे रोष

मौदहा हमीरपुर। क्षेत्र के पढ़ोरी गांव में बीते वर्ष गायब हुई मासूम बालिका के सम्पूर्ण शव का पुलिस अभी तक पता नहीं लगा सकी है तथा अब थक हार कर हांथ पे हांथ रखकर बैठ गई है। वहीं पुलिस की इस निष्क्रियता से परिजनों के साथ क्षेत्रवासी भी अपने आपको असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। वहीं पुलिस जांच जारी होने की बात कह अपना पल्ला झाड़ रही है।

बीते वर्ष 20 दिसंबर को सायं तीन से चार बजे के मध्य घर के चबूतरे में खेल रही लगभग दो वर्षीय मासूम सृष्टि रहस्यमई तरीके से गायब हो गई थीए इसके बाद परिजनों ने गायब हुई बालिका को काफी तलाशा लेकिन अपने आप को तलाशने में नाकाम देखकर उक्त सूचना डायल 112 तथा चौकी पुलिस को दी जिसके बाद से दो.चार दिन तो पुलिस ने हाथ पैर हिलाए लेकिन यकायक पुलिस को लकवा सा मर गया और जांच करने की बात कह कर पुलिस शांत होने लगी। वहीं बालिका के गायब होने के बाद उसके परिजनों सहित ग्रामीणों को अंदेशा था कि कहीं सृष्टि के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम न दे दिया जाए लेकिन पुलिस ने उक्त मामले को गंभीरता से नहीं लिया और 12 जनवरी 2024 को दोपहर बाद तीन से चार बजे के मध्य गांव की एक आवारा कुतिया मासूम सृष्टि की खोपड़ी तथा हाथ अपने मुंह में दबाकर सृष्टि के बुआ के सामने से गुजरी जिसके बाद से मामला एक बार फिर से प्रकाश में आ गया और पुलिस ने अपनी हरकत शुरु कर दी लेकिन बावजूद इसके भी एक माह गुजर जाने के बाद सृष्टि के बाकी बचे शरीर के अंग पुलिस अभी तक बरामद नहीं कर सकी है। हालांकि जांच के नाम पर पुलिस ने लगभग एक दर्जन ग्रामीणों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की लेकिन सृष्टि के हत्यारों तक पहुंचने में नाकाम रही और अब डीएनए जांच के नाम पर पुलिस हांथ पे हांथ रखे बैठी हुई है। वहीं पुलिस की इस निष्क्रियता के चलते सृष्टि के परिजनों सहित क्षेत्रवासी अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

डीएम ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दिए निर्देश

● कार्यदायी संस्था, गुणवत्ता, मानक का ध्यान रखते हुए निर्धारित अवधि में कार्यों को कराए पूर्णः जिलाधिकारी

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएमआईएस पोर्टल पर प्रदर्शित निर्माण कार्यों की माह जनवरी तक की प्रगति की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। जिलाधिकारी ने सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्यदायी संस्थाओं से प्रतिसप्ताह अद्यतन प्रगति की रिपोर्ट ली जाए। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि वह निर्धारित अवधि में कार्यों को पूर्ण करायेए जो कार्य अंतिम चरण में हैएउस पर अतिरिक्त बल देते हुए शीघ्र पूर्ण लेएजिससे उसका लोकार्पण आने वाले माह में कराया जा सके। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओ को मानक व गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति को भी पीपीटी पर देखा गया। उन्होंने कहा शीघ्र ही मेरे स्वयं के द्वारा अथवा जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन भी कराया जाएगाए सत्यापन के दौरान यदि किसी भी कार्यदायी संस्था द्वारा प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुरूप निर्माण कार्य की प्रगति नहीं पाई जाती हैए तो संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एनए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ए के सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी शीश कुमार समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

नगर में धूमधाम से निकाली गयी कलश यात्रा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर के तिर्वारोड पर श्रीजू महिला मण्डल द्वारा आयोजित श्री रामकथा के प्रथम दिन हवन पूजन के उपरान्त वरिष्ठ समाजसेवी एवं पालिकाध्यक्षा की अगुवाई में नगर के प्राचीन श्री राममंदिर से विशाल कलश यात्रा निकाली गयी। जिसमे श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड पडी। कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई तिर्वारोड स्थित कथा स्थल पर पहुंचकर समाप्त हुई। नगर के तिर्वारोड मे आयोजित श्री रामकथा से पूर्व वैदिक रीति रिवाज से हवन-पूजन कर वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता ने सिर पर रामायण रखकर एवं पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी ने करीब आधा सैकडा से अधिक महिलाओं के साथ सिर पर कलश रखकर विशाल कलश यात्रा श्री राममंदिर से निकाली गई। कलश यात्रा नगर के जीटी रोड से होती हुई वापस तिर्वारोड कथा स्थल पर पहुंची। कथा व्यास ने श्रोतागणों को श्रीराम जन्म की कथा सुनाकर भाव विभोर करते हुये कहा कि ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा व आस्था रखने वाले लोग कभी सदमार्ग से नही भटकते हैं।

क्विक न्यूज

दीक्षांत समारोह में नम आंखों से छात्र-छात्राओं को दी विदाई

फतेहपुर। सांई सिटी इंटर कॉलेज/मां सरस्वती ज्ञान मंदिर सांई विहार जयराम नगर में छात्र-छात्राओं ने फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक रेखा सिंह गौर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित करके किया। जिसमें बच्चों ने कविता पाठ, नृत्य, संगीत, फैशन शो आदि प्रस्तुत किए।स्कूल में बिताए हुए पलों को और अनुभवों को साझा किया। 12 वीं के छात्र-छात्राओं ने अपने गुरुओं का टीका व माल्यार्पण करके आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं विद्यालय के प्रबंधक पवन सिंह गौर ने शत-प्रतिशत उपस्थित रहने वाले बच्चों को मेडल व शील्ड देकर पुरस्कृत किया। सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। साथ ही प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने बोर्ड परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने के तरीकों को साझा किया और अच्छे अंक लाने की कामना की। संचालन कक्षा-11 वीं की छात्राओं एवं अतुल कुमार द्वारा किया गया।

दिव्यांगों के साथ बांटी पूर्व मंत्री के जन्मदिन की खुशियां

गुरसहायगंज (कन्नौज)। पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के जन्मदिवस पर पदाधिकारियों के साथ दिव्यांगो के बीच पहुंचे अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार शर्मा ने केक काटकर व मिष्ठान एवं फल वितरित कर पूर्व मंत्री के जन्मदिन की खुशियां मनाई। पूर्व मंत्री नें पिछडा वर्ग के लिए अनेकों कार्य किये। गुरूवार को पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के जन्मदिवस पर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिलाध्यक्ष अरूण कुमार शर्मा ने पदाधिकारियों के साथ नगर के मोहल्ला अफसरी स्थित लकी हेल्थ डेवलपमेंट एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी में पहुंचकर दिव्यांगो के साथ केक काटकर हर्षोल्लास से मनाया। इसके बाद उन्होनें दिव्यांग बच्चों को मिठाई और फल वितरित किए। सपा सरकार में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रहे राम आसरे विश्वकर्मा नें शर्मा समाज के लिए बच्चों को नौकरियां और रोजगार देने का काम किया था।

बुलेरो की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, पति घायल

फर्रुखाबाद। बीती रात बुलेरो की टक्कर से बाइक सबार महिला और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया । दोनों को सीएचसी में भर्ती किया गया। जहाँ चिकित्सक नें महिला को मृत घोषित कर दिया। कोतवाली कायमगंज के मोहल्ला गंगा दरवाजा निवासी अवधेश कुमार कौशल अपनी 38 वर्षीय पत्नी पिंकी के साथ ससुराल अलीगंज एटा गये थे । बीती रात दोनों वापस घर लौट रहे थे। तभी रेलवे स्टेशन के पास लखपति मिष्ठान भंडार के समीप तेज रफ्तार बुलेरो नें बाइक सबार दम्पति के जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये। उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जांचोपरांत चिकित्सा प्रभारी डॉ. शोभित शाक्य नें पिंकी को मृत घोषित कर दिया।

कंबाइंड मशीन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फर्रुखाबाद । बबलू जनपद बदायू थाना हजरतपुर के ग्राम चकवा निवासी राजेंद्र शाक्य का 30 वर्षीय पुत्र था।बबलू गांव के मुनेंद्र ठाकुर के साथ छोटे भाई धर्मवीर की शादी के कार्ड देने बाइक से कंपिल क्षेत्र जा रहा था जब वह ग्राम इकलहरा के पास से गुजर रहा था उसी समय कंबाइंड मशीन चालक ने बाइक में टक्कर मार दी।मुनेंद्र ने गंभीर रूप से घायल बबलू को कायमगंज पहुंचाया। डा. अमरेंद्र ने बबलू को मृत घोषित कर दिया।

मनदीप यादव सपा के प्रदेश सचिव बनाए गए

फर्रुखाबाद। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला महासचिव मंदीप यादव को प्रदेश सचिव का पद दिया गया है। जिससे मंदीप का सपा में कद बढा है। मो. इलियास के जिला महासचिव बनाये जानें के बाद जिला महासचिव के पद से मंदीप यादव को हटा दिया गया था। लेकिन पार्टी नें जुझारू पदाधिकारी मंदीप यादव को जिला कमेटी की जगह प्रदेश कमेटी में जगह दी है। उन्हें प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी मिली है । जिससे उनके समर्थकों में खुशी है।

दुष्कर्म के बाद युवती के जान देने पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर। दुष्कर्म से आहत होकर युवती के जहर खाकर जान देने के मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की है। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक ने एफआईआर में बताया कि वह अपनी बहन के साथ घर पर रहता था। मजदूरी कर के बहन और अपना भरण पोषण करता था। गांव का रवी हमेशा बहन के साथ छेड़खानी करता था। बहन के बताने पर वह आरोपी के घर जाकर उलाहना दिया तो आरोपी ने गाली गलौज कर भगा दिया।

किसानों को योजनाओं की जानकारी देकर लिया फीड बैक

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के चल रहे ग्राम परिक्रमा अभियान यात्रा असोथर मंडल के ग्राम कौंडर पहुंची, जहां किसानों को योजनाओं की जानकारी देकर फीड बैक लिया। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह की अगुवाई में निकल रही ग्राम परिक्रमा अभियान यात्रा असोथर मंडल के ग्राम कौंडर पहुंची। मंडल उपाध्यक्ष बछराज सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पीके गुप्ता, मंडल सोशल मीडिया प्रभारी विहान सिंह समेत आधा सैकड़ा किसान बंधु रहे। अभियान के जिला सयोजक जयदेव सिंह ने किसानों को केंद्र व राज्य सरकार की चलाई जा रही योजनाएं जैसे किसान सम्मान निधि, समर्थन मूल्य, किसानों की आय दोगुना करने, विद्युत, पेयजल, नलकूप के लिए अलग लाइन, सौर ऊर्जा से सोलर पंप अनुदान, कृषि यंत्र अनुदान समेत सैकड़ों योजनाएं बताई।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियो में जुटा प्रशासन एसडीएम ने कालेज का किया निरीक्षण

संवाददाता। मौदहा हमीरपुर

उत्तर प्रदेश पुलिस बोर्ड की लिखित परीक्षा दिनांक 17 व 18 फरवरी को होना सुनिश्चित है जिसके लिए शासन व प्रशासन ने अपनी तैयारियों को आखिरी रूप देना शुरू कर दिया है तथा बनाए गए परीक्षा केंद्रों का प्रशासन ने निरीक्षण कर विद्यालय स्टाफको आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए हैं।

बताते चलें कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड की लिखित परीक्षा दिनांक 17 व 18 फरवरी को होना शासन की ओर से सुनिश्चित किया गया थाए जिसके अंतर्गत अभ्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्रों की भी सूची जारी की जा चुकी है। बात करें कस्बा मौदहा की तो नगर में एकमात्र कॉलेज रहमानिया इंटर कॉलेज को उत्तर प्रदेश पुलिस बोर्ड नियंत्रण ने परीक्षा केंद्र चयनित किया है। जिसके बाद उप जिलाधिकारी राजेश चंद्र, क्षेत्राधिकारी श्रेयस त्रिपाठी तथा तहसीलदार बलराम गुप्ता ने रहमानिया इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर कॉलेज अध्यापक सहित समस्त स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए है। उपजिलाधिकारी राजेश चंद्र ने बताया कि क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार के साथ पुलिस बोर्ड के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्र रहमानिया इंटर कॉलेज का निरीक्षण किया है। जिसमें कालेज स्टाफको प्रशिक्षण दे रहे ट्रेनर शिवकुमार के साथ भी बातचीत की गई। वहीं कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ रजिया सुल्ताना ने बताया कि उनके कॉलेज में आयोजित दोनों दिनों की दो.दो पालियों मे कुल 2016 अभ्यर्थी 21 कक्षाओं में बैठकर लिखित परीक्षा देंगेए जिसमें उन्हें केंद्र प्रभारी तथा डॉ योगेश ज्ञानी को सह केंद्र प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही परीक्षा को सकुशल संपन्न करवाने के लिए सभी प्रकार की तैयारियों को आखिरी रूप दिया जा रहा है।

योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताः अशोक रावत

संडीला (हरदोई)। लोकसभा मिश्रिख केन्द्रीय चुनाव कार्यालय पर आयोजित लाभार्थी जनसंपर्क अभियान कार्यशाला में बोलते हुए क्षेत्रीय सांसद अशोक रावत ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचकर उन्हें भाजपा के विज़न के लिए तैयार करें। केन्द्रीय चुनाव कार्यालय पर आयोजित इस कार्यशाला में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी सेना है। इन प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा चुनाव हेतु लोगों को प्रेरित करने के लिए व्यापक जन संपर्क अभियान चलाना है, विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक विशेष रूप से पहुंचना है।

संपर्क अभियान में उपस्थित नेतागण

सांसद अशोक रावत ने कहा कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता ही पार्टी की सफ़लता की रीढ़ हैं। अब समय आ गया है कि सभी कार्यकर्ता पूर्ण मनोयोग और लगन से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जुट जाएं। विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक अवश्य जनसंपर्क करें तथा प्रस्तावित योजनाओं के विषय में भी जानकारी दें। विधायक अलका अर्कवंशी ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अपनी शक्ति के अनुसार जनसंपर्क अभियान चलाना है ताकि अबकी आर चार सौ पार कों फलिभूत किया जा सके। भाजपा नगर अध्यक्ष रमन नीतीश जायसवाल जनसंपर्क अभियान के संयाजक, कर्मवीर सिंह चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता विशुन दयाल शुक्ला, लोकसभा सहसंयोजक अतुल कुमार तिवारी, नगर मण्डल महामंत्री अमित कुमार शर्मा, रिषभ खन्ना, अलपना अस्थाना, शक्तिकेन्द्र प्रभारी डॉ. हरिओम तिवारी, युवा मोर्चा संयोजक लोकेश सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष महिलामोर्चा बिंदेश्वरी सिंह, छाया पाण्डेय, विभा सिंह, अम्रेन्द्र अर्कवंशी आदि ने भी अपने विचार रखे।

डीएम ने प्रस्तावित मतगणना स्थल, निर्माणाधीन ड्रग वेयरहाउस, व्यायामशाला का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

● मतगणना के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र कर ली जाए सुनिश्चितः जिलाधिकारी

कानपुर देहात। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत प्रस्तावित मतगणना स्थल अकबरपुर डिग्री कॉलेज का जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतगणना के लिए बने स्ट्रांग रूमए मतगणना स्थल आदि का भौतिक निरीक्षण किया तथा उपस्थित उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि मतगणना के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र सुनिश्चित कर ले। डीएम द्वारा निर्माणाधीन ड्रग वेयरहाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था द्वारा बताया गया कि ड्रग वेयरहाउस का कार्य लगभग 50 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में देरी के लिए नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि मानकए गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित अवधि में कार्यों को पूर्ण कराया जाए।इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था को 3 माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के भी निर्देश दिए। ड्रग वेयरहाउस में ड्रेनेज आदि की प्रॉपर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा स्पोर्ट स्टेडियम माती में निर्माणधीन व्यायामशालाए वेटलिफ्टिंग स्थल का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण में जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यकायी संस्था को निर्देशित कि व्यायामशाला के रिपेयरिंग का काम शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। इस दौरान उन्होंने स्पोर्ट स्टेडियम में हाई मास्क लगाए जाने के भी निर्देश दिये। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एके सिंहएउप जिलाधिकारी अकबरपुर अवनीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

हाईस्कूल व इण्टर की परीक्षाओं को नकलविहीन एवं सुचितापूर्ण करायें संपादितः जिलाधिकारी

कानपुर देहात। वर्ष 2024 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन एवं सुचितापूर्ण सम्पादित कराये जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में तैनात किये गये जोनल मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट मेंसंपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जोनल मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में परीक्षा अवधि में भ्रमणशील रहकर सतत् निरीक्षण करेंगें तथा सुचितापूर्ण, शान्तिपूर्ण परीक्षा सम्पादित कराना सुनिश्चित करेंगें। उन्होंने कहा तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित रहकर समय से प्रश्न.पत्र खुलवाने एवं परिसर के अन्दर परीक्षा अवधि में समस्त परीक्षा कार्य से जुड़े लोगों के मोबाइल को एक ताला बन्द बॉक्स में रखवाना सुनिश्चित करेंगें। केन्द्र व्यवस्थापक, अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक की अनुपस्थिति की दशा में स्टैटिक मजिस्ट्रेट द्वारा सील बन्द चाबियों से खोला जायेगा और परीक्षा तिथि को खोले जाने सम्बन्धी विवरण पंजिका में अंकित किया जायेगा। उन्होंने सभी स्ट्रैटेजिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापकों से कहा कि दी गई निर्देशन पुस्तिका का भली बात अध्ययन कर लेएउसी के अनुरूप कार्यवाही करें। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सभी केंद्र व्यवस्थापकों को बोर्ड द्वारा दिए गए विस्तृत दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। इस मौके पर इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमारए जिला विद्यालय निरीक्षक राम अचल मिश्रा, डिप्टी आरएमओ राघवेंद्र प्रताप सिंह समस्त स्ट्रैटिक मजिस्ट्रेट व परीक्षा केन्द्रों के केंद्र व्यवस्थापक आदि उपस्थित रहे।

एनएटी परीक्षा में सीडीई ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यालयों की उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

बांदा। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के महर्षि बामदेव सभागार में निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत एनएटी परीक्षा 2024 में सीडीई ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यालयों की उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डीएम ने प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने विद्यालय को निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत ए श्रेणी में लायेंए इसके लिए बेहतर शैक्षिक रणनीति तैयार करें। उन्होंने बताया कि जनपद के 1100 विद्यालय निपुण श्रेणी में आये हैं। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार लाकर विद्यालयों को ए श्रेणी में लाने के लिए आगामी मार्चए 2024 में होने वाली परीक्षा में विद्यालयों को निपुण बनायें।

उन्होंने शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए निर्देश दिये कि सी डी एवं ई प्राप्त बच्चों के परिणाम के अनुसार चिन्हित कर उनकी पढाई करायी जाए तथा बच्चों की विद्यालयों में शत-प्रतिशत उपस्थिति रहे। टीचर लर्निंग मैटेरियल का बेहतर रूप से उपयोग करने एवं खेल गतिविधि से पढाई कराये जाने तथा बच्चों के साथ लगावपूर्ण एवं आत्मीय व्यवहार अपनाने के सुझाव दिये।

पीटीएम मीटिंग का नियमित रूप से आयोजन किया जाए तथा बच्चों को ग्रह कार्य करने हेतु अवश्य दिया जाए तथा इसकी नियमित रूप से चेकिंग कर निगरानी की जाए। सप्ताह में दो दिन बुद्धवार एवं शनिवार को बच्चों को पढाये गये कोर्स का रिवीजन अवश्य कराया जाए। शिक्षक डायरी प्रत्येक बच्चे बनायी जाए और प्रथम घण्टा बच्चों के खेल हेतु रखने के साथ उन्हें अनुशासन में रहने की आदत डाली जाए।

प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों के सहयोग से शिक्षा के स्तर में सुधार आया है, इसको और आगे तक ले जाने के लिए सभी अध्यापकों एवं प्रधानाध्यापकों को विशेष ध्यान देते हुए अपने विद्यालय को निपुण बनाने में सभी बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को देखते हुए कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निपुण मिशन के अन्तर्गत बच्चों के कोर्स की तैयारी करायी जाए। इसी के अनुरूप ही अध्यापकों की एसीआर लिखी जायेगी। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से शिक्षकों के द्वारा शिक्षण सम्बन्धी कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पायनियर
नई दिल्ली , शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024

बच्चों से भीख मंगवा कर महिला ने लाखों कमाए

एनएचआरसी ने मप्र सरकार से मांगी रिपोर्ट

भाषा। इंदौर

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्यप्रदेश के इंदौर में 40 वर्षीय महिला द्वारा अपने बच्चों से भीख मंगवाकर कथित तौर पर महज 45 दिन में ढाई लाख रुपए कमाने से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया है। एनएचआरसी ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करके चार हफ्ते के भीतर इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी की बृहस्पतिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अगर संबंधित मीडिया रिपोर्ट की सामग्री सही है, तो यह बच्चों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का मामला है। विज्ञप्ति में कहा गया कि भिक्षावृत्ति को लेकर गिरफ्तार महिला कथित तौर पर बार-बार यही अपराध करने वाली है और यह बात दर्शाती है कि राज्य में संबंधित अधिकारी सतर्क नहीं हैं जिससे छोटे बच्चे अपने परिवार के सदस्यों तक के उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। एनएचआरसी ने बाल भिक्षावृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा, जिस उम्र में छोटे बच्चों को विद्यालय जाना चाहिए और अपनी पढ़ाई और करियर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उस उम्र में वे जीवन जीने के अनैतिक तरीके अपनाने के लिए मजबूर होते हैं। विज्ञप्ति में बताया गया कि एनएचआरसी ने राज्य के मुख्य सचिव से विस्तृत रिपोर्ट तलब करते हुए ताकीद की है कि इस रिपोर्ट में बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए अब तक उठाए गए और आगे उठाए जाने वाले कदमों का ब्योरा भी होना चाहिए। विज्ञप्ति के मुताबिक एनएचआरसी ने राज्य के अधिकारियों को छोटे बच्चों के मामलों में किशोर न्याय अधिनियम के तहत की गई कार्वाई के बारे में सूचित किए जाने का निर्देश भी दिया है। विज्ञप्ति में कहा गया, एनएचआरसी जानना चाहेगा कि क्या भिखारियों की संख्या, उनके खिलाफ की गई कार्वाई और उनके पुनर्वास के लिए उठाए गए कदमों का पता लगाने के लिए राज्य सरकार द्वारा हाल ही में कोई सर्वेक्षण किया गया है? विज्ञप्ति में रेखांकित किया गया है कि भिक्षावृत्ति पर रोक के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई कानून नहीं है, लेकिन राज्य में मध्यप्रदेश भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम 1973 लागू किया गया है। इंदौर को भिक्षुकमुक्त शहर बनाने की दिशा में काम करने वाले संगठन प्रवेश की अध्यक्ष रूपाली जैन का दावा है कि 40 वर्षीय महिला ने महज 45 दिन में भीख मांगकर 2.5 लाख रुपए कमाए और वह अपनी आठ वर्षीय बच्ची बेटी समेत तीन नाबालिग संतानों को भी भिक्षावृत्ति में धकेल चुकी है।

जैन का दावा है कि इंदौर में पेशेवर तौर पर भीख मांगने वाले 150 लोगों के समूह में शामिल महिला के परिवार के पास राजस्थान में जमीन, दो मंजिला मकान और मोटरसाइकिल भी है। उन्होंने कहा कि महिला के पांच बच्चों में से दो बच्चे राजस्थान में हैं और वह तीन बच्चों के साथ इंदौर में भीख मांग रही थी। जैन ने बताया कि अपने परिवार द्वारा भिक्षावृत्ति में धकेले गए इन बच्चों में शामिल आठ साल की लड़की को बाल कल्याण समिति की निगरानी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि महिला के दो बेटे भिक्षावृत्ति उन्मूलन दल को देखकर गायब हो गए जिनकी उम्र नौ वर्ष और 10 वर्ष है।

अभिनेता नीतीश भारद्वाज ने आईएएस अधिकारी पत्नी पर उन्हे बेटियों से नहीं मिलने देने का आरोप लगाया

भोपाल। टेलीविजन धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता नीतीश भारद्वाज ने पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी आईएएस अधिकारी पत्नी ने उनकी दो बेटियों को अगवा कर लिया है और उन्हें उनसे मिलने नहीं दे रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारद्वाज ने बुधवार को भोपाल के पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्रा को लिखित शिकायत सौंपी, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। शिकायत में, अभिनेता ने दावा किया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी के रूप में कार्यरत उनकी पत्नी स्मिता घाटे, जो वर्तमान में भोपाल में तैनात हैं, उन्हें अपनी बेटियों से मिलने नहीं दे रही हैं और उन्होंने पुलिस से सहायता मांगी है। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा, हमें नीतीश भारद्वाज से शिकायत मिली है कि उन्हें अपनी बेटियों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शालिनी दीक्षित को जांच शुरू करने के लिए कहा गया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि भारद्वाज ने शिकायत की कि उनकी पत्नी ने उनकी बेटियों का अपहरण कर लिया है और उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि वे कहां हैं।

पुरी से अयोध्या तक चलेगी विशेष ट्रेन

रेल मंत्री वैष्णव ने की पुरी से अयोध्या तक विशेष ट्रेन सेवा की घोषणा

भुवनेश्वर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को भगवान जगन्नाथ के धाम पुरी से भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या तक ट्रेन सेवा शुरू करने की घोषणा की। वैष्णव ने पुरी में एक सार्वजनिक समारोह में यह घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष जुलाई या अगस्त के दौरान ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी। मंत्री ने कहा कि पुरी जिले में पुरी से कोणार्क तक नई रेलवे लाइन को भी जल्द ही मंजूरी दी जाएगी। वैष्णव ने कहा कि 2014 में ओडिशा को रेलवे क्षेत्र के विकास के लिए बजट में करीब 800 करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन अब बजट को बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है और राज्य में इसका परिणाम दिख रहा है। मंत्री ने दावा किया कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के दौरान प्रति वर्ष केवल 45 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछाई जाती थी जबकि मोदी सरकार के दौरान यह 10 गुना बढ़कर 450 किलोमीटर हो गई है। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओडिशा को देश का विकसित राज्य बनाने की गारंटी है। मोदी जी ओडिशा के युवाओं का भविष्य बेहतर बनाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

अयोध्या में बने राम मंदिर पर स्मारक सिक्का जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर पर एक स्मारक सिक्का जारी किया। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य स्मारक सिक्के भी जारी किए जो महात्मा बुद्ध और एक सींग वाले गैंडे पर हैं। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लि. (एसपीएमसीआईएल) के 19वें स्थापना दिवस समारोह में भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति पर दो धातुओं से बना सिक्का और इसमें एक सींग वाले गैंडे (देश में लुप्तप्राय पशु श्रृंखला का हिस्सा) पर सिक्का जारी किया। बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति पर जारी सिक्का सीमित संस्करण वाला है और इस पर बुद्ध और स्तूप की तस्वीर है। सीतारमण ने पंचतंत्र विषय पर स्मारक टिकट और सिक्के लाने के लिए एसपीएमसीआईएल के प्रयासों की सराहना की। इन्हें भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष-विश्व बैंक द्विपक्षीय बैठकों के दौरान उपहार में दिया था। उन्होंने कहा, हाल ही में आप जिन विषयों को लेकर आ रहे हैं, चाहे वह स्मारक टिकटें हों या सिक्के हों, यह बताता है कि आप दुनियाभर की गतिविधियों से अवगत हैं। आप पर्यावरण और दिव्यांगों के लिए चिंताओं को समझते हैं। साथ ही इसे इतना आकर्षक बनाना चाहते हैं जिसे किसी को उपहार दिया जा सके।

अदालत ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में पूजा-पाठ के खिलाफ दायर याचिका पर 28 को सुनवाई करेगी

वाराणसी। वाराणसी की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को मस्जिद के तहखाने में पूजा-पाठ करने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद समिति की याचिका पर सुनवाई के लिए 28 फरवरी की तारीख तय की है। हिंदू पक्ष के एक वकील ने यह जानकारी दी।

हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि अपर जिला न्यायाधीश ((पंचम) अनिल कुमार की अदालत ने मस्जिद परिसर में तहखाने में पूजा-पाठ की अनुमति देने के आदेश के खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद समिति की याचिका पर सुनवाई की तारीख 28 फरवरी तय की है।

वाराणसी की जिला अदालत ने 31 जनवरी को फैसला सुनाया था कि एक पुजारी ज्ञानवापी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में प्रतिमाओं के सामने प्रार्थना कर सकता है। मस्जिद समिति ने इस फैसले के खिलाफ अदालत का रुख किया था।

ज्ञानवापी मस्जिद समिति ने जिला अदालत के इस फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में भी एक याचिका दायर की थी।

मुस्लिम पक्ष के वकील एस एफ ए नकवी ने बताया कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली संस्था अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई की और अपना फैसला सुरक्षित कर लिया।

व्यास जी के तहखाना में पूजा की अनुमति के खिलाफ अपील पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर मे स्थित व्यास जी के तहखाना मे पूजा अर्चना की अनुमति दिए जाने के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई पूरी कर बृहस्पतिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया।न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने मुस्लिम पक्ष और हिंदू पक्ष की दलीले सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने वाराणसी की अदालत के 31 जनवरी के उस आदेश के खिलाफ यहां अपील की थी जिसमे हिंदुओ को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर मे स्थित व्यास जी के तहखाना मे पूजा अर्चना की अनुमति दी गई थी।

अदालत ने जामनगर के रिलायंस ग्रीन्स में अनंत अंबानी की शादी के खिलाफ याचिका कर दी खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्राणि उद्यान और एक ट्रस्ट को जीजेडआरआरसी में जानवरों का प्रदर्शन करते हुए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह समारोह आयोजित नहीं करने का निर्देश देने की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। ग्रीन्स जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर (जीजेडआरआरसी) एक बड़ा प्राणि उद्यान है जिसे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) द्वारा गुजरात के जामानगर शहर से लगभग 30 किमी दूर मोती खावड़ी गांव में अपने तेल रिफाइनरी परिसर में 280 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। उच्च न्यायालय ने कहा कि त्रिपुरा उच्च न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) एक से तीन मार्च तक होने वाले कार्यक्रमों की निगरानी के लिए अपने किसी सदस्य को नियुक्त कर सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां जानवरों के साथ कोई अमानवीय व्यवहार न हो।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि वर्तमान याचिका पूरी तरह से इस आशंका पर दायर की गई है कि एक मार्च से तीन मार्च तक होने वाले आयोजन के दौरान जानवरों को चोट लग सकती है या उन्हें परेशानी हो सकती है। केवल आशंका के आधार पर इस तरह की याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता है। एक वकील द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि उन्होंने आरआईएल के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के संबंध में एक अखबार में खबर देखी। याचिकाकर्ता-अधिवक्ता राहुल नरूला ने कहा कि खबरों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध शादी के कार्ड के अनुसार, प्री-वेडिंग और शादी के समारोह की तारीखें एक से तीन मार्च तक हैं और स्थान गुजरात के जामनगर में रिलायंस ग्रीन्स है।याचिका में कहा गया है कि आरआईएल का ग्रीन्स जूलॉजिकल, रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर और राधे कृष्ण मंदिर हाथी कल्याण ट्रस्ट पर सीधा नियंत्रण है क्योंकि वे अंबानी के स्वामित्व वाली संपत्ति पर स्थित हैं।

विज्ञान जागरूकता मेले में विद्यार्थियों ने दिखाया जोश

पुरवा। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, भारत सरकार तथा अकबरपुर महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय विज्ञान जागरूकता मेला पुरवा के चंदीगढ़ी स्थित लौह पुरुष सरदार पटेल इण्टर कालेज में चल रहा है जिसमें निबंध क्विज एवं पोस्टर संबंधी विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने बढ-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में आयोजित प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ की ख्यातिलब्ध विज्ञान संचारक एवं पुतुलकला विशेषज्ञ माया मिश्रा का व्याख्यान एवं डेमोंसट्रेशन हुआ जिसमें उन्होंने विज्ञान संचार में लोक माध्यम कठपुतली की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा डेमोंसट्रेशन के द्वारा न्यूटन के नियम एवं मोटे अनाज की उपयोगिता को समझाया। उनके प्रस्तुतिकरण ने समस्त प्रतिभागियों में ऊर्जा का संचार कर दिया। तत्पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे भारतीय विज्ञान लेखक संघ के वरिष्ठ सदस्य एवं विज्ञान संचारक अनूप चतुर्वेदी ने संबोधन के द्वारा तथ्यपरख विज्ञान लेखन एवं विज्ञान संचार से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा बताया कि हमें फेक न्यूज़ से बचना चाहिए। लवली शर्मा फाउंडेशन लखनऊ की विज्ञान संचारक पूजा विरमानी ने विज्ञान लेखन के विभिन्न पशुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया तथा विद्यार्थियों की बीच जाकर प्रश्न उत्तर विधि से उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। विशिष्ट अतिथि रवि अग्रवाल, कंचन जायसवाल ने पोस्टर, मांडल एवं निबंध प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कराया। क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रयागराज के ख्यातिलब्ध विज्ञान संचारक एवं लेखक डॉ. संजय कुमार के निर्देशन में हुआ। उन्नाव जनपद के बाल विज्ञान कांग्रेस समन्वयक अवध किशोर ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की अपील करते हुए कहा कि कभी भी बिना परीक्षण किए अथवा तर्क की कसौटी पर कसे बिना किसी भी बात पर भरोसा न करें। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विकास मिश्रा ने समस्त प्रतिभागियों को निबंध प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता हेतु समस्त आवश्यक सामग्री उपलब्ध करते हुए कहा है कि एक जैसी सुविधाओं में कार्य करने पर मूल्यांकन सटीक होगा एवं सभी नागरिकों को अवसरों की समानता के मूल उद्देश्य का पालन भी होगा। द्वितीय तकनीकी सत्र के पश्चात अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विज्ञान से संबंधित विभिन्न तथ्यों एवं तकनीकियों के प्रति विषय विशेषज्ञों से प्रश्न पूछ कर विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के प्रबंधक राजकिशोर वर्मा, प्रधानाचार्य उत्तम सिंह पटेल सहित विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वकील की सेवा उपभोक्ता कानून के दायरे में नहीं आ सकती, न्यायालय को बताया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को बृहस्पतिवार को बताया गया कि वकील डॉक्टरों और अस्पतालों के विपरीत अपने काम का विज्ञापन नहीं कर सकते ना ही काम मांग सकते, इसलिए उनकी सेवाओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नहीं लाया जा सकता है। वकील और डॉक्टर द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बीच अंतर करते हुए, बार निकायों और अन्य व्यक्तियों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील नरेंद्र हुडा ने न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ को बताया कि सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, एक वकील का कर्तव्य अदालत के प्रति कानून के निष्पादन में उसकी सहायता करना है, न कि अपने मुवक्किल की।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लॉयर्स जैसे बार संगठनों और अन्य लोगों की कुछ याचिकाओं में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के 2007 के फैसले को चुनौती दी गई है, जिसने फैसला सुनाया कि अधिवक्ता और उनकी सेवाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के दायरे में आते हैं।

अदालत ने बुधवार को टिप्पणी की थी कि अगर डॉक्टरों पर खराब सेवा और लापरवाही तथा सेवा में कमी के लिए मुकदमा दायर किया जा सकता है, तो वकीलों पर इसके लिए मुकदमा क्यों नहीं किया जा सकता है। इस पर जवाब देते हुए हुडा ने कहा, किसी डॉक्टर के क्लिनिक को बड़े अस्पताल की तरह एक वाणिज्यिक इकाई के रूप में माना गया है जो अपना विज्ञापन कर सकते हैं। उन पर कोई रोक नहीं है। हुडा ने कहा, हालांकि, वकीलों पर अपने काम का विज्ञापन करने पर रोक है। वे काम नहीं मांग सकते और अधिवक्ता अधिनियम 1961 के तहत अपनी सेवा के पारिश्रमिक के रूप में मुकदमे की संपत्ति में हिस्सा नहीं ले सकते। एनसीडीआरसी के फैसले पर आपत्ति जताते हुए, हुड्डा ने कहा कि 1961 के कानून के तहत लगाए गए प्रतिबंधों के कारण वकील डॉक्टरों या किसी अन्य पेशेवर की तुलना में अलग स्तर पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि पेशेवर कदाचार के लिए, वादी को अदालत का रुख करने के विकल्प के अलावा, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पास शिकायत दर्ज करने के लिए पहले से ही एक उपाय प्रदान किया गया है।

हुडा ने कहा, ऐसा नहीं है कि वकीलों को किसी वादी द्वारा दायर शिकायत के खिलाफ छूट प्राप्त है। नुकसान के संबंध में दीवानी अदालत का रुख किया जा सकता है।

धनशोधन मामले में समीर वानखेड़े को 20 फरवरी तक गिरफ्तार नहीं करेंगे: ईडी ने उच्च न्यायालय से कहा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह धनशोधन मामले मे स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई इकाई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े को 20 फरवरी तक गिरफ्तार नही करेगा। वानखेड़े ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय मे याचिका दायर कर ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामले को रद्द करने और अंतरिम आदेश के जरिए जांच पर रोक लगाने तथा किसी भी दंडात्मक कार्वाई से संरक्षण देने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति पीडी नाइक और न्यायमूर्ति एन. आर. बोरकर की खंडपीठ ने कहा कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को समय का अभाव होने तथा सोमवार (19 फरवरी) को अदालतो के संचालित नही होने के कारण वह मंगलवार (20 फरवरी) तक याचिका पर सुनवाई नही कर पाएगी।

पीठ ने कहा कि मामले की विस्तृत सुनवाई की जरूरत है और ईडी की ओर से पेश वकील संदेश पाटिल से यह बताने को कहा कि क्या एजेंसी तब तक वानखेड़े को गिरफ्तार करने का इरादा रखती है।

पेज 1 का शेष

किसानों...

शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। एसकेएम ने सभी समान विचारधारा वाले किसान संगठनों से राष्ट्रव्यापी भारत बंद में भाग लेने की अपील किया है। दिनभर का विरोध प्रदर्शन सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, 16 फरवरी की हड़ताल के कारण परिवहन, कृषि गतिविधियों, मनरेगा ग्रामीण कार्यों, निजी कार्यालयों, गांव की दुकानों और ग्रामीण औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के संस्थानों में कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। केंद्र सरकार के तीन मंत्रियों के साथ बैठक से पहले, किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि प्रधानमंत्री को किसानों के मुद्दों के समाधान के लिए बातचीत के लिए चंडीगढ़ आ रहे केंद्रीय मंत्रियों से बात करनी चाहिए। वहीं दिल्ली और हरियाणा के बीच दो सीमाओं पर यातायाता के लिए बंद हैं। किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन के तीसरे दिन प्रवेश करने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में संवेदनशील स्थानों पर दंगा-रोधी सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं जबकि हरियाणा के साथ लगने वाली दो सीमाओं टिकरी और सिंघू बॉर्डर पूरी तरह से वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं। सुरक्षा कर्मी गहन तालाशी और छानबीन के बाद ही उत्तर प्रदेश के साथ लगने वाली गाजीपुर सीमा से वाहनों को आवाजाही की अनुमति दी है। किसानों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर लगातार तीसरे दिन सिंघू बॉर्डर यातायात के लिए बंद रहने से कई यात्रियों को अपने छोटे बच्चों के साथ सामान ले जाते हुए कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों को अपने छोटे बच्चों को गोद में पैदल चलकर दिल्ली-हरियाणा सीमा भी पार करनी पड़ी। दिल्ली-हरियाणा सीमा के आसपास के क्षेत्रों में प्रतिबंध मंगलवार को लागू हो गए, जिस दिन मार्च शुरू हुआ था। किसानों को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने से रोकने के लिए बैरिकेड और कंक्रीट के अवरोधक लगाए गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है, हालांकि प्रदर्शनकारी किसानों को हरियाणा पुलिस ने अंबाला के पास पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू सीमा पर रोक दिया है। मध्य दिल्ली में भी पुलिस ने संसद समेत अन्य संवेदनशील स्थानों की ओर जाने वाली कई सड़कों पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं।

इंडिया गुट....

हमारे दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ अनौपचारिक बातचीत पहले से ही जारी है और आगे भी चर्चा की गुंजाइश है। उमर ने कहा,...'मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि इंडिया गठबंधन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बनी हुई है, भले ही गठबंधन के संस्थापक सदस्य दुर्भाग्य से पिछले कुछ हफ्तों में चले गए हैं। हम उनमें से नहीं हैं जो छोड़ देंगे। हम कांग्रेस के साथ अपनी चर्चा जारी रखेंगे और उम्मीद है कि जल्द ही कोई समझौता हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में छह लोकसभा सीटें बारामूला, श्रीनगर, अनंतनाग, जम्मू, उधमपुर और लद्दाख हैं। इनमें से घाटी की तीन सीटें - बारामूला, श्रीनगर, अनंतनाग - नेकां के पास हैं। बाकी तीन भाजपा के पास हैं। उमर ने इन खबरों को 'शरारती और मनगढ़ंत' बताते हुए खारिज कर दिया कि फारूक अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे थे कि नेकां राजग में शामिल होने के खिलाफ नहीं है। उमर ने कहा, ...एक बार जब हम दोस्त बना लेते हैं, तो उस पर कायम रहते हैं...मैं यह स्पष्ट रूप कहना चाहूंगा कि राजग के लिए कोई दरवाजा, कोई खिड़की और यहां तक कि एक दरार भी खुली नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले सप्ताह होने वाली जम्मू-कश्मीर यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, हमें यह भी पता चलेगा कि जम्मू-कश्मीर में कितना विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को एक राष्ट्र, एक चुनाव के अपने सिद्धांत की शुरुआत जम्मू-कश्मीर से करनी चाहिए।

भारतीयों की...

उन्होंने कहा, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह यात्रा भारत और कतर के बीच एक मजबूत, गहरी, व्यापक साझेदारी के लिए एक मंच तैयार करेगी, आधार तैयार करेगी। भारत और कतर के बीच व्यापार एवं ऊर्जा संबंध बढ़ रहे हैं। कतर भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जो भारत के वैश्विक एलएनजी आयात का 48 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों पक्षों को उच्चतम स्तर पर जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

हाशिए पर...

हीटवेव सीज़न के लिए तैयारी बढ़ाने के लिए राज्यों के बीच अनुभव साझा करने के महत्व पर जोर दिया। एनडीएमए के सदस्य और प्रमुख कमल किशोर ने पिछले सीज़न से सीखे गए सबक के आधार पर राज्यों, जिलों और शहरों द्वारा विकसित हीट एक्शन प्लान (एचएपी) में लगातार सुधार करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने न केवल जीवन बचाने पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया, बल्कि लू के प्रतिकूल प्रभावों से आजीविका की सुरक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया, जिसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता है। कार्यशाला को छह विषयगत सत्रों में संरचित किया गया था जिसमें प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, स्वास्थ्य प्रभाव, बुनियादी ढांचे का लचीलापन, क्षेत्र के अनुभव, शहरी ताप द्वीप और ताप कार्य योजना शामिल थे। सीपीआर की रिपोर्ट 'हाउ इज इंडिया एडाप्टिंग टू हीटवेव्स?: एन असेसमेंट ऑफ हीट एक्शन प्लान्स विद इनसाइट्स फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव क्लाइमेट एक्शन' के अनुसार, अधिकांश एचएपी राष्ट्रीय हीटवेव के लिए सीमा का उपयोग करते हैं, जो स्थानीय समुदाय द्वारा अनुभव किए गए खतरों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि 37 एचएपी में से केवल 10 में तापमान सीमा स्थानीयकृत है। केवल दो एचएपी भेद्यता विश्लेषण करते हैं और रिपोर्ट करते हैं (यह पता लगाने के लिए व्यवस्थित अध्ययन कि किसी शहर, जिले या राज्य में सबसे अधिक प्रभावित होने वाले लोग कहां हैं)। आईएमडी के रिकॉर्ड के अनुसार, 2003 और 2022 के बीच, भारत में हीटवेव के संपर्क में आने से लगभग 10,000 लोगों की मौत हो गई है। आईएमडी की यह भी रिपोर्ट है कि 2003-2012 और 2013-2022 के बीच गर्मी की लहरों के कारण होने वाली मौतों में 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक शनिवार से

नई दिल्ली(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक शनिवार को यहां स्थित भारत मंडपम में शुरू होगी, जिसमें देश भर के करीब 11,500 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिनिधियों में देश भर से पार्टी के पदाधिकारी, वर्तमान और पूर्व सांसद, विधायक और निर्वाचित महापौर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इसका एक व्यापक संगठनात्मक एजेंडा होगा। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस और वामपंथी विभिन्न प्रकार की टिप्पणियां करते हैं लेकिन भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो लोकतांत्रिक तरीके से अधिकतम संगठनात्मक कार्य करती है, चाहे वह पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन हो, राष्ट्रीय कार्यकारिणी हो या राज्यों और जिलों में अन्य कार्यक्रम। उन्होंने कहा, यह हमारे डीएनए में है। प्रसाद ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा 17 फरवरी को राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उद्घाटन भाषण देंगे और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के साथ बैठक समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि परिषद की बैठकें साल 2014 और 2019 के आम चुनावों से ठीक पहले आयोजित की गई थीं। प्रसाद ने कहा कि भाजपा ने 2014 में लोकसभा में बहुमत हासिल किया था और पांच साल बाद उससे भी बड़ी जीत हासिल की थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी ने पिछली दो परिषदों की बैठकों में भी अपने विचार रखे थे और अब उन्होंने पार्टी के लिए 370 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य तय किया है जबकि सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए 543 में से 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य तय किया है। प्रसाद ने कहा, इस बार प्रधानमंत्री ने भाजपा के लिए 370 सीट और राजग के लिए 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य रखा है।

भाजपा के नंद किशोर यादव निर्विरोध बने बिहार विधानसभा के अध्यक्ष

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव बृहस्पतिवार को निर्विरोध बिहार विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव नए अध्यक्ष को आसन तक ले गए। कुमार ने नंद किशोर यादव को बधाई देते हुए कहा, आप (अध्यक्ष) एक अनुभवी नेता हैं। मैं आपको निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं। सभी विधायकों ने आपको समर्थन दिया है। मुझे यकीन है कि आप सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को सुनेंगे। तेजस्वी यादव ने उम्मीद जताई कि नए अध्यक्ष विपक्ष की बात भी सुनेंगे। उन्होंने कहा, आप बहुत वरिष्ठ नेता हैं और मुझे यकीन है कि आप निष्पक्ष रहकर विपक्ष की बात भी सुनेंगे।

उपमुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी नंद किशोर यादव को बधाई दी। चौधरी ने कहा, आप हमारे वरिष्ठ नेता हैं और गुरु गोविंद सिंह जी की भूमि से संबंध रखते हैं। इसके लिए हम सभी अपने केंद्रीय नेतृत्व के आभारी हैं।

पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र से सात बार विधायक रहे नंदकिशोर यादव ने अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अवध बिहारी चौधरी के अध्यक्ष पद से हटने के बाद नामांकन दाखिल किया था। चौधरी को मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव के बाद पद छोड़ना पड़ा था। चौधरी के पद से हटने के बाद उपाध्यक्ष और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता महेश्वर हजारी सदन की कार्यवाही का संचालन कर रहे थे।

संगठित क्षेत्र में बढ़ी नौकरियां ईएसआईसी से दिसंबर में 18.86 लाख नए सदस्य जुड़े

नई दिल्ली। संगठित क्षेत्र में खासकर युवाओं के लिए नौकरियां बढ़ी हैं। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने दिसंबर में 18.86 लाख नए सदस्य जोड़े। नियमित वेतनमान पर रखे जाने वाले कर्मचारियों (पेरोल) के बृहस्पतिवार को जारी अस्थाई आंकड़ों से यह जानकारी मिली। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि दिसंबर में लगभग 23,347 नए प्रतिष्ठान पंजीकृत किए गए और उन्हें ईएसआईसी की सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया। आंकड़ों से पता चलता है कि आलोच्य महीने में युवाओं के लिए अधिक नौकरियां सृजित हुईं। सामाजिक सुरक्षा योजना के दायरे में आए कुल 18.86 लाख कर्मचारियों में से 8.83 लाख यानी 47 प्रतिशत 25 वर्ष की आयु के हैं। दिसंबर, 2023 में महिला सदस्यों का शुद्ध पंजीकरण 3.59 लाख रहा। इससे यह भी पता चलता है कि ईएसआईसी समाज के हर वर्ग तक अपना लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

गांधीनगर में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा राज्यसभा के लिए अपना नामिनेशन करते हुए। साथ में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल।

बिहार सरकार संविदा शिक्षकों के लिए दक्षता परीक्षा ऑफलाइन पर सहमत

पटना। बिहार में विभिन्न सरकारी विद्यालयों के संविदा शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने बृहस्पतिवार को उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने के लिए दक्षता परीक्षा ऑफलाइन आयोजित करने की उनकी मांग स्वीकार कर ली। बिहार के शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, अब इन संविदा शिक्षकों को दक्षता परीक्षा पास करने के लिए कुल पांच मौके दिए जाएंगे। तीन ऑनलाइन और दो ऑफलाइन। परीक्षा पास करने वालों को ही सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा। परीक्षा पास करना अनिवार्य है।

मंत्री ने कहा, सरकार ने संविदा शिक्षकों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने के लिए ऑफलाइन योग्यता परीक्षा आयोजित करने की मांग भी स्वीकार कर ली है। पहले इस अनिवार्य परीक्षा को ऑफलाइन आयोजित करने का कोई प्रावधान नहीं था... बड़ी संख्या में संविदा पर बहाल शिक्षकों को कंप्यूटर चलाने का ज्ञान नहीं है। इस बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अब उन्हें ऑफलाइन दक्षता परीक्षा के लिए दो और मौका देने का निर्णय लिया गया है। बिहार में लगभग साढ़े तीन लाख संविदा शिक्षक दक्षता परीक्षा पास करने के बाद सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्राप्त करेंगे। शिक्षकों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा पाने के लिए अनिवार्य योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। अब प्रत्एक शिक्षक को दक्षता परीक्षा पास करने के लिए कुल पांच मौके (तीन ऑनलाइन और दो ऑफलाइन) दिए जाएंगे और फिर भी असफल रहे, तो उन्हें सेवा से हटा दिया जाएगा। बिहार में संविदा शिक्षक लंबे समय से बिना किसी शर्त के स्थाई सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। शिक्षक, शिक्षा विभाग की समिति द्वारा की गई अनुशंसा को रद्द करने की भी मांग कर रहे हैं जिसमें तीन बार योग्यता परीक्षा में असफल होने पर शिक्षकों को बर्खास्त करने का प्रावधान शामिल है।

अजित पवार खेमा असली राकांपा : महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष

भाषा। मुंबई

● कहा, दल-बदल रोधी कानून असहमति को दबाने के लिए नहीं

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि उप मुख्यमंत्री अजित पवार नीत राकांपा का गुट असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) है, और संविधान में मौजूद दल-बदल रोधी प्रावधानों का इस्तेमाल आंतरिक असहमति को दबाने के लिए नहीं किया जा सकता। अजित पवार और उनके चाचा शरद पवार द्वारा एक-दूसरे के विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज करते हुए विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने उल्लेख किया कि अजित खेमा ने जब जुलाई 2023 में महाराष्ट्र की शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल होने का फैसला किया था, उस समय पार्टी के 53 में से 41 विधायक उनके साथ थे।

नार्वेकर ने कहा कि इसतरह जब दोनों खेमे उभरे थे उस वक्त अजित खेमा असली राजनीतिक दल था। विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राकांपा-शरदचंद्र पवार पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि यह शिवसेना में अयोग्यता मामले में दिए नार्वेकर के पूर्व के फैसले का ही दोहराव है।

सुले ने अपने पिता की बनाई पार्टी को छीनने को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए बृहस्पतिवार को अदृश्य शक्ति पर निशाना साधा। इससे पहले शाम में, नार्वेकर ने यहां विधानमंडल परिसर में अपने फैसले में कहा, (विधायकों की) अयोग्यता का अनुरोध करने वाली सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

नार्वेकर ने कहा कि पार्टी संस्थापक शरद पवार के फैसलों पर सवाल उठाना या उनकी इच्छा की अवहेलना करना दल-बदल नहीं है बल्कि यह केवल एक आंतरिक असहमति है। उन्होंने कहा कि दल-बदल रोधी प्रावधानों से संबद्ध संविधान की 10वीं अनुसूची का इस मामले में दुरूपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि किसी पार्टी का नेतृत्व बड़ी संख्या में सदस्यों को अयोग्य करार दिए जाने की धमकी देकर उनकी असहमति की आवाज दबाने के लिए 10वीं अनुसूची का इस्तेमाल नहीं कर सकता। फैसले में कहा गया है कि राकांपा में (जुलाई 2023 में) हुआ घटनाक्रम स्पष्ट रूप से पार्टी की अंदरूनी असहमति थी। पिछले हफ्ते, अजित पवार नीत पार्टी को असली राकांपा करार देने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले के बाद नार्वेकर का यह निर्णय आया है।

सुले ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, आप नार्वेकर से क्या उम्मीद कर सकते हैं? उनका निर्णय हास्यास्पद है और उन्होंने शिवसेना के मामले में जो किया, उसी का यह कॉपी-पेस्ट है, जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुटों ने अयोग्यता याचिकाएं दायर की थीं। उन्होंने कहा, एक अदृश्य शक्ति राज्य आधारित दो महत्वपूर्ण दलों- शिवसेना और राकांपा को खत्म करने के लिए सक्रिय रूप से कोशिश कर रही है।

राकांपा संस्थापक की बेटी सुले ने संवाददाताओं से कहा, हम इतने भोले भी नहीं हैं (कि एक अलग परिणाम की उम्मीद करें)। पूरे देश को नियमों, कानूनों और संवैधानिक मानदंडों को दरकिनार कर चलाया जा रहा है। शिव सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने स्पीकर के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, जिन लोगों ने राकांपा का गठन किया था, उनका अब इससे कोई लेना-देना नहीं है। जो लोग पार्टी छोड़कर भाग गए, वे नए (पार्टी) प्रमुख हैं। ऐसा ही फैसला शिवसेना के मामले में भी किया गया। स्पीकर को एक न्यायाधिकरण के रूप में काम करना चाहिए था, लेकिन यह फैसला अप्रत्याशित नहीं है।

गुजरात में दो समूहों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत, 30 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

हिम्मतनगर। गुजरात के साबरकांठा जिले के प्रांतिज शहर में दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार रात खोडियार कुवा इलाके में हुई। पुलिस अधीक्षक विजय पटेल ने कहा, मयूर भोई और इमरान कादरी नाम के दो व्यक्तियों के बीच पैसों को लेकर हुए झगड़े के बाद झड़प हुई। इसके बाद दोनों समुदायों के सदस्यों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया जिसमें राजू भोई नामक व्यक्ति की मौत हो गई। राजू के बेटे विपिन ने अपनी शिकायत में कहा कि उनके पिता को भीड़ ने उनके घर से बाहर खींच लिया और फिर धातु के पाइप से पीट-पीटकर मार डाला।

राजू ने भीड़ से शांति बनाए रखने और उसके घर के पास अभद्र भाषा का प्रयोग न करने के लिए कहा था। पुलिस अधिकारी ने कहा, राजू की हत्या के आरोप में 30 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है जिसमें से 17 लोगों की पहचान कर ली गई है। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी घटनास्थल पर मौजूद है।

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I Satyavir Singh Gahlot S/o Bhagwan Singh Gahlot R/o Flat No. 200, Third Floor, Pkt-B, Sector-13, Dwarka, purchase of flat No. 200 Pkt -B, Sector-13, in the area of Dwarka has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold vide application No. Nil, in DDA. The original document i.e. Allotment letter of the above that has been lost. An FIR to this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi.

Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/phone No 9212213997 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy Director (LAB) H or Director (H)-1, D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

सार्वजनिक सूचना

हमारे मुवक्किल श्री सजय गांधी और श्री सतीश गांधी दोनों पुत्र श्री पभु दयाल गांधी निवासी मकान नंबर 1512, सेक्टर-28, सेक्टर 29, फरीदाबाद, हरियाणा ("बंधककर्ता") की ओर से आम जनता को सूचित किया है, कि वह उक्त संपत्ति का पूर्ण मालिक है कुंज बिहारी (1/4 शेयर), दर्शन शर्मा (1/16 शेयर), धीरज शर्मा (1/16 शेयर), बिंदिया शर्मा (1/16 शेयर), मोहित शर्मा (1/16 शेयर) ने दुकान नंबर 1,2,3 में उनके संबंधित शेयरों के एरिया परिमाप 7844.619 वर्ग फीट, दस्तावेज सं. 8281, दिनांक 01.02.2018, एसआरओ-फरीदाबाद में विधिवत पंजीकृत, के द्वारा श्री बोध राज और श्री भीम सैन शर्मा के पक्ष निष्पादित त्याग विलेख दिनांक 01.02.2018 के माध्यम से श्री बोध राज और श्री भीम सैन उक्त संपत्ति का मालिक था

बंधककर्ता ने अनुसूची संपत्ति को चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, द्वितीय तल 6वीं पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली के पास गिरवी रख दिया है यदि कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति को गिरवी रखने के लिए कोई आपत्ति करता है तो कृपया प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर दस्तावेजी प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति दर्ज कर सकता है

संपत्ति की अनुसूची

संपत्ति एमसी नंबर 86 क्षेत्रफल 9 बिस्वा वार्ड नंबर 9 में, खसरा नंबर 579 के दुकान नंबर 1 क्षेत्रफल 70.91 वर्ग गज जिसका कुल कवर एरिया 1278 वर्ग फीट (संपत्ति आईडी 1बीटी 6वीएनयू3) है जो बारा मोहल्ला, फरीदाबाद, हरियाणा में स्थित है, (इसके बाद इसे कहा जाएगा "उक्त संपत्ति")

सचिन माहेश्वरी एंड एसोसिएट्स (एसएमए)
सचिन माहेश्वरी, एडवोकेट
1531/4, भूतल, प्रो फिटनेस जिम के पास, प्रथम 60 फुटा रोड, एम.बी. एक्सटेंशन, बदरपुर बॉर्डर, नई दिल्ली-110044
फोन 011-69653588, मो.-9911380328

Public Notice

This is to inform the general public that **Smt. Poonam Verma** is the owner of DDA Built-up Janta Flat Bearing No. JG-II/151, "Said Flat" on Ground Floor without roof rights area measuring 26 Sq. Mtrs., in Block & Pocket-JG-II, situated at Vikas Puri, New Delhi. She acquired the above property through Relinquishment Deed dated 10.03.2021 vide doc. No. 5701 executed by 1. Sh. Horam Singh Bohra, 2. Sh. Ved Prakash Mohan, 3. Smt. Karanwati, & 4. Sh. Vipin Mohan Bohra in favour of Smt. Poonam Verma and Gift Deed dated 09.04.2021 vide doc. No. 8435 executed by Sh. Ved Prakash Mohan in favour of Smt. Poonam Verma.

Smt. Poonam Verma intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of the aforementioned flat to Mr. Parnav Sharma. Subsequently, **Mr. Parnav Sharma** is in the process of mortgaging the said property **IDFC First Bank Limited**. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 10 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 10-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 10-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh- 201301; Landline(s) :+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

Date: 15.02.2024 **Muneesh Dhawan**

भारत प्रौद्योगिकी क्रांति के शिखर पर: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश प्रौद्योगिकी क्रांति के शिखर पर है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और जीवन के सभी पहलुओं को आकार दे रहा है। उपराष्ट्रपति ने यह टिप्पणी दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर लड़कों के छात्रावास की आधारशिला रखने के बाद की। धनखड़ ने कॉलेज के मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया और इस मौके पर एक कॉफी टेबल बुक भी जारी की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, भारत प्रौद्योगिकी क्रांति के शिखर पर है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था और हमारे जीवन के सभी पहलुओं को भी आकार दे रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, लेकिन हमें बाधाकारी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लेकर जिम्मेदार और सतर्क रहना चाहिए। इससे पहले बुधवार को, हिंदू कॉलेज ने संस्थान की 125वीं वर्षगांठ के मौके पर एक मार्च का आयोजन किया। इस मार्च में हिंदू कॉलेज के पूर्व छात्र अर्जुन रामपाल सहित कई उल्लेखनीय हस्तियों ने भाग लिया।

सरकार ने अनचाहे कॉल के मामले में दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने को समिति बनाई

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने अनचाहे या प्रचार-प्रसार वाले कॉल की समस्या के समाधान के लिए दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। इस प्रकार के कॉल न केवल उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं। यह निर्णय उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह की अध्यक्षता में 14 फरवरी को यहां हुई बैठक में लिया गया। बैठक में अनचाहेप्रचार वाले वाणिज्यिक कॉल से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने उपभोक्ताओं को मिलने वाले अवांछिताप्रचार वाले वाणिज्यिक कॉल की समस्या के समाधान के लिए एक समिति का गठन किया है...। समिति में दूरसंचार उद्योग, टेलीमार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधि और नियामकीय निकायों के सदस्य शामिल हैं। यह समति दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करेगी।

नियामक निकायों में दूरसंचार विभाग (डीओटी), वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए), भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) शामिल हैं। बयान में कहा गया है, यह देखा गया कि ए कॉल न केवल उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं। ऐसी ज्यादातर कॉल वित्तीय सेवा क्षेत्र से होते हैं। इसके बाद रियल एस्टेट का स्थान आता है।

बैठक में यह भी बताया गया कि स्पैम कॉल करने वाले अब इंटरनेट कॉल को अपना रहे हैं। वे विशेष रूप से ग्राहकों को पोंजी योजनाओं, क्रिप्टो में निवेश और नौकरी के अवसरों की पेशकश करने के लिए व्हॉट्सएप का उपयोग कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, बैठक के दौरान, यह पाया गया कि बैंक और वित्तीय सेवाओं, रियल एस्टेट, ई-कॉमर्स मंच तथा अन्य वाणिज्यिक संस्थाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों के सभी टेलीमार्केटिंग कंपनियों को पहले ही सलाह दी गई है कि वे अपने फोन नंबर से पहले 140 नंबर श्रृंखला प्राप्त करें ताकि उपभोक्ता कॉल करने वाले को पहचान सके। यह ग्राहकों को इस बात का नियंत्रण देता है कि वे किस प्रकार की कॉल या संदेश को प्राप्त करना चाहते हैं। कई अपंजीकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियां इन प्रावधानों का पालन नहीं करती हैं। बैठक में कहा गया कि सभी टेलीमार्केटिंग कंपनियां इन प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन करें। बैठक में दूरसंचार विभाग, ट्राई, सीओएआई, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), वोडाफोन, एयरटेल और रिलायंस के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सड़क परिवहन मंत्रालय ने बाइक टैक्सी पर कानूनी स्थिति स्पष्ट की

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय ने बाइक टैक्सी की कानूनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा है कि मोटरसाइकिल मोटर वाहन अधि., 1988 के तहत कॉन्ट्रैक्ट कैरिज की परिभाषा में आती हैं। मोटर वाहन अधिनियम के मुताबिक, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज एक विशिष्ट समझौते के तहत यात्रियों को किराए पर ले जाने वाला वाहन है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बाइक टैक्सी पर राज्यों को जारी एक परामर्श में कहा है कि कुछ राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश परमिट के लिए दाखिल अर्जियों पर कार्वाई करते समय मोटरसाइकिल को कॉन्ट्रैक्ट कैरिज होने को लेकर विचार कर रहे हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 2(28) के अनुरूप 25 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाले चार पहियों से छोटे वाहन भी मोटर वाहनों की परिभाषा में आते हैं। मोटरसाइकिल भी अधिनियम की धारा 2(7) के तहत इस दायरे में आएंगी। कॉन्ट्रैक्ट कैरिज समझौते का आशय किसी रूट पर या उसके बगैर उस वाहन को दूरी या समय के आधार पर एक निश्चित कीमत पर किराए पर लेना है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित गाड़ी नंबर वाली कारें जो कि अपनी लाइफ पूरी कर चुकी हैं पेट्रोल कारें 15 साल, डीजल कारें 10 साल। पाइन व्यू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम सी डी ड्राइव में जब्त की गई थी और अभी तक किसी के द्वारा भी क्लेम नहीं की गयी है। इन सभी गाड़ी मालिकों को सूचित किया जाता है कि कंपनी के ऑफिस में आ कर गाड़ी की स्क्रैप वैल्यू क्लेम कर लें। अन्यथा ये सभी गाड़ियां अगले तीन दिन में स्क्रैप कर दी जाएंगी।

NOREG97,	DL9SX2492,	UP82C7682,
DL2CAE3154,	DL8CL5480,	DL7SAD9552,
DL8CJ8512,	DL3CBH0783,	DL9SR7621,
DL4CAH7908,	RJ23RA5911,	DL7SAZ6522,
DL4CS6840,	DL8CZ5520,	DL13S2743,
DL8CX7496,	DL3CBF0454,	DL7SBC9796,
DL9SU2485,	HR26V6379,	DL4SBK3747,
DNN3020,	HR26AK8841,	DL4SAV1269,
DL4SAB7852,	DL2SL9695,	UP52E4191,
DL9SL0769,	DL6SL0203,	DL3SBF4353,
GJ03BR1716,	DL9SL6124,	DL9SX2827,
DL7SAH9747,	DL9SJ6977,	HR06M7973,
DL1SP9611,	DL3SK0399,	RJ1916M3894
DL6SR9551,	DAA219,	UP70AM9776,
DL8SAG6931,	DL4SBD9305,	MP20SB3283,
DL9SQ6423,	DL8CP2485,	DL1SP8668,
DL9SR6689,	DL12CB3003,	JH05X0468,
DL8SAP4585,	DL8CL5517,	DL9SX2891,
DL9SV4879,	DL9SR6569,	PB02AD0820,
UP32BJ7490,	DL8SAN3550,	UP83M2832,
HR26AJ2474,	DL1SM9398,	JK02AG0901,
DL9CS1484,	DL13SB1025,	DL1CM1443,
DL4SNA2254,	DL6SV7003,	DL9CQ5475,
DNE7966,	DL7SAS0005,	DL4CAM0369,
DL3SAE7443,	DL7SAH2424,	DL1GC0175,
DL4SE4377,	DL1S8258,	DL8CNB4982,
DL9SE1757,	DL8SNC0535,	DL5CF3338,
DL9SS5263,	DL8SU1924,	DL3CBC2335,
DL9SL7140,	DL7SAB1206,	DL4SAR2910,
DL3SBL2836,	DL8SAG1463,	DL8SAM3724,
DL9SN1222,	DIP883,	DL8SAG5104,
DL9SV9013,	HR16B5722,	DL3SBK1124,
MP07MD1652	DL4SAZ8054,	DL7SAR4605,
DL9SV0565,	DL7SAN9521,	DL8SAG8696,
DL9CF9397,	DL8SNB2919,	DL6SAB0114,
DL7CJ3281,	DL9SU8778,	DL3SR4331,
HR26S5666,	HR14D3057,	DL5SL8652,
DL6SAB2985,	DL3SAK6012,	DL8SAR3187,
DL9SL7711,	DL3SZ7918,	DL1SL1330,
DL6SZ2488,	DL9SP1797,	DL6SAA5948,
DL4SBF2478,	DL8CS4026,	DL8CZ9787,
UP80B7773,	DL8SAN8316,	DL9SU1134,
DL3SW2625,	DL8SX3023,	DL9SX0260,
DL4SAD8411,	DL8SAB8128,	DL6SAB1334,
DL4SAW4901	DL8SAC7754,	TN02R7790,
PB03G2236,	3420021-	DL9SZ0568,
MAKGD851-	719272,	UP60E0577,
A7N336936,	DL9CAG8588,	KA38H1881,
DL4SBK1753,	DL3SBF5468,	DL9SL7816,
DL3SAS9026,	UP15AB5814,	DL8SAN8302,
DL2CQ3789,	DL9SV2808,	DL9SU9533,
DL2CAS5590,	DL9SS3919,	DL4SBE4556,
DL13C6194,	DL9ST9504,	DL9SV9121,
DL4SAL9880,	DL4SBB5291,	DL4SBL1899,
DL8ST4861,	DL4CAH7922,	DL8CS1984,
DL9SC7262,	DL5CV4444,	DL9SR3341,
DL2SK2548,	DL8CQ3173,	DL8CS1921,
DL8SAE6138,	DL9SV1709,	HR51AR0045,
DL9SU1547,	DL3SAY2207,	DL3CAS4949,
DL6SA5230,	AP31AF8279,	MH15CE3050,
DL3SAJ6306,	DL9ST8502,	DL3CBF4045,
DL6SAC1168,	HR01P1370,	HR14J4428,
HP51A0963,	DL2CAD3805,	DIC0048,
DL8SG3021,	DL7CK0223,	DL3CAW7569,
DL9SH5410,	DL7SAX3816,	

सार्वजनिक नोटिस

निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने ज्ञापन संख्या एलसी-4633/जेई(एसके)/2024/5327 दिनांक 13/02/2024 के माध्यम से योहान बिल्डकॉन एलएलपी से जेएमके होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस हस्तांतरित करके 2.515 एकड़ क्षेत्र में दिनांक 27/05/2022 के लाइसेंस संख्या 70/2022 के तहत ग्राम हरसरू, सेक्टर-88ए, गुरुग्राम के राजस्व राज्य में वाणिज्यिक प्लॉटिड कॉलोनी की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

उक्त सैद्धांतिक मंजूरी के अनुसार, निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने कंपनी को प्रमुख समाचार पत्रों (दो अंग्रेजी और एक हिंदी) में सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से लाइसेंस के प्रस्तावित हस्तांतरण के बारे में आम जनता को सूचित करने का निर्देश दिया है और तदनुसार नोटिस उनकी जानकारी के लिए जारी किया गया है और यदि कोई आपत्ति है, तो उसे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर वरिष्ठ नगर योजनाकार, गुरुग्राम के कार्यालय में भेजा जा सकता है। दी गई उक्त अनुमति हमारी वेबसाइट www.signatureglobal.in पर भी अपलोड/होस्ट की जा रही है

एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
जेएमके होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
सीआईएन: U70109DL2013PTC255232
पंजीकृत-13वीं मंजिल, डॉ. गोपाल दास भवन, 28 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001

एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
योहान बिल्डकॉन एलएलपी
एलएलपीआईएन: एएबी-9033
पंजीकरण कार्यालय- 326, तीसरी मंजिल, सी-1/3, लक्ष्मी टावर, नानीवाला बाग, आज़ादपुर, दिल्ली-110033

स्थान-गुरुग्राम
दिनांक: 16/02/2024

सार्वजनिक नोटिस

निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने ज्ञापन संख्या एलसी-4632/जेई(एसके)/2024/5321 दिनांक 13/02/2024 के माध्यम से योहान बिल्डकॉन एलएलपी से जेएमके होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस हस्तांतरित करके 3.428 एकड़ क्षेत्र में दिनांक 27/05/2022 के लाइसेंस संख्या 69/2022 के तहत ग्राम हरसरू, सेक्टर-88ए, गुरुग्राम के राजस्व राज्य में वाणिज्यिक प्लॉटिड कॉलोनी की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

उक्त सैद्धांतिक मंजूरी के अनुसार, निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने कंपनी को प्रमुख समाचार पत्रों (दो अंग्रेजी और एक हिंदी) में सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से लाइसेंस के प्रस्तावित हस्तांतरण के बारे में आम जनता को सूचित करने का निर्देश दिया है और तदनुसार नोटिस उनकी जानकारी के लिए जारी किया गया है और यदि कोई आपत्ति है, तो उसे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर वरिष्ठ नगर योजनाकार, गुरुग्राम के कार्यालय में भेजा जा सकता है। दी गई उक्त अनुमति हमारी वेबसाइट www.signatureglobal.in पर भी अपलोड/होस्ट की जा रही है

एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
जेएमके होल्डिंग्सप्राइवेट लिमिटेड
सीआईएन: U70109DL2013PTC255232
पंजीकृत-13वीं मंजिल, डॉ. गोपाल दास भवन, 28 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली-110001

एसडी/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
योहान बिल्डकॉन एलएलपी
एलएलपीआईएन: एएबी-9033
पंजीकरण कार्यालय- 326, तीसरी मंजिल, सी-1/3, लक्ष्मी टावर, नानीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली-110033

स्थान-गुरुग्राम
दिनांक: 16/02/2024

अरुण जेटली ने नाम उजागर न करने के प्रावधान का बचाव किया था

चुनावी बॉण्ड की यात्रा

नई दिल्ली। चुनावी बॉण्ड योजना को उच्चतम न्यायालय द्वारा बृहस्पतिवार को असंवैधानिक बताकर निरस्त किए जाने से कई साल पहले तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इसे वैध और पारदर्शी करार दिया था। जेटली चुनावी बॉण्ड योजना के प्रमुख प्रस्तावकर्ता थे। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्ईय संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि मतदाताओं को मतदान करने के लिए आवश्यक जानकारी रखने का अधिकार है। न्यायालय ने बॉण्ड जारी करने के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान, एसबीआई को कहा कि वह राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्एक चुनावी बॉण्ड का विवरण प्रकट करे। चुनावी बॉण्ड योजना की घोषणा तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017-18 के अपने बजट भाषण में की थी और इसे राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने के प्रयासों के तहत राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले नकद चंदे के विकल्प के रूप में पेश किया था। उन्होंने एक व्यक्ति की ओर से नकद चंदे की सीमा दो हजार रुपए तक सीमित करते और चुनावी बॉण्ड योजना प्रस्तावित करते हुए कहा था, भारत में राजनीतिक वित्तपोषण की व्यवस्था में शुचिता की जरूरत है।

विपक्षी दलों ने योजना की अस्पष्टता को लेकर हंगामा किया था, लेकिन सरकार ने आगे बढ़ते हुए दो जनवरी, 2018 को इस योजना को अधिसूचित किया था। ऐसा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम में संशोधन करके किया गया, जिससे एसबीआई के लिए इस तरह का बॉण्ड जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। चुनावी बॉण्ड के पहले बैच की बिक्री मार्च 2018 में हुई थी। पिछले छह वर्षों में, एसबीआई ने 16,518 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड की 30 शृंखला जारी की हैं। जनवरी 2018 में कहा था कि चुनावी बॉण्ड योजना राजनीतिक वित्तपोषण की प्रणाली में आने वाले पूर्ण सफेद धन और पर्याप्त पारदर्शिता की परिकल्पना करती है। अरुण जेटली ने चुनावी बॉण्ड योजना का बचाव कैसे किया: जेटली ने 2018 में चुनावी बॉण्ड योजना का दृढ़ता से बचाव करते हुए कहा था कि अगर दानदाताओं को अपने नाम का खुलासा करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो नकदी और काले धन के माध्यम से राजनीतिक वित्तपोषण की प्रणाली वापस आ जाएगी। जेटली ने अप्रैल 2019 में कहा था, अगर आप लोगों से उसकी (दानकर्ता की) पहचान का भी खुलासा करने के लिए कहेंगे, तो मुझे डर है कि नकदी प्रणाली वापस आ जाएगी।

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा आम जनता को सूचना दी जाती है कि एक्सिस बैंक लिमिटेड, जिसकी एक शाखा 23, हिमालय हाउस, प्रथम तल, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली-110001 में है। मेरे मुवक्किल श्री राजेंद्र कुमार ढाका को ऋण सुविधा देने का इरादा रखता है। ने तीसरी मंजिल के निर्माण अधिकारों के साथ-साथ दूसरी मंजिल और उससे ऊपर की पूरी छत की सुरक्षा के खिलाफ, छत/छत के अधिकारों के साथ, नीचे की भूमि में अविभाजित आनुपातिक स्वामित्व अधिकारों के साथ-साथ मार्ग, सुख सुविधा और लाभों के अधिकार (इसके बाद के रूप में संदर्भित) शामिल हैं "उक्त भाग") ब्लॉक-एच (यानी, एच-330) में संपत्ति संख्या 330 पर निर्मित है, जिसका भूमि क्षेत्र 104 वर्ग मीटर है। जो विकास पुरी, नई दिल्ली-110018 में स्थित है (इसके बाद इसे "उक्त संपत्ति" जाना जाएगा)। श्री सोहन सिंह गिल पुत्र स्व. दस्तावेज संख्या के रूप में विधिवत पंजीकृत दिनांक 04.06.1993 के कन्वेन्स डीड के आधार पर मंगल सिंह उक्त संपत्ति के दर्ज मालिक थे। दिनांक 22.07.1993 को 5507 इसके बाद श्री. सोहन सिंह गिल पुत्र स्व. मंगल सिंह की मृत्यु 14.07.2010 को बिना वसीयत के हो गई, वह अपने पीछे केवल एक कानूनी उत्तराधिकारी यानी श्री गुरमेल सिंह गिल को छोड़ गया। जिन्होंने हिंदू उत्तराधिकार कानून के आधार पर उक्त संपत्ति का एकमात्र और पूर्ण मालिक होने का दावा किया था, श्री गुरमेल सिंह गिल दिल्ली नगर निगम से उत्परिवर्तन पत्र प्राप्त किया और दिनांक 25.11.2022 को दस्तावेज संख्या 30120 के रूप में पंजीकृत दिनांक 25.11.2022 एक बिक्री विलेख निष्पादित किया। श्रीमती शीला रानी पत्नी श्री प्रेम प्रकाश के पक्ष में (95% अविभाजित शेयर) और 2) श्री विपिन बत्रा पुत्र स्व. वी.पी. बत्रा (5% अविभाजित शेयर)। यदि किसी भी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपर्युक्त संपत्ति में किसी भी तरह से अधिकार, शीर्षक या हित/दावे के संबंध में कोई आपत्ति या दावे हैं, तो अपने दावों/आपत्तियों के संबंध में सभी सहायक दस्तावेजों के साथ लिखित में अधोहस्ताक्षरी से तत्काल संपर्क करें। यदि इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों की अवधि के भीतर उनके ऐसा कोई दावा प्राप्त नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि उपरोक्त संपत्ति में किसी का भी कोई अधिकार, शीर्षक या हित नहीं है और भले ही किसी के पास कोई दावा/आपत्ति हो, उसने इसे छोड़ दिया है।

हिमांशु आहूजा (अधिवक्ता)
संपर्क नंबर: 9810310373, 011-41830049
ई-मेल पता: alolegals@gmail.com

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF RELIGION

I, Tanzim D/o Wahid W/o Vipin R/o K-584, Dakshinpuri, Dr. Ambedkar Nagar, PO: Pushpa Bhawan, South Delhi-110062 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced ISLAM with effect from 7-11-2012.

PD(276) A

CHANGE OF NAME

I, hitherto known as Tanzim D/o Wahid W/o Vipin R/o K-584, Dakshinpuri, Dr. Ambedkar Nagar, PO: Pushpa Bhawan, South Delhi- 110062 have changed my name and shall thereafter be known as SURBHI.

PD(277) A

पाक के पीएम के रूप में शहबाज का नाम आगे आने से अटकलें तेज

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान में आश्चर्यजनक रूप से अगले प्रधानमंत्री के रूप में शहबाज शरीफ का नाम आगे है और इसे उनके बड़े भाई नवाज शरीफ के राजनीतिक करियर के संभावित अंत के रूप में देखा जा रहा है। नवाज शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार इस प्रतिष्ठित पद को हासिल करने में असफल रहे हैं। पाकिस्तान में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच चुनाव बाद का समझौता हो गया है जिसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो तख्तापलट की आशंका वाले देश में अगले महीने की शुरुआत में छह-दलीय गठबंधन सरकार के सत्ता संभालने की संभावना है।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समेत तीनों दलों में से किसी को भी आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल करने के लिए आवश्यक सीटें नहीं मिली हैं। इसलिए इनमें से कोई भी दल अकेले सरकार बनाने में सक्षम नहीं है। सूत्रों के मुताबिक देश में शक्तिशाली सेना के समर्थन से प्रधानमंत्री का प्रतिष्ठित पद हासिल करने की दौड़ में शहबाज शरीफ अपने 74 वर्षीय भाई नवाज शरीफ से आगे निकल गए हैं। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, प्रशासन और सरकार से जुड़े शक्तिशाली लोग नवाज की तुलना में शहबाज के साथ काम करने में अधिक सहज हैं। हालांकि, नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज ने तुरंत अपने पिता के राजनीतिक करियर के बारे में अटकलों को खारिज करने की कोशिश की। मरयम नवाज ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नवाज शरीफ चौथी बार प्रधानमंत्री बनना चाहते थे, लेकिन खंडित जनादेश के बाद वह शीर्ष पद से हट गए हैं।

उन्होंने कहा, मेरे पिता का राजनीतिक करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। इस अनुमान में भी कोई सच्चाई नहीं है कि नवाज ने राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। वह संघीय और पंजाब सरकारों की निगरानी करेंगे और अपनी उचित भूमिका निभाएंगे।

इमरान खान की पार्टी ने उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री उम्मीदवार नामित किया

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने बृहस्पतिवार को पूर्व सैन्य तानाशाह अयूब खान के पोते एवं पार्टी महासचिव उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री पद के अपने उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। चौवन-वर्षीय उमर अयूब खान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन (पीएमएल-एन) के उम्मीदवार के रूप में 2013 का चुनाव हारने के बाद 2018 के आम चुनाव से पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में शामिल हो गए। खंडित जनादेश और किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण पाकिस्तान को अभी तक नई सरकार नहीं मिल पाई है। यहां तक कि पीटीआई-समर्थित 100 से अधिक निर्दलीय उम्मीदवारों ने आठ फरवरी के चुनावों में जीत हासिल की, तब भी इमरान खान की पार्टी ने आरोप लगाया कि उसका जनादेश चोरी हो गया। हालांकि पिछले तीन दिनों में कुछ निर्दलीय खान की पार्टी पीटीआई के प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा बनाए जाने वाले संभावित गठबंधन में शामिल हो गए हैं। पीएमएल-एन ने घोषणा की है कि उसके 72-वर्षीय राष्ट्रपति शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और चार अन्य छोटे दलों का समर्थन प्राप्त है। पीटीआई नेता असद कैसर ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में खान से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, मुझे उम्मीद है कि उमर अयूब खान को प्रधानमंत्री के रूप में चुना जाएगा। इमरान पिछले साल सितंबर से अदियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई के एक और शीर्ष नेता गौहर खान ने भी पुष्टि की कि उमर अयूब खान को खुद इमरान खान ने प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है।

सेना प्रमुख जनरल पांडे ने अमेरिका के अपने समकक्ष के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की

फ्लोरिडा में आर्मी चीफ जनरल मनोज पाण्डे साथ में चीफ स्टाफ यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी जनरल रैन्डी जार्ज मुलाकात करते हुए।

वाशिंगटन। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल मनोज पाण्डे ने अमेरिका के अपने समकक्ष जनरल रैंडी जॉर्ज और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय महत्व के मुद्दों और वैश्विक शांति व सुरक्षा के लिए परस्पर प्रतिबद्धता बढ़ाने के तरीकों पर उच्च स्तरीय चर्चा की। पाण्डे 13 फरवरी से अमेरिका की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह भारत के किसी सैन्य प्रमुख की कई वर्षों बाद अमेरिकी यात्रा है। भारतीय सेना के अतिरिक्त जन सूचना महानिदेशालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चर्चा का उद्देश्य द्विपक्षीय महत्व के पहलुओं और वैश्विक शांति व सुरक्षा के प्रति आपसी प्रतिबद्धता को और बढ़ाना था। जनरल पाण्डे ने अपनी आधिकारिक यात्रा से फोर्ट मायर्स में पहुंचने पर अमेरिकी सेना के सलामी गारद का निरीक्षण किया और उसके बाद अर्लिंगटन नेशनल सीमेट्री में टोम्ब ऑफ अननोन सोल्जर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

आधिकारिक पोस्ट में कहा गया है कि इसके बाद उन्होंने अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज और सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की। जनरल पाण्डे ने फोर्ट बेलवॉयर में आर्मी जियोस्पेशियल सेंटर का दौरा किया और फोर्ट मैकनायर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष के साथ बातचीत की। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास का भी दौरा किया, उपराजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन से मुलाकात की तथा महत्वपूर्ण पहलों पर चर्चा की।

जरदारी के पाकिस्तान का अगला राष्ट्रपति बनने की संभावना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के केंद्र में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाने पर सहमति जताने के बाद उसके शीर्ष नेता आसिफ अली जरदारी के दूसरी बार देश का अगला राष्ट्रपति बनने की संभावना है। द न्यूज इंटरनेशनल ने पीएमएल-एन और पीपीपी में समझौते की बातचीत के बीच सूत्रों के हवाले से बताया, अगर स्थिति में कोई बदलाव नहीं होता है तो देश में पीएमएल-एन पार्टी का प्रधानमंत्री और पीपीपी का राष्ट्रपति देखने को मिलेगा। चुनाव में खंडित जनादेश मिलने के एक सप्ताह बाद भी देश में अभी कोई सरकार नहीं बनी है। प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने के कारण पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनने की संभावना है। इन दोनों दलों के एक साथ आने का मतलब है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को संसद में अधिक सीट मिलने के बावजूद पीटीआई सत्ता में नहीं आ पाएगी। जरदारी (68) 2008 से 2013 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रह चुके हैं। मौजूदा राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी इस महीने के अंत तक अपना पद छोड़ने वाले हैं। पीएमएल-एन ने पार्टी प्रमुख और तीन बार के पूर्व पीएम नवाज शरीफ के बजाय 72 वर्षीय शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। 74 वर्षीय नवाज़ शरीफ रिकॉर्ड चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की कोशिश में थे और ब्रिटेन में स्व-निर्वासन समाप्त कर पिछले साल अक्टूबर में पाक लौट आए थे। पीएमएल-एन और पीपीपी ने मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू), आईपीपी (इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी) और बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) के साथ मिलकर केंद्र में गठबंधन सरकार बनाने का फैसला किया है।

इमरान खान की पार्टी को झटका, पंजाब में तीन निर्दलीय उम्मीदवार विपक्षी दल में शामिल

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को झटका देते हुए पंजाब की प्रांतीय विधानसभा में उसके द्वारा समर्थित तीन निर्दलीय सदस्य प्रतिद्वंद्वी दल में शामिल हो गए हैं। वहीं, नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रांतीय विधानसभा में निर्वाचित आठ और निर्दलीय सदस्यों और नेशनल असेंबली में निर्वाचित एक सदस्य को अपने पाले में लाने में कामयाब रही है। इससे नेशनल असेंबली में उसकी सीटों की संख्या 80 और पंजाब असेंबली में 150 से अधिक हो गई है। पंजाब में पीएमएल-एन ने तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है।

पंजाब विधानसभा में पीटीआई समर्थित तीन सदस्यों ने अलीम खान की इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) से हाथ मिला लिया है। आईपीपी के प्रमुख संरक्षक जहांगीर खान तारीन के इस्तीफे के बाद अलीम ही पार्टी का कामकाज संभाल रहे हैं। यह पार्टी नौ मई को हुई हिंसा के बाद इमरान खान की पीटीआई से अलग होकर बनी थी। अलीम कथित तौर पर शक्तिशाली प्रतिष्ठान की मदद से पंजाब में अपनी संख्या बढ़ाने के लिए, पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रांतीय विधानसभा में निर्वाचित पीटीआई समर्थित तीन सदस्यों - सरदार अवैस द्रशिक, जाहिद इस्माइल भट्टा और हाफिज ताहिर कैसरानी तथा एक अन्य निर्दलीय सदस्य गजनफर अब्बास चीना ने लाहौर में अलीम से मुलाकात की और आईपीपी में शामिल होने की घोषणा की। अलीम ने दावा किया कि प्रांतीय विधानसभा में पीटीआई द्वारा समर्थित 10 से 15 सदस्यों का एक अन्य समूह जल्द ही आईपीपी में शामिल होगा और वह उनके संपर्क में है।

सिंध में पीटीआई समर्थित चौथा सदस्य एजाज स्वाति, बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) में शामिल हो गया है। अभी तक, पांच निर्वाचित सदस्य इमरान खान की पार्टी छोड़ चुके हैं। केंद्र तथा पंजाब दोनों में पीएमएल-एन की स्थिति को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को पार्टी में शामिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि पीएमएल-एन और उसकी सहयोगी आईपीपी का मकसद पीटीआई समर्थित इतने निर्दलीय उम्मीदवारों को अपने खेमे में शामिल करना है कि वह भविष्य में पीपीपी पर ज्यादा निर्भर न रहे।

ट्रंप की तुलना में बाइडन अधिक अनुभवी हैं : पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक अनुभवी बताते हुए कहा है कि वह बाइडन को दूसरा कार्यकाल जीतते देखना पसंद करेंगे। रूस के सरकारी टेलीविजन के साथ बुधवार को एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा कि वह अमेरिका में निर्वाचित होने वाले किसी भी राष्ट्रपति के साथ काम करेंगे लेकिन जब उनसे पूछा गया कि रूस की नजर में बेहतर विकल्प कौन होगा तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह चाहेंगे कि बाइडन जीतें। पुतिन ने कहा बाइडन अधिक अनुभवी हैं और उनके कदमों को लेकर अनुमान लगाया जा सकता है, वह पुराने जमाने के नेता हैं, लेकिन हम किसी भी अमेरिकी नेता के साथ काम करेंगे, ऐसा नेता जिस पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हों। बाइडन के स्वास्थ्य के मुद्दों पर अटकलों के बारे में पूछे जाने पर पुतिन ने जवाब दिया, मैं डॉक्टर नहीं हूं और मैं इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझता।

पाक सरकार सुनिश्चित करे कि सेना कारोबार के बजाय केवल रक्षा संबंधी मामलों पर ध्यान दे: शीर्ष अदालत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने शक्तिशाली सेना की कारोबारी गतिविधियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए सरकार से यह सुनिश्चित करने का आश्वासन मांगा है कि सशस्त्र बल कारोबार के बजाय केवल रक्षा संबंधी मामलों पर ध्यान दें। यह आश्वासन पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने मांगा, जो व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए सैन्य भूमि के उपयोग की जांच के मामले में तीन-न्यायाधीशों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं। डॉन अखबार ने बृहस्पतिवार को बताया कि शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभी संस्थानों को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। यह मामला पूर्व सीजेपी गुलजार अहमद द्वारा 2021 में शुरू किया गया था जब अदालत का ध्यान कराची में छावनी बोर्ड की भूमि के कथित अवैध उपयोग की ओर आकर्षित किया गया था। इस भूमि का अधिग्रहण रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया गया था, लेकिन इसका उपयोग वाणिज्यिक लाभ के लिए किया गया था। न्यायमूर्ति ईसा ने बुधवार को खेद जताया कि सेना ने सैन्य भूमि पर मैरिज हॉल स्थापित किए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान से आश्वासन मांगा कि सेना कारोबार करने में लिप्त नहीं होगी। न्यायमूर्ति ईसा ने उस्मान से पूछा, क्या आप यह आश्वासन दे सकते हैं? उन्होंने यह भी कहा कि हर संस्था को अपनी सीमा के भीतर रहकर काम करना चाहिए। अटॉर्नी जनरल ने माना कि सैद्धांतिक रूप से हर किसी को खुद का काम करना चाहिए। सुनवाई के दौरान इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के वकील ने अदालत को बताया कि जिस इमारत को लेकर विवाद हुआ, वह बोर्ड की थी। वकील ने कहा कि जिस व्यक्ति को यह जमीन आवंटित की गई थी, उसने इसे फर्जी कागजात पर बेच दिया जिसके बाद पांच मंजिला इमारत भूमि पर बनाई गई। न्यायमूर्ति मोहम्मद अली मजहर ने हैरानी जताते हुए पूछा कि जब इमारत बनाई जा रही थी तब ईटीपीबी क्या मूकदर्शक बना रहा? प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी की संलिप्तता के बिना ऐसा होना संभव नहीं था।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर के उद्घाटन का साक्षी बनकर धन्य हूं: अक्षय कुमार

अबू धाबी। अभिनेता अक्षय कुमार अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया था। बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा इस मंदिर का निर्माण किया गया है। अभिनेता अक्षय कुमार ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया मंच एक्स पर मंदिर की एक तस्वीर साझा की और लिखा अबू धाबी में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनकर धन्य हूं। समारोह में अभिनेता विवेक ओबेरॉय, दिलीप जोशी, गायक शंकर महादेवन और फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर भी शामिल हुए। मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।

भारतीय नागरिक को अमेरिकी बुजुर्ग महिला से धोखाधड़ी के जुर्म में 51 महीने की जेल की सजा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की एक अदालत ने 24 वर्षीय भारतीय नागरिक को कम्प्यूटर हैक कर एक बुजुर्ग अमेरिकी महिला से 1,50,000 डॉलर की ठगी करने के जुर्म में 51 महीने की जेल की सजा सुनाई है। अमेरिका के एक अटॉर्नी ने बताया कि प्रतिवादी हरियाणा निवासी सुखदेव वैद ने दिसंबर 2023 में ऑनलाइन धोखाधड़ी का जुर्म स्वीकार कर लिया था। अमेरिकी अटॉर्नी जेसी लास्लोविच ने बताया कि सुखदेव ने एक अंतरराष्ट्रीय कम्प्यूटर हैकिंग योजना के जरिए महिला से धोखाधड़ी की जिसमें देशभर में बुजुर्ग अमेरिकी महिलाओं को निशाना बनाया गया और 12 लाख डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। अदालत ने बुधवार को आदेश दिया कि जेल से रिहा होने के बाद वैद को प्रत्यर्पण के लिए सीमा शुल्क और आव्रजन प्रवर्तन ब्यूरो की रिमांड में भेजा जाएगा। साथ ही अदालत ने वैद पर 12,36,470 डॉलर का जुर्माना भी लगाया।

लास्लोविच ने कहा, हमारे देश के बाहर के लोगों के लिए मोटाना वासियों को निशाना बनाना बहुत आम हो गया है खासतौर से ऑनलाइन धोखाधड़ी के संबंध में। लेकिन इस बार नहीं। एफबीआई की दृढ़ता के कारण वैद संघीय जेल जा रहा है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने वैद को सह-आरोपी एडली जोसेफ के साथ उस समय गिरफ्तार किया था जब वे पैसा एकत्रित करने के लिए मोंटाना जा रहे थे। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, जोसेफ को इस मामले में पहले ही दो साल और नौ महीने की जेल की सजा सुनाई जा चुकी है।

अमेरिका में भारतीय मूल के बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन। अमेरिकी के अलबामा में एक कमरे को लेकर हुए विवाद के बाद एक ग्राहक ने 76 वर्षीय भारतीय मूल के मोटल मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। शेफील्ड में हिलक्रेस्ट मोटल के मालिक प्रवीण रावजीभाई पटेल की पिछले सप्ताह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हंट्सविले के एक टेलीविजन स्टेशन डब्ल्यूएएफएफ टीवी ने बताया कि शेफील्ड पुलिस प्रमुख रिकी टेरी के अनुसार, 34 वर्षीय विलियम जेरेमी मूर को पटेल की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जब मूर एक कमरा किराए पर लेने के लिए मोटल पर आया था, तो उनके बीच विवाद हो गया,जिसके बाद मूर ने बंदूक निकाली और पटेल को गोली मार दी। सड़क किनारे यात्रियों के अल्प विश्राम और ठहरने के अपेक्षाकृत छोटे होटल को मोटल कहते हैं।

दक्षिण एशिया में भारत हमारा सबसे बड़ा साझेदार: अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने भारत को दक्षिण एशिया में अपना सबसे बड़ा साझेदार बताते हुए कहा कि वह नई दिल्ली के साथ अरबों डॉलर के जलवायु बुनियादी ढांचे को विकसित करने और एक नए कोष पर काम कर रहा है जिसमें उसके विकास वित्त संस्थान से 50 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल होगा। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (एससीए) में सहायक उप सचिव अफरीन अख्तर ने वाशिंगटन फॉरेन प्रेस सेंटर द्वारा आयोजित एक समाचार सम्मेलन में यह कहा। अख्तर ने कहा, दक्षिण एशिया में हमारे सबसे बड़े साझेदार भारत के साथ हमने पिछले साल जनवरी में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पर अमेरिका-भारत पहल शुरू की है। बुधवार को कहा कि इसका लक्ष्य एक लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना, अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ाना और दूरसंचार की अगली पीढ़ी में भागीदार बनाना है जो फिर से भारत के साथ महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग बनाने की एक महत्वाकांक्षी पहल है।

हम अरबों डॉलर के जलवायु बुनियादी ढांचे को विकसित करने और एक नए कोष पर भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जिसमें हमारे विकास वित्त संस्थान से 50 करोड़ डॉलर का निवेश शामिल होगा। अमेरिका और भारत ने संयुक्त अभ्यासों, रक्षा औद्योगिक सहयोग मजबूत कर और टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्षिक संवाद मजबूत कर व्यापक तथा बहुआयामी रक्षा साझेदारी को और गहरा बनाया है। उन्होंने कहा, हम वास्तव में उस रक्षा संबंध के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह हमारी हिंद-प्रशांत रणनीति की अहम विशेषताओं में से एक है। अख्तर ने कहा कि अमेरिका पूरे दक्षिण एशिया में बड़े निवेश कर रहा है।

पाकिस्तान में पुनः मतगणना के दौरान गोलीबारी में दो लोगों की मौत, 14 घायल

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक निर्वाचन क्षेत्र में पुनः मतगणना के दौरान दो राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच सशस्त्र झड़प में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कराची की सीमा से लगते औद्योगिक शहर हब में निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के समर्थकों के बीच झड़प हुई। आठ फरवरी को हुए चुनाव में बीएपी को मुहम्मद सालेह भूटानी ने अनौपचारिक नतीजे घोषित होने के बाद जीत का दावा किया था लेकिन पीपीपी के अली हसन जहरी ने पुनः मतगणना कराने की मांग की थी। इसके बाद पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पुनः मतगणना का आदेश दिया था। हब के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मंजूर अहमद बुलेदी ने पत्रकारों से कहा, बुधवार को पुनः मतगणना होने के दौरान झड़प हुई और दोनों उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच लड़ाई शुरू हो गई। झड़प के दौरान गोलियां चलाई गईं, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पीपीपी समर्थकों ने दावा किया कि यह नतीजों की घोषणा में देरी करने की साजिश है। जाम गुलाम कादिर मेमोरियल हॉस्पिटल के एक चिकित्सक ने बताया कि घायलों और मारे गए दो लोगों को कई गोलियां लगी थीं। बुलेदी ने बताया कि हालात पर काबू पाने के लिए फ्रंटियर कोर को बुलाया गया। बलूचिस्तान प्रांत में पिछले सप्ताह हुए आम चुनाव के बाद से अशांति बनी हुई है।

पद पर रहते हुए सगाई करने वाले पहले पीएम बने अल्बानीज

मेलबर्न। एंथनी अल्बानीज पद पर रहते हुए सगाई करने वाले ऑस्ट्रेलिया के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। एंथनी ने बृहस्पतिवार को खुलासा किया कि उनकी साथी ने वैलेंटाइन डे पर उनके प्यार को स्वीकार किया। अल्बनीज और जोडी हेडन पिछले तीन वर्षों से एक साथ हैं। जोडी एक वित्तीय मामलों की पेशेवर हैं। एक इतालियन रेस्तरां में रात का खाना खाने के बाद उन्होंने अपने आधिकारिक आवास (जिसे लॉज कहते हैं) के छज्जे पर हेडन से अपने प्यार का इजहार किया।

लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों में 10 लोगों की मौत

भाषा। बेरुत

लेबनान पर हुए दो इजराइली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। लेबनान की स्थानीय मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बीते चार महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में हुई मौतों के मामले में बुधवार सबसे घातक दिन रहा। लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने दक्षिणी लेबनान के नबातिएह शहर और एक गांव में हुए इन हमलों का बदला देने की बात कही है। ए हवाई हमले लेबनान से हुए हमले में इजराइली सैनिक के मारे जाने के बाद हुए। लेबनान के सौनेह गांव में एक महिला और उसके दो छोटे बच्चों की मौत हो गई। मरने वालों में छह महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। बुधवार को हिजबुल्ला के तीन लड़ाके भी मारे गए। इससे पहले बुधवार को लेबनान से उत्तरी इजराइल के सफेद शहर पर किए गए हमले में एक महिला इजराइली सैनिक की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे।

इजराइली सैनिकों ने विस्थापितों के लिए रास्ता खोलने के बाद गाजा के मुख्य अस्पताल पर धावा बोला

रफाह (गाजा पट्टी)। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइली बलों ने लंबे गतिरोध के बाद बृहस्पतिवार को दक्षिणी भाग में स्थित एक मुख्य अस्पताल पर धावा बोल दिया। इजराइल ने कहा कि उसने खान यूनिस शहर के नासिर अस्पताल में शरण लिए हुए हजारों विस्थापित फलस्तीनियों के जाने के लिए एक रास्ता खोल दिया है जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग अस्पताल से निकले। चिकित्सकों के अनुसार, इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार तड़के दक्षिणी गाजा के मुख्य अस्पताल पर गोलीबारी की, जिसमें एक मरीज की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। सेना ने अस्पताल परिसर से हजारों विस्थापित लोगों को निकालने की कोशिश की। इस बीच, बुधवार को दक्षिणी लेबनान में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। गाजा के हमास कट्टरपंथियों के सहयोगी लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के तीन लड़ाके भी मारे गए। ए हमले लेबनान से रॉकेट हमले में एक इजराइली सैनिक की मौत के कुछ ही घंटों बाद हुए, जो गाजा में 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से सीमा पर सबसे भयावह गोलीबारी थी। इसने व्यापक संघर्ष के जोखिमों को भी रेखांकित किया। गाजा में संघर्षविराम को लेकर बातचीत रुकी हुई है और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के नष्ट होने तथा 7 अक्टूबर के हमले के दौरान बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई तक हमले जारी रखने की कसम खाई है।

वेटिकन के वरिष्ठ अधिकारी के बयान पर इजराइल ने जताई आपत्ति

रोम। इजराइल ने गाजा के संबंध में वेटिकन के एक वरिष्ठ अधिकारी के बयान को लेकर आधिकारिक रूप से आपत्ति दर्ज कराई है। वेटिकन के विदेश मामलों के प्रमुख कार्डिनल पिएट्रो पेरोलीन ने सात अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमास के हमले और यहूदी विरोधी भावना के सभी रूपों की सोमवार को निंदा की थी। साथ ही उन्होंने कहा था कि इजराइल गाजा में नरसंहार करके आत्मरक्षा का दावा कर रहा है। उन्होंने कहा था, इजराइल की आत्मरक्षा के अधिकार का हवाला देकर इस अभियान को जायज ठहराया जा रहा है, लेकिन 30,000 लोगों की मौत हो चुकी है, ऐसे में यह दावा जायज नहीं लगता। वेटिकन में स्थित इजराइली दूतावास ने पेरोलीन के बयान को निंदनीय करार दिया।

ऑस्ट्रेलियाई संसद ने असांजे को अमेरिका के बजाय स्वदेश भेजने का अनुरोध किया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने एक प्रस्ताव पारित करके अमेरिका और ब्रिटेन से विकिलीक्स के संस्थापक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक जूलियन असांजे को स्वदेश लौटने की अनुमति देने का अनुरोध किया। इसके बाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने भी असांजे के खिलाफ मुकदमे के सौहार्दपूर्ण अंत की उम्मीद जताई। जासूसी के आरोप में अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अगले सप्ताह ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में असांजे (52) की अपील पर सुनवाई होनी है। कुछ दिन पहले अल्बनीस ने संसद से कहा कि यह एक महत्वपूर्ण समय है। अल्बनीस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इसका समाधान हो सकता है। मुझे आशा है कि इसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया दूसरे देशों की कानूनी प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता, लेकिन हमारे लिए उचित समय है कि हम अपना यह रुख मजबूती के साथ रखें कि उन देशों को यह (मुकदमा) समाप्त कर देना चाहिए।

मलेरिया उन्मूलन के लिए नए समाधान ढूंढने की जरूरत

मेलबर्न। हर मिनट 400 से ज्यादा लोगों को मलेरिया होता है और करीब हर एक मिनट में एक व्यक्ति की इस रोग से मौत होती है। इस रोग से जान गंवाने वाले लोगों में उप-सहारा अफ्रीका के पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या सबसे अधिक होने की आशंका है। मलेरिया से होने वाली मौतों में करीब 70 फीसदी अफ्रीका में रहने वाले बच्चों की संख्या है, हालांकि एशिया-प्रशांत और अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी इस बीमारी का प्रकोप है। मलेरिया के दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी के लिए खतरा बने होने और इसके उन्मूलन के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए जाने के बावजूद इस रोग के वैश्विक बोझ को कम करने में प्रगति 2015 के बाद से लगभग रुकी हुई है।

2020 में मलेरिया के संकट में चिंताजनक वृद्धि हुई, जिसका एक कारण आंशिक रूप से कोविड-19 महामारी का प्रभाव भी शामिल है। 2023 विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुमान के मुताबिक, 2022 में मलेरिया के 24.9 करोड़ मामले सामने आए थे। मलेरिया की बेहतर रोकथाम, उपचार, निदान और निगरानी के माध्यम से इस रोग के उन्मूलन की दिशा में प्रगति में तेजी लाने के लिए नई रणनीतियों और उपकरणों की आवश्यकता है। मलेरिया एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं बल्कि प्लास्मोडियम परजीवी (पी. फाल्सीपेरम या पी. विवैक्स) से संक्रमित एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने में मौजूद विशिष्ट चुनौतियों में से यह एक है, क्योंकि यह कई अन्य संक्रमणों से भिन्न है।

मलेरिया पर नियंत्रण के लिए ऐसी रणनीतियों की आवश्यकता है, जो मच्छरों के साथ-साथ लोगों को भी ध्यान में रखकर बनाई जाएं। इसके अलावा संक्रामक मामलों को अलग करने और अन्य संक्रामक रोगों में उपयोग किए जाने वाले सामाजिक दूरी के उपाय प्रभावी रणनीतियां नहीं हैं। मलेरिया के संक्रमण को रोकने का एक सरल और सामान्य प्रभावी तरीका मच्छरों के काटने से बचने के लिए मच्छरदानी के अंदर सोना है। हालांकि मच्छरों के व्यवहार में बदलाव और कीटनाशकों व मलेरिया-रोधी दवाओं के प्रति परजीवियों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता ने मलेरिया से बचाव के तरीकों की प्रभावशीलता को कम किया है। उच्च जोखिम वाली आबादी में एहतियाती उपायों की पहुंच अधूरी होने की वजह से भी यह समस्या और बढ़ गई है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए मलेरिया के संचरण को रोकने और रोग से सुरक्षा प्रदान करने में एक टीका परिवर्तनकारी हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में पहली मलेरिया वैक्सीन (आरटीएस, एसएएस01 और आर21मैट्रिक्स-एम) को व्यापक रूप से इस्तेमाल करने की सिफारिश की है, जो मलेरिया की रोकथाम में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। हालांकि, चुनौतियां अब भी बरकरार हैं। टीकों को वर्तमान में केवल छोटे बच्चों पर इस्तेमाल करने की मंजूरी प्रदान की गई है और इन टीकों से मिलने वाली सुरक्षा की अवधि अपेक्षाकृत कम होती है।

रोहित-जडेजा ने शतक जड़कर भारत के नाम किया पहला दिन

भाषा। राजकोट

कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने गुरुवार को यहां शतक जड़कर न सिर्फ टीम को शुरुआती झटकों से उबारा बल्कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच का पहला दिन भी भारत के नाम किया। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 326 रन बनाए हैं। रोहित (131) और जडेजा (नाबाद 110) ने चौथे विकेट के लिए 204 रन की साझेदारी की। यह भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ चौथे विकेट के लिए तीसरी बड़ी साझेदारी है। इन दोनों के अलावा अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सरफराज खान ने 66 गेंद पर 62 रन की मनोरंजक पारी खेली। स्टंप उखड़ने के समय जडेजा के साथ नाइट वॉचमैन कुलदीप यादव एक रन पर खेल रहे थे। रोहित और जडेजा ने तब मोर्चा संभाला जब भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 33 रन पर अपने तीन युवा बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (10), शुभमन गिल (00) और रजत पाटीदार (05) के विकेट गंवा दिए थे। इंग्लैंड की तरफ से तेज गेंदबाज मार्क वुड सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अब तक 69 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। रोहित और जडेजा ने सहजता से रन बटोरे। उन्हें निरंजन शाह स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। इन दोनों बल्लेबाजों ने एकाग्रता और आक्रामकता का अच्छा नमूना पेश किया तथा ढीली गेंदों को सबक सिखाने में कोताही नहीं बरती।

वुड को हालांकि सुबह के सत्र में थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था लेकिन बाद में इस तेज गेंदबाज ने शॉर्ट पिच गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ली। रोहित ने लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद पर दो रन लेकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया जो सलामी बल्लेबाज के रूप में इंग्लैंड के खिलाफ उनका तीसरा शतक है।

रोहित ने इसके बाद विशेषकर रेहान को निशाने पर रखा लेकिन वुड ने शॉर्ट पिच गेंद करना जारी रखा। रोहित का धैर्य आखिर में जवाब दे गया और इस तेज गेंदबाज की एक और शॉर्ट पिच गेंद को सबक सिखाने के प्रयास में मिड विकेट पर बेन स्टोक्स को कैच दे बैठे। उन्होंने अपनी पारी में 196 गेंद का सामना करके 14 चौके और तीन छक्के लगाए। अपने घरेलू और पसंदीदा मैदान पर खेल रहे जडेजा ने शतक के करीब पहुंचने के बाद धीमी बल्लेबाजी की। उन्होंने 198 गेंद का सामना करके अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक पूरा किया। इस ऑल राउंडर ने लेग साइड में रन बटोरे तथा विकेटों के बीच उनकी दौड़ शानदार रही। उन्होंने अपनी कलाई का अच्छा इस्तेमाल करके रन बटोरे। जडेजा ने अब तक 212 गेंद का सामना करके नौ चौके और दो छक्के लगाए हैं। सरफराज को देखकर किसी भी समय नहीं लगा कि वह अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की तथा मैदान के चारों तरफ शॉट जमाकर विविधतापूर्ण स्ट्रोक लगाने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने चौकों की झड़ी लगाई और इस बीच बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टली की गेंद छक्के के लिए भेजी और केवल 48 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। जब लग रहा था कि सरफराज बड़ी पारी खेलने में सफल रहेंगे तब जडेजा के साथ गफलत के कारण उन्हें रन आउट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने 66 गेंद की अपनी पारी में 9 चौके और एक छक्का लगाया।

भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही थी जबकि वुड ने सुबह के सत्र में दो और हार्टली ने एक विकेट लेकर इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई।वुड की गति और पिच से मिल रहे मूवमेंट के कारण भारत को शुरू में कुछ करारे झटके सहने पड़े। पहले दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सलामी बल्लेबाज जायसवाल यहां कुछ खास योगदान नहीं दे पाए तथा वुड की उछाल लेती गेंद पर स्लिप में कैच देकर पवेलियन लौटे। विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में शतक बनाकर फॉर्म में वापसी करने वाले गिल को वुड ने यहां खाता भी नहीं खोलने दिया। उन्होंने विकेटकीपर बेन फॉक्स को आसान कैच दिया। गिल की पारी केवल नौ गेंद तक सीमित रही।भारत का स्कोर तब तीन विकेट पर 33 रन हो गया जब नंबर चार पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाटीदार ने हार्टली की गेंद पर शॉर्ट कवर पर खड़े बेन डकेट को आसान कैच दिया।

पिछले दो मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले रोहित का भाग्य ने भी साथ दिया। जेम्स एंडरसन की गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट दे दिया गया था लेकिन डीआरएस से पता चला की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर पैड पर टकराई थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के पहले दिन का स्कोर

भारत पहली पारी :
यशस्वी जायसवाल का रूट बो वुड 10
रोहित शर्मा का स्टोक्स बो मार्क वुड 131
शुभमन गिल का फोक्स बो मार्क वुड 00
रजत पाटीदार का डकेट बो टॉम हार्टली 05
रविंद्र जडेजा खेल रहे है 110
सरफराज खान रन आउट (मार्क वुड) 62
कुलदीप यादव खेल रहे है 01
अतिरिक्त : (बाई-1, लेगबाई-3, नो बॉल -2, वाइड-1) 07
कुल : 86 ओवर में पांच विकेट पर 326 रन
विकेट पतन : 1-22, 2-24, 3-33, 4-237, 5-314

गेंदबाजी :
जेम्स एंडरसन 19-5-51-0
मार्क वुड 17-2-69-3
टॉम हार्टली 23-3-81-1
जो रूट 13-1-68-0
रेहान अहमद 14-0-53-0

टेस्ट कैप पाकर भावुक हो गए सरफराज और जुरेल

सरफराज ने खेली 62 रनों की धमाकेदार पारी

राजकोट। भारतीय टीम में गुरुवार की सुबह तब भावनाओं का ज्वार उमड़ रहा था जब घरेलू स्तर पर रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच से पहले टेस्ट कैप सौंपी गई। मुंबई की तरफ से घरेलू स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सरफराज पिछले लंबे समय से भारतीय टीम का दरवाजा खटखटा रहे थे लेकिन इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को आखिर इंतजार के बाद टेस्ट टीम में जगह मिल गई। केएल राहुल के चोटिल होने, श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर किए जाने तथा विराट कोहली की अनुपस्थिति के कारण सरफराज को टेस्ट टीम में जगह बनाने का मौका मिला। दूसरी तरफ केएस भरत के बल्लेबाजी में लगातार लचर प्रदर्शन के कारण उत्तर प्रदेश के जुरेल का विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अंतिम एकादश में चयन तय माना जा रहा था। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत लगभग 47 है।

इस तरह से सरफराज भारत के 311वें और जुरेल 312वें टेस्ट क्रिकेटर बने।दाएं हाथ के बल्लेबाज सरफराज को भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और देश के सबसे सफल गेंदबाज अनिल कुंबले ने टेस्ट कैप दी। इस अवसर पर कुंबले ने कहा, सरफराज आप जिस तरह से आगे बढ़े उस पर वास्तव में हमें गर्व है। आपने जो कुछ हासिल किया मुझे विश्वास है कि उस पर आपके पिता और परिवार को बहुत गर्व होगा। मुझे पता है कि आपने कड़ी मेहनत की है। यह आपके लंबे करियर की शुरुआत है। आपसे पहले केवल 310 लोग खेले हैं। आपको ढेर सारी शुभकामनाएं। सरफराज को बाद में अपने पिता और कोच नौशाद खान को अपनी टेस्ट कैप दिखाते हुए देखा गया। यही नहीं उनकी पत्नी की आंखों में आंसू छलक आए और सरफराज को उन्हें पोंछते हुए देखा गया।जुरेल को पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने टेस्ट कैप सौंपी। कार्तिक ने इस अवसर पर कहा, आगरा से आना और छोटी उम्र में नोएडा जाना और आपके साथ आपकी मां का होना। इस यात्रा में कुछ मुश्किलें जरूर आई होंगी। इस यात्रा में कई लोगों ने आपकी मदद की होगी और मुझे यकीन है कि आज आपको देखकर वे खुश हो रहे होंगे। उन्होंने कहा, आपने विभिन्न प्रारूप में मैच खेले होंगे लेकिन टेस्ट क्रिकेट सबसे कड़ा प्रारूप होता है और जब आप इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो बहुत संतुष्टि मिलती है।

सरफराज के पिता ने कहा, मेरी सोच बदल गई: राजकोट। घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने के बावजूद सत्र दर सत्र सरफराज खान की अनदेखी से उनके पिता की उम्मीदें टूट गई थीं लेकिन जब गुरुवार को उनके बेटे को टेस्ट पदार्पण की कैप सौंपी गई तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू नहीं रूक रहे थे।सरफराज के पिता और मेंटोर नौशाद खान अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सके जब इस मध्यक्रम के बल्लेबाज को महान क्रिकेटर अनिल कुंबले से भारतीय टीम की कैप मिली।

अपने पिता के सामने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना चाहता था: सरफराज

राजकोट, 15 फरवरी (भाषा) छह साल की उम्र मे क्रिकेट का सफर शुरू करने वाले सरफराज खान का हमेशा से सपना अपने पिता के सामने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना था। दो दशक बाद मुंबई के इस बल्लेबाज का सपना गुरुवार को साकार हुआ जब उन्हे इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मे पदार्पण का मौका मिला और इस दौरान स्टेडियम में मौजूद उनके पिता नौशाद अपने आंसुओं को नही रोक पाए।सरफराज ने पदार्पण करते हुए अर्धशतक जड़ा। वह बड़ी पारी खेलने की राह पर थे लेकिन नाबाद शतक जड़ने वाले रविंद्र जडेजा के साथ गलतफहमी का शिकार होकर गेंदबाजी छोर पर रन आउट हो गए। यह 26 वर्षीय बल्लेबाज हालांकि पदार्पण करके काफी खुश है और उनकी कोई शिकायत नही है।भारत के पहले दिन पांच विकेट पर 326 रन बनाने के बाद सरफराज ने यहां मीडिया से कहा, पहली बार मैदान पर आना और अपने पिता के सामने कैप (भारतीय टीम की) लेना। मै छह साल का था जब उन्होंने क्रिकेट की मेरी ट्रेनिंग शुरू की। यह मेरा सपना था कि उनके सामने भारतीय टीम के लिए खेलूं।

भारत फीफा रैंकिंग में 15 पायदान खिसक कर 117वें स्थान पर

नई दिल्ली,। भारतीय फुटबॉल टीम हाल मे एएफसी एशियाई कप मे निराशाजनक प्रदर्शन के कारण गुरुवार को फीफा रैंकिंग मे 15 पायदान खिसककर 117वें स्थान पर पहुंच गई जो सात साल मे उसकी सबसे खराब रैंकिंग है। भारत एएफसी एशियाई कप मे अपने सभी तीनो ग्रुप मैच गंवा बैठा था। यह भारत की जनवरी 2017 मे 129वी रैंकिंग के बाद सबसे खराब रैंकिंग है। हालांकि अभी तक देश की सबसे खराब रैंकिंग 2015 मे 173 थी। पिछली फीफा रैंकिंग मे भारतीय टीम 102वें स्थान पर थी जो 21 दिसंबर 2023 को जारी हुई थी। भारत ने पिछली रैंकिंग से 35.63 रेटिंग अंक गंवा दिए। अब यह टोगो (116वी रैंकिंग) और गिनी बिसाऊ (118वी रैंकिंग) के बीच मे काबिज है। एशियाई देशो मे भारत की रैंकिंग 22 है। कोच इगोर स्टिमक के मार्गदर्शन मे भारत एशियाई कप मे आस्ट्रेलिया से 0-2, उज्बेकिस्तान से 0-3 और सीरिया से 0-1 से हार गया था जिससे उसे कोई अंक नही मिला और टीम इसमे कोई गोल भी नही कर पाई। इससे चार टीम के ग्रुप बी मे भारत निचले पायदान पर रहा था। विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना रैंकिंग मे शीर्ष पर कायम है और शीर्ष 10 मे कोई बदलाव नही हुआ है। रैंकिंग मे एशिया और अफ्रीका के देश की रैंकिंग मे ही बदलाव हुआ है क्योंकि इस दौरान उनकी महाद्वीपीय चैम्पियनशिप हुई थी।

टी20 विश्वकप तक मुख्य कोच बने रहेंगे राहुल द्रविड़

राजकोट। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने पुष्टि की कि राहुल द्रविड़ इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप तक भारत के मुख्य कोच बने रहेंगे। द्रविड़ का अनुबंध पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था लेकिन उन्हें कार्यकाल तय किए बिना उनके सहयोगी स्टाफ के साथ दिसंबर जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के दौरे तक पद पर बने रहने के लिए कहा गया था। लेकिन शाह ने कहा कि उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप तक द्रविड़ को मुख्य कोच बनाए रखने का फैसला करने से पहले इस पूर्व कप्तान के साथ बातचीत की। शाह ने बुधवार को यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, विश्व कप के बाद राहुल भाई को तुरंत ही दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाना पड़ा। इस बीच हमारी मुलाकात नहीं हो पाई जो आखिर में आज संभव हुई। उन्होंने कहा, आप राहुल द्रविड़ जैसे सीनियर व्यक्ति के अनुबंध को लेकर चिंतित क्यों हैं। वह टी20 विश्व कप में भी कोच बने रहेंगे। शाह ने हालांकि संकेत दिए कि टी20 विश्व कप से पहले उनके बीच कुछ दौर की बातचीत होगी। उन्होंने कहा, जब भी समय मिलेगा मैं उनसे बात करूंगा। अभी लगातार श्रृंखलाएं हो रही हैं। वे पहले दक्षिण अफ्रीका में थे और फिर अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला हुई और अब हम इंग्लैंड के खिलाफ खेल रहे हैं। हमारी इस बीच कोई बातचीत नहीं हुई।

नागल ने कोलमैन वोंग को हराया बेंगलुरु ओपन के क्वार्टरफाइनल में

बेंगलुरु। भारत के दूसरे वरीय सुमित नागल को गुरुवार का यहां कोलमैन वांग से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन वह एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले को जीतकर बेंगलुरू ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए। नागल ने हांगकांग के खिलाड़ी पर 6-2, 7-5 से जीत हासिल की। नागल ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त बनाई लेकिन 26 वर्षीय भारतीय को अगले गेम में 0-30 से पिछड़ने के बाद वापसी में काफी संघर्ष करना पड़ा। नागल को फिर आठवें गेम में एक और ब्रेक मिला जिससे उन्होंने पहला सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में 19 वर्षीय वोंग ने दूसरे सेट में नागल को बड़ा संघर्ष कराया। पहले चार गेम में दोनों ने अपनी सर्विस पर गेम जीते। पर हांगकांग के खिलाड़ी ने पांचवें गेम में नागल की सर्विस तोड़ी जिससे इस टूर्नामेंट में पहली बार भारतीय खिलाड़ी ने अपनी सर्विस ड्राप की। लेकिन दुनिया के 98वें नंबर के खिलाड़ी नागल ने छठे गेम में सर्विस ब्रेक कर स्कोर 3-3 कर दिया। सातवें गेम में नागल 0-40 से पीछे थे और वोंग ने दो विनर जमा दिए।

वावरिंका अर्जेंटीना ओपन से बाहर

ब्यूनस आयर्स। तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्टैन वावरिंका तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस जैरी से तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले मे हार कर अर्जेंटीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए।वावरिंका मैच के लिए सर्विस कर रहे थे लेकिन वह इसे गंवा बैठे जिसके कारण उन्हे 6-7 (3), 6-2, 7-6 (5) से हार का सामना करना पड़ा।क्वार्टर फाइनल में जैरी का सामना टॉमस मार्टिन एचेवेरी से होगा। एचेवेरी ने कोलंबिया के डेनियल गैलान को 6-3, 6-0 से हराया।गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज का सामना स्थानीय खिलाड़ी कैमिलो काराबेली से होगा।

रोनाल्डो का 2024 का पहला गोल, अल नासर 1-0 से जीता

रियाद (सऊदी अरब)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 2024 के पहले गोल की बदौलत अल नासर ने एशियाई चैम्पियंस लीग के राउंड 16 के पहले चरण के मैच में अल फाहया पर 1-0 से जीत हासिल की। रोनाल्डो ने 81वें मिनट में इंटर मिलान के पूर्व मिडफील्डर मार्सेलो ब्रोजोविच की मदद से यह गोल दागा।अल नासर फुटबॉल क्लब अपना पहला महाद्वीपीय खिताब जीतने की कोशिश में जुटा है। राउंड 16 के दूसरे चरण का मैच अगले बुधवार को खेला जाएगा।

बेडिंगहैम का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के सामने 267 रन का लक्ष्य रखा

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड)। डेविड बेडिंगहैम के करियर के पहले शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन गुरुवार को यहां न्यूजीलैंड के सामने 267 रन का लक्ष्य रखा। न्यूजीलैंड ने इसके जवाब में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 40 रन बनाए थे और वह अभी लक्ष्य से 227 रन पीछे है। न्यूजीलैंड ने दिन के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर डेवोन कॉनवे (17) का विकेट गंवाया जिन्हें ऑफ स्पिनर डेन पीट ने पगबाधा आउट किया। स्टंप के समय टॉम लैथम 21 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 235 रन बनाए। उसकी पारी का आकर्षण बेडिंगहैम का शतक रहा जिन्होंने 110 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। बेडिंगहैम ने इस बीच कीगन पीटरसन (43) के साथ पांचवें विकेट के लिए 98 रन की साझेदारी की।इन दोनों के अलावा कप्तान नील ब्रांड (34) और जुबेर हम्ज़ा (17) ही दोहरे अंक में पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अंतिम छह विकेट 33 रन के अंदर गंवाए। न्यूजीलैंड की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे लंबे कद के तेज गेंदबाज विल ओरूर्के ने 34 रन देकर 5 विकेट लिए। इस तरह से उन्होंने टेस्ट मैच में 93 रन देकर 9 विकेट हासिल किए जो न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट पदार्पण पर किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।न्यूजीलैंड के किसी भी मैदान पर सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के नाम पर है जिसमें 1969 में ईडन पार्क ऑकलैंड में 345 रन बना कर जीत हासिल की थी। न्यूजीलैंड का सामना दक्षिण अफ्रीका की दूसरे दर्जे की टीम से हो रहा है लेकिन उसके लिए बाकी बचे 227 रन बनाना आसान नहीं होगा क्योंकि पिच से अंतिम दो दिन टर्न मिलने की उम्मीद है। पीट को तीसरे दिन शाम को ही टर्न मिल रहा था।पीट ने पहली पारी में 89 रन देकर 5 विकेट लिए थे जिससे न्यूजीलैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका के 242 रन के जवाब में 211 रन पर आउट हो गई थी।

भारत पुरुष टीम बीएटीसी में चीन से 2-3 से हारी, ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहे

शाह आलम (मलेशिया)। भारतीय पुरुष टीम को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार युगल जोड़ी की काफी कमी खली जिससे उसे गुरुवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप (बीएटीसी) के ग्रुप मैच में चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन ने अपने एकल मुकाबले जीते लेकिन चीन ने वापसी करते हुए दोनों युगल मुकाबले जीतकर स्कोर 2-2 कर दिया। और अंतिम मैच में राष्ट्रीय चैम्पियन चिराग सेन को वांग झेंग जिंग से 15-21 16-21 से हार मिली जिससे भारत मुकाबला गंवा बैठा। पहले ही नॉकआउट चरण में जगह बना चुकी भारतीय टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही और चीन ने शीर्ष स्थान हासिल किया। पता चला है कि सात्विक और चिराग तथा 2021 विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता किदाम्बि श्रीकांत को टीम प्रबंधन ने आराम दिया था क्योंकि भारत पहले ही बुधवार को हांगकांग पर 4-1 की जीत से क्वार्टरफाइनल में जगह बना चुका था। दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी वेंग पर 6-21 21-18 21-19 से जीत दर्ज कर भारत को 1-0 से आगे कर दिया। पहले युगल में एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला एक गेम जीतने के बावजूद चेन बो यांग और लियू यिन से 15-21 21-19 19-21 से पराजित हो गए। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने फिर लेई लान जि को 40 मिनट में 21-11 21-16 से हराकर भारत को वापसी कराई। लेकिन सूरज गोआला और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय की जोड़ी को दूसरे युगल में रेन जियांग यु और जि हाओ नान की जोड़ी से 13-21 9-21 से हार मिली जिससे स्कोरलाइन 2-2 हो गई। निर्णायक मैच में चिराग भारत के लिए मैच नहीं जीत सके। दोनों टीम पहले ही नॉकआउट में स्थान सुनिश्चित कर चुकी हैं जिससे अब ध्यान क्वार्टरफाइनल पर लगा होगा। भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को अपने लीग मैच में चीन को 3-2 से हराकर उलटफेर किया था जिससे उसने अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

बजरंग की डब्ल्यूएफआई को फिर निलंबित करने की अपील

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने गुरुवार को कुश्ती की वैश्विक संचालन संस्था यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) से भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फिर से निलंबित करने की अपील करते हुए कहा कि संजय सिंह की अगुआई वाली संस्था को बहाल करने से पहलवान खतरे और उत्पीड़न के दायरे में आ गए हैं। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने मंगलवार को भारत पर लगा अस्थाई प्रतिबंध हटा दिया लेकिन राष्ट्रीय महासंघ को निर्देश दिया कि वह लिखित गारंटी दे कि विरोध कर रहे पहलवानों बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्वाई नहीं की जाएगी।बजरंग ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने हैंडल में साझा किए पत्र में लिखा, इस फैसले से भारतीय पहलवान एक बार फिर डब्ल्यूएफआई सदस्यों से खतरे और उत्पीड़न के दायरे में आ गए हैं। समय पर चुनाव नहीं कराने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने पिछले साल 23 अगस्त को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। कई अड़चनों के बाद अंततः डब्ल्यूएफआई के चुनाव हुए और संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया।बजरंग ने कहा, हम पहलवान आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया विभिन्न माध्यमों से अनुचित कार्यों और उत्पीड़न के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करें। भारतीय पहलवान न्याय और निष्पक्ष एवं सुरक्षित खेल के अपने अधिकारों के लिए आपकी ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि आप भारत में स्वच्छ और निष्पक्ष खेल गतिविधियों का समर्थन तथा डब्ल्यूएफआई के खिलाफ आवश्यक कार्वाई के हमारे अनुरोध पर विचार करेंगे। बजरंग ने इस पत्र की प्रति खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को भी सौंपी है। तोक्यो ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू को याद दिलाया कि भारत के खेल मंत्रालय ने पिछले साल 27 दिसंबर को कार्यभार संभालने के कुछ दिनों के भीतर गंभीर विसंगतियों का हवाला देते हुए डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था।

डेविस कप में क्ले कोर्ट पर स्वीडन को हरा सकता है भारत: रामकुमार

बेंगलुरू। रामकुमार रामनाथन ने कहा है कि अगर स्वीडन सितंबर में होने वाले डेविस कप टेनिस मुकाबले को क्ले कोर्ट पर खेलने का फैसला करता है तो भारतीय टीम मेजबान टीम की चुनौती से निपटने में सक्षम है।

भारतीय टीम स्वीडन जाएगी तो उसकी नजरें इस यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। अब तक दोनों टीम के बीच पांच मुकाबले खेले गए हैं। रामकुमार ने कहा कि स्वीडन के खिलाड़ियों की खेलने की शैली से परिचित होने का भी टीम को फायदा मिलेगा। हाल में इस्लामाबाद में हुए प्ले ऑफ में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराकर विश्व ग्रुप के लिए क्वालीफाई किया। यहां कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) द्वारा डेविस कप खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में रामकुमार ने कहा, मुझे यकीन है कि वे क्ले कोर्ट पर खेलेंगे लेकिन हम कुछ अविश्वसनीय टेनिस खेल रहे हैं और फिर हमारे पास सुमित नागल हैं, मुझे लगता है कि वह उन्हें परेशान कर सकते हैं। मुझे यकीन है कि वह काफी फिट हैं। उन्होंने कहा, कोर्ट पर रैंकिंग मायने नहीं रखती क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उस दिन कितना अच्छा खेलते हैं। आपने देखा है कि ऐसाम (पाकिस्तान के ऐसाम उल-हक कुरैशी) ने (डेविस कप में) कैसा प्रदर्शन किया था, सही है ना? समारोह में एन श्रीराम बालाजी, साकेत माइनेनी, निक्की पूनाचा और केएसएलटीए के संयुक्त सचिव सुनील यजमन भी मौजूद रहे।

रामकुमार को साथ ही उम्मीद है कि वह स्वीडन के खिलाफ मुकाबले से पहले एकल मैच में खेलने के अपने कौशल को निखार पाएंगे।

न्होंने कहा, स्वीडन शानदार टीम है और उनके पास इलियास (यमेर, विश्व में 160वें नंबर के खिलाड़ी) जैसे कुछ काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। रामकुमार ने कहा, मैं अगले कुछ महीनों में कुछ अच्छे एकल मुकाबले खेलने की उम्मीद कर रहा हूं। मैं इलियास के खिलाफ खेला हूं और वह काफी कुशल खिलाड़ी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205, द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।